{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 18 अगस्त 2026
श्रावण शुक्ल 06 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 324
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	77,728.16
निफ्टी	-	24,287.65
सोना	-	1,64,619
चांदी	-	2,50,000
डॉलर	-	95.63

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

होटल में आग, 8 की मौत, 9 झुलसे

बीरभूम।पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में तारापीठ मंदिर के पास एक होटल में आग लगने से 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 9 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगने की आशंका है। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। बीरभूम के स्क्र विदित राज भुंडेश के मुताबिक, होटल के बाहर से धुआं या आग की लपटें दिखाई नहीं दे रही थीं। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमों ने सीढ़ियों की मदद से 22 लोगों को बाहर निकाला, जबकि 11 लोगों को अस्पताल भेजा गया। होटल संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन्हें हिरासत में लिया गया है। एक अन्य महिला ने बताया कि वो साउथ 24 परगना से रविवार दोपहर पूजा करने आई थी। उनके साथ उनकी मां और बच्चे थे। उनकी मां रूम नंबर एक में थी। अब उनकी मां और दो बच्चे नहीं मिल रहे हैं।

मंदिर में भगदड़, 7 महिलाओं की मौत

लखीसराय। बिहार के लखीसराय में सोमवार को भगदड़ मच गई। हादसे में 7 महिलाओं की मौत हो गई। 23 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। 3 की हालत नाजुक बताई जा रही है। मृतकों की संख्या बढने की आशंका है। घटना अशोकधाम स्टेशन से मंदिर जाने वाले रास्ते पर हुई। लखीसराय डीएम शैलेंद्र कुमार ने बताया कि पुरुषों की लाइन की तरफ एक खंभा गिर गया। इसके बाद अफवाह फैली कि लोगों पर बिजली की चालू लाइन का तार गिर गया, जबकि वह सिर्फ एक केबल वायर (डिश/इंटरनेट का तार) था। पुरुषों की तरफ से भीड़ का दबाव महिलाओं की लाइन पर पड़ा, जिससे वे एक-दूसरे पर गिर गईं। चार मृतकों की पहचान हुई है। इनमें लखीसराय की मधुबाला देवी, मनमाला देवी, हेमलता देवी और मुंगेर की रिंकू देवी हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम मोदी ने हादसे पर दुख जताया है।

मुंबई के चार रेलवे स्टेशनों के वॉटर कूलर में ई-कोलाई!

मुंबई। देशभर के कई रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को उपलब्ध कराए जाने वाले पेयजल की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में मुंबई और आसपास के चार रेलवे स्टेशनों के वॉटर कूलर के पानी में ई-कोलाई जैसे बैक्टीरिया पाए जाने की बात सामने आई है। रिपोर्ट में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी), कल्याण, भिवंडी रोड और लोनावला रेलवे स्टेशन का उल्लेख किया गया है। इस खुलासे के बाद रेल यात्रियों में चिंता बढ़ गई है। संसद में पेश कैग की रिपोर्ट के अनुसार, देशभर के 512 रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं और स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान 412 गैर-उपनगरीय रेलवे स्टेशनों पर पेयजल की गुणवत्ता में खामियां सामने आईं।

कैबिनेट की बैठक के बाद सीएम हेमंत सोरेन का बड़ा ऐलान

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा रद्द

रांची । रांची स्थित प्रोजेक्ट भवन में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में चल रही कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक समाप्त हो गई है. बैठक के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मीडिया से रूबरू हुए और कैबिनेट बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णयों की आधिकारिक जानकारी साझा की. जानकारी के मुताबिक, लंबे समय से छ्स्स्ष्ट ष्ट्नरुरद्द करने को लेकर आंदोलन कर रहे (कंबाइंड ग्रेजुएट लेवल) छात्रों को बड़ी खुशखबरी मिली है. इसके मुताबिक जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा रद्द कर दिया गया है. कैबिनेट से सहमति मिलने के बाद ये फैसला लिया गया है. इस फैसले की चर्चा हर जगह जोरों पर है।

टीडीपीएल द्वारा ली गई सभी परीक्षाएं रद्द

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए यह भी जानकारी दी कि सिर्फ सीजीएल परीक्षा ही नहीं बल्कि टीडीपीएल एजेंसी द्वारा ली गई सभी परीक्षाएं रद्द होंगी. भले ही उसकी चयन प्रक्रिया पूरी ही क्यों न हो हो गई हो. साथ सीजीएल परीक्षा में हुई गड़बड़ी की जांच होंगी. प्रेस वार्ता में सीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में आंदोलन कर रहे युवा अलग-अलग खेमों में बंटे नहीं हैं, वे सभी हमारे राज्य के नौजवान हैं और सरकार हमेशा उनके हितों के साथ खड़ी है. मैं खुद हमेशा छात्र के हित के पक्ष में रहा हूं।

पूर्ववर्ती सरकारों पर भी मढ़ा दोष

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भर्ती परीक्षाओं में हुई गड़बड़ियों पर भी बात की. उन्होंने कहा कहा कि यदि पूर्व में निर्धारित एसओपी (Standard Operating Procedure) का पूरी सख्ती से पालन किया जाता, तो ऐसी खामियां सामने नहीं आतीं. उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने परीक्षाओं में धांधली रोकने के लिए सबसे पहले कड़ा कानून बनाया है और अब परीक्षा प्रक्रिया में कई नए सुधार (Reforms) करने जा रही है ताकि पूरी पारदर्शिता बरती जा सके।

परीक्षा में सुधारों के लिए होगा उच्चस्तरीय कमेटी का गठन

सीएम हेमंत सोरेन ने परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी बनाने के लिए अपना प्लान भी बताया. उन्होंने कहा कि जेएसएससी और जेपीएससी में सुधार के लिए वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी अमिताभ कौशल के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय कमेटी का गठन किया जाएगा. ये कमेटी प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजन, भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने और आवश्यक परीक्षा सुधारों (E&am Reforms) के लिए अपनी सिफारिशें और दिशा-निर्देश तैयार करेगी. मुख्यमंत्री ने अंत में दोहराया कि उनकी सरकार युवाओं के भविष्य के खिलवाड़ को रोकने और उनके भरोसे को कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

7 महीने बाद नितिन नबीन की नई टीम का ऐलान, स्मृति की वापसी; अमित मालवीय की छुट्टी

लाल सिंह आर्य समेत मप्र के छह नेताओं को मिली जिम्मेदारी

नई दिल्ली। 7 महीने बाद नितिन नबीन की नई टीम की घोषणा हो गई है। वसुंधरा राजे को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नितिन नबीन की नई टीम में 8 महासचिव बनाए गए हैं। अनिल बलूनी पहले की तरह मीडिया इंचार्ज पद पर बने रहेंगे। इसी तरह बीएल संतोष के पास भी संगठन महासचिव का पद पहले की तरह यथावत रहेगा। वहीं आईटी सेल हेड अमित मालवीय की छुट्टी हो गई है। वे लंबे वक्त से बीजेपी संगठन में आईटी सेल के हेड थे। मालवीय की जगह दीपक महस्के को सोशल मीडिया का प्रभारी नियुक्त किया गया है। वहीं नितिन की नई टीम में मध्य प्रदेश के 6 नेताओं को भी जगह मिली है। मध्य प्रदेश के लाल सिंह आर्य को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। गजेंद्र पटेल को राष्ट्रीय महामंत्री, कविता पाटीदार को राष्ट्रीय मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है।

नितिन की टीम में कौन-कौन

उपाध्यक्ष- वसुंधरा राजे, राम माधव, तीरथ सिंह रावत, बैजयंत जय पांड्या, रेखा वर्मा, डी पुरंदेश्वरी, भारती पवार, मनप्रीत बादल, वी नरेंद्र भाई दोषी, लाल सिंह आर्या, एम नागराज, तारिक मंसूर और मधुचंद्र कर।

महासचिव- सुनील बंसल, विनोद तावड़े, बिप्लब देव, स्मृति ईरानी, सतीश पूनिया, गजेंद्र पटेल, हरीश द्विवेदी और संजय भाटिया।

संगठन महासचिव- बीएल संतोष

सह संगठन महासचिव- सौदान सिंह, शिवप्रकाश

राष्ट्रीय सचिव- कविता पाटीदार, के सुरेंद्रन, भोला सिंह, प्रदीप वर्मा, जगदीश पटेल, संदीप पाठक, फेंगनोन कोनयाक, संगीता यादव, अनिल एंटनी, एम वेंकटेशन, मनोज टिग्गा, सिद्धार्थ शंभु, स्वदेश सिंह, मृगांका देब वर्मन, रोहन गुप्ता, जय प्रकाश।

मोर्चा अध्यक्षों की लिस्ट- हेमांग जोशी (युवा मोर्चा), रूप चौधरी (महिला मोर्चा), अमरपाल मौर्य (ओबीसी मोर्चा), शिवेश राम (एससी मोर्चा), बंसीलाल गुर्जर (किसान मोर्चा), मन्नालाल रावत (एसटी मोर्चा), कुवंर बासित अली (अल्पसंख्यक मोर्चा)।

केपीसीसी अध्यक्ष और कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद बोले...

जैश, तालिबान और आरएसएस में कोई फर्क नहीं

नई दिल्ली। वंदे मातरम विवाद पर केरल यूनिवर्सिटी के कार्यवाहक वाइस चांसलर मोहनन कुन्नुम्मल के बयान पर केपीसीसी अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद ने कहा कि उन्होंने आरएसएस पर सही निशाना साधा है क्योंकि वे न तो वंदे मातरम गाते हैं, न ही राष्ट्रगान गाते हैं और न ही तिरंगा फहराते हैं। उन्होंने कहा कि जैश-ए-मोहम्मद, तालिबान और आरएसएस में कोई अंतर नहीं है क्योंकि ये तीनों भारत में रजिस्टर्ड नहीं हैं।

ये बयान वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर के बाद आए हैं, जिसमें उन पर 'वंदे मातरम' गाए जाने के दौरान बाधा डालने का आरोप लगाया गया है। साथ ही, केरल के वीसी मोहनन कुन्नुम्मल ने आरएसएस की एक सभा में राष्ट्रीय गीत का विरोध करने वालों की आलोचना करते हुए हाल ही में टिप्पणी की थी। वीसी मोहनन कुन्नुम्मल शनिवार कहा कि जो लोग 'वंदे मातरम' गाने का विरोध करते हैं, वे नहीं जानते कि उनकी मां कौन है। कुन्नुम्मल शनिवार को यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा युवाओं के लिए आयोजित कार्यक्रम 'संकल्प 2026' में स्वतंत्रता दिवस का संदेश दे रहे थे।

आतंक के खिलाफ बड़ा ऑपरेशन, शहजाद भट्टी नेटवर्क पर शिकंजा

14 राज्यों में 253 संदिग्ध लोग हिरासत में

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान स्थित ढ्ढस्ढ्ढ समर्थित बताए जा रहे शहजाद भट्टी नेटवर्क के खिलाफ देशव्यापी कार्रवाई की। गृह मंत्रालय के मुताबिक, 14 राज्यों में चलाए गए समन्वित ऑपरेशन के दौरान 253 लोगों को हिरासत में लिया गया और 80 से ज्यादा एफआईआर दर्ज की गईं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सुरक्षा बलों ने नेटवर्क के कथित हमलों की साजिश को नाकाम कर दिया। उन्होंने इसे आतंकवाद के खिलाफ सरकार की जीरो-टॉलरेंस नीति का उदाहरण बताया।

गृह मंत्रालय के अनुसार कार्रवाई में आईईडी, पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के निशान वाले ग्रेनेड, पिस्टल, जिंदा कारतूस और सीसीटीवी कैमरे बरामद किए गए। एजेंसियों को आशंका है कि सीसीटीवी कैमरों का इस्तेमाल पुलिस, सुरक्षा प्रतिष्ठानों और अन्य संवेदनशील स्थानों की रेकी के लिए किया जा रहा था। मंत्रालय के मुताबिक, नेटवर्क पर ग्रेनेड, आईईडी और पेट्रोल बम हमलों के साथ-साथ टारगेटेड किलिंग की साजिश से जुड़े होने के आरोप हैं। स्थानीय लोगों को कथित तौर पर रेकी और निगरानी के लिए पैसे दिए जाने की बात भी सामने आई है।

14 राज्यों में एक साथ कार्रवाई

12 अगस्त को राज्य पुलिस बलों के साथ रियल-टाइम इंटेलिजेंस साझा करते हुए अभियान चलाया गया। कार्रवाई का दायरा उत्तर प्रदेश से लेकर दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, महाराष्ट्र और जम्मू-कश्मीर सहित 14 राज्यों तक रहा। हिरासत में लिए गए लोगों में उत्तर प्रदेश से 62, हरियाणा से 52, दिल्ली से 51 और पंजाब से 44 लोग शामिल हैं। इसके अलावा राजस्थान से 15, महाराष्ट्र से 8, उत्तराखंड से 5, जबकि कर्नाटक, गुजरात और बिहार से तीन-तीन लोगों को हिरासत में लिया गया। तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और केरल से दो-दो लोगों को हिरासत में लिए जाने की जानकारी दी गई है।

जासूसी और रेकी पर भी नजर

जांच एजेंसियों के मुताबिक नेटवर्क की गतिविधियां सिर्फ विस्फोटक या हथियार जुटाने तक सीमित नहीं थीं। संवेदनशील स्थानों की निगरानी, सुरक्षा प्रतिष्ठानों की रेकी और संभावित हमलों के लिए स्थानीय स्तर पर नेटवर्क तैयार करने के आरोप भी जांच के दायरे में हैं। सरकार का कहना है कि कार्रवाई का उद्देश्य नेटवर्क की फंडिंग, लॉजिस्टिक्स, स्थानीय संपर्कों और सीमा पार बैठे हैंडलर्स के बीच की कड़ियों को उजागर करना है। हालांकि, हिरासत में लिए गए सभी लोगों के खिलाफ आरोप अभी जांच के अधीन हैं। आगे की कार्रवाई जांच में सामने आने वाले सबूतों और कानूनी प्रक्रिया के आधार पर होगी।

गंगा-कमला नदी में डूबने से 7 बच्चों की मौत

पटना। सावन के तीसरे सोमवार को बिहार में दो बड़ी दुखद घटनाएं सामने आईं, जहां गंगा और कमला नदियों में डूबने से कुल 7 बच्चों की मौत हो गई। इसमें 4 लड़कियां और 3 लड़के शामिल हैं।

पटना जिले के रानीसराय गांव में, सावन की सोमवारी पर गंगा स्नान के लिए गईं 7 बच्चियां गहरे पानी में चली गईं। इस हादसे में तीन बच्चियों के शव बरामद हुए हैं, जबकि एक बच्ची अभी भी लापता है। लोगों ने बांस फेंककर फुर्ती दिखाकर तीन अन्य बच्चियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। ये सभी बच्चियां एक ही परिवार की थीं और इनकी उम्र 14 से 17 साल के बीच थी। मृतकों में दो सगी बहनें आरती और नंदनी शामिल थीं, हालांकि नंदनी का शव मिल गया है और आरती लापता है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और लापता बच्ची की तलाश जारी है। प्रशासन ने प्रत्येक मृतक के परिवार को 4 लाख रुपये के मुआवजे का ऐलान किया है।

वहीं, कटिहार जिले के फलका थाना क्षेत्र में कमला नदी में डूबने से तीन लड़कों की जान चली गई। मृतक बच्चों की पहचान सत्यम कुमार (13), दिव्यांशु कुमार (9) और अमन कुमार (11) के रूप में हुई है। ये तीनों बच्चे नदी में डुबकी लगाने गए थे, जहां गहरे पानी में चले जाने से यह हादसा हुआ। इस घटना में कुल 7 बच्चे डूबे थे, जिनमें से 4 को सुरक्षित बचा लिया गया। दोनों ही घटनाओं से संबंधित परिवारों में मातम पसरा है।

सिक्किम मतदाता सूची पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला- 2002 ही रहेगा आधार वर्ष

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सिक्किम में मतदाता सूची (एसआईआर) के लिए 2002 को आधार वर्ष बनाए रखने के चुनाव आयोग के फैसले में हस्तक्षेप करने से इंकार किया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने 1993 को आधार वर्ष बनाने की मांग वाली याचिका को सोमवार को खारिज किया। याचिकाकर्ता संगठन ने तर्क दिया था कि 2002 में तैयार मतदाता सूची का डेटा सिक्किम के वास्तविक जनसांख्यिकीय आंकड़ों से मेल नहीं खाता, जिससे वोटर लिस्ट में गड़बड़ियां बढ़ सकती हैं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण (एसआईआर) के बीच में आधार वर्ष नहीं बदला जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग ने पूरे देश में 2002 को ही आधार वर्ष माना है, क्योंकि तभी अंतिम व्यापक पुनरीक्षण हुआ था। न्यायालय ने कहा कि 2002 की वोटर लिस्ट में दर्ज मतदाताओं ने बाद के चुनावों में मतदान भी किया है।

प्रशांत किशोर ने बिहार विधानसभा में ली शपथ

पटना। जन सुराज पार्टी (जेएसपी) के संस्थापक प्रशांत किशोर ने सोमवार को बिहार विधानसभा में बांकीपुर विधायक के रूप में शपथ ली। विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार की मौजूदगी में शपथ लेने के बाद किशोर ने इसे अपने लिए गर्व और जिम्मेदारी का पल बताया।

शपथ लेने के बाद विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि जिस सदन में श्रीकृष्ण सिंह, कर्पूरी ठाकुर, अनुग्रह नारायण सिंह, नीतीश कुमार, लालू प्रसाद यादव, केदार पांडे, राम विलास पासवान और सुशील कुमार मोदी जैसे नेताओं ने सेवा की है, उसका सदस्य बनना उनके लिए गौरव की बात है।

उन्होंने कहा कि समाज और बिहार की बेहतरी के लिए अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष समर्पित करने वाले सैकड़ों विधायकों की तरह काम करना उनके लिए बड़ी जिम्मेदारी है। किशोर ने कहा कि विधानसभा सदस्य के तौर पर उनकी प्राथमिकता राज्य और समाज के हित में काम करना होगी। यहां बताते चलें कि प्रशांत किशोर ने 3 अगस्त को बांकीपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में जीत दर्ज कर अपनी चुनावी राजनीति की शुरुआत की थी। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार नीरज कुमार को 19,324 वोटों के अंतर से हराया। किशोर को 64,151 वोट मिले, जबकि नीरज कुमार को 44,827 मत प्राप्त हुए। बांकीपुर सीट लंबे समय से भाजपा का मजबूत गढ़ रही है।

एलपीजी ई-केवाईसी की डेडलाइन बढ़कर 23 अगस्त हुई

नई दिल्ली। एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए ई-केवाईसी कराने की अंतिम तारीख बढ़ाकर 23 अगस्त 2026 रविवार तक कर दी गई है। पहले इसकी समयसीमा 16 अगस्त निर्धारित थी। समयसीमा बढ़ने के बावजूद तेल विपणन कंपनियों के सर्वर और मोबाइल एप में तकनीकी समस्याओं के कारण उपभोक्ताओं को ई-केवाईसी कराने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कई जगह सर्वर डाउन होने और एप के ठीक से काम नहीं करने के कारण ऑनलाइन वेरिफिकेशन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इसके चलते गैस एजेंसियों के काउंटरों पर भीड़ बढ़ गई है। ग्राहक घंटों कतार में खड़े रहने के बावजूद इस बात को लेकर परेशान हैं कि तकनीकी समस्या के कारण उनका ई-केवाईसी पूरा हो पाएगा या नहीं।

सिर्फ सात दिन की राहत, तकनीकी समस्या बरकरार

तेल विपणन कंपनियों ने आधार आधारित ई-केवाईसी के लिए उपभोक्ताओं को सात दिन की अतिरिक्त मोहलत दी है। अब 23 अगस्त तक प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। हालांकि, गैस एजेंसी डीलरों का कहना है कि समयसीमा बढ़ने से उपभोक्ताओं को कुछ राहत मिली है, लेकिन सर्वर और डिजिटल सिस्टम की समस्या अभी भी बनी हुई है।

कुछ ना कहना

उज्जैन महाकाल परिसर में भगदड़ जैसे हालात, 13 घायल

उज्जैन । उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर परिसर में सोमवार को नागपंचमी के मौके पर भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई, जिससे करीब 13 श्रद्धालु घायल हुए और कई बेहोश हो गए। बताया जा रहा है कि यह घटना करंट फैलने की अफवाह के बाद हुई, जब लोग जान बचाने के लिए एक-दूसरे के ऊपर गिरने लगे। प्राथमिक उपचार के बाद अधिकांश घायलों को छुट्टी दे दी गई, जबकि तीन का उपचार जारी है।

पुलिस के अनुसार, महाकाल मंदिर की तीसरी मंजिल पर स्थित नागचंद्रेश्वर भगवान के दर्शन के लिए करीब 40 हजार श्रद्धालु कतार में थे, जबकि अब तक 5.5 लाख से अधिक दर्शनार्थी नागचंद्रेश्वर भगवान के दर्शन कर चुके थे। यह मंदिर वर्ष में केवल एक बार नागपंचमी के दिन ही 24 घंटे के लिए खुलता है।

घायलों ने भीड़ प्रबंधन में गंभीर लापरवाही और समय पर मदद न मिलने का आरोप लगाया है। एक

घायल श्रद्धालु ने बताया कि घंटों कतार में रहने के बाद अचानक बैरिकेड हटा दिए गए, जिससे भगदड़ मच गई। टेंट और बैरिकेड गिरने से उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया। उन्होंने 300 रुपये की रसीद पर वीआईपी दर्शनों को प्राथमिकता देने और एंट्री जारी रहने पर सवाल उठाए, जबकि आम श्रद्धालु घंटों तक रुके रहे।

इसके विपरीत, महाकाल मंदिर के प्रशासक प्रथम कौशिक ने किसी भी तरह की अफरा-तफरी या अप्रिय घटना से इंकार किया है। उन्होंने दावा किया कि श्री महाकालेश्वर मंदिर स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं के दर्शन निर्बाध रूप से जारी हैं और व्यवस्था सुचारू है। इस वर्ष सावन के सोमवार के साथ नागपंचमी का दुर्लभ संयोग होने के कारण नागचंद्रेश्वर मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इसी कारण मंदिर के कपाट, जो साल में एक बार खुलते हैं, श्रद्धालुओं के लिए एक विशेष आकर्षण का केंद्र थे।

'मुझे व्यवस्था से मुक्त करें!' शहजाद पूनावाला ने दोबारा भेजा इस्तीफा

पहले इस्तीफे के बाद पार्टी ने कहा था- फैसले पर पुनर्विचार करें

नई दिल्ली,। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक बार फिर पार्टी नेतृत्व को इस्तीफा भेजकर संगठनात्मक जिम्मेदारियों से मुक्त करने का आग्रह किया है। पार्टी की ओर से उनका पहला इस्तीफा स्वीकार नहीं किए जाने के बाद पूनावाला ने भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन को नया पत्र लिखा है। उन्होंने पद और सक्रिय सदस्यता छोड़ने के अपने फैसले को दोहराते हुए नेतृत्व से इस्तीफा स्वीकार करने की अपील की है।

पूनावाला ने अपना पत्र सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी साझा किया। उन्होंने कहा कि वह आभारी हैं कि पार्टी ने शुरुआती दौर में उनका इस्तीफा

स्वीकार करने से इनकार किया और उनसे फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा था। हालांकि, लंबे और गहन चिंतन के बाद उन्होंने संगठन की भूमिका और सक्रिय सदस्यता से हटने का अंतिम निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में हुई घटनाओं ने उन्हें अपने पहले के फैसले पर कायम रहने के लिए मजबूर किया है। पूनावाला ने उन लोगों का नाम नहीं लिया, जिनकी वजह से कथित तौर पर ये घटनाएं हुईं।

अपने इस्तीफे के कारणों पर पूनावाला ने कहा कि वह अत्यंत जरूरी वित्तीय और व्यक्तिगत परिस्थितियों के कारण निजी क्षेत्र में जाने का निर्णय ले रहे हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के विजन तथा काम का समर्थन जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, 'मैं केवल 'व्यवस्था' छोड़ रहा हूं, 'व्यक्ति' या 'विचार' नहीं।' पूनावाला ने कहा कि उनका फैसला नाराजगी से प्रेरित नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा महासचिव बीएल संतोष सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार, स्नेह और सम्मान व्यक्त किया।

'पसमांदा मुस्लिम, गैर-वंशवादी की कहानी'

पूनावाला ने पार्टी के साथ अपने करीब पांच वर्ष के सफर को याद करते हुए कहा कि भाजपा ने उन्हें मंच और अवसर प्रदान किए। उन्होंने एक्स पर पत्र साझा करते हुए लिखा कि किसी अन्य देश और किसी अन्य पार्टी में उनके जैसी कहानी— एक युवा, पसमांदा मुस्लिम और गैर-वंशवादी व्यक्ति की कहानी— शायद संभव नहीं होती।

जिला अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष(इकाई) से 11 माह की बच्ची को बिना बताए ले गए माता-पिता

उपचार के दौरान बिस्तर से गायब मिली मासूम, नर्सिंग स्टाफ को नहीं लगी भनक, अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहीद भगत सिंह शासकीय जिला चिकित्सालय के शिशु वार्ड स्थित गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में उपचाररत 11 माह की मासूम बच्ची को उसके माता-पिता कथित तौर पर नर्सिंग स्टाफ को बिना बताए अपने साथ ले गए। अगले दिन बच्ची अपने बिस्तर पर नहीं मिली और उसके माता-पिता भी वार्ड में मौजूद नहीं थे। घटना ने जिला अस्पताल की निगरानी एवं मरीजों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार बैहर थाना क्षेत्र के ग्राम हीरापुर निवासी विशंभर परते एवं यशोदा परते अपनी 11 माह की बेटी मीनाक्षी को स्वास्थ्य संबंधी समस्या के चलते 16 अगस्त को दोपहर करीब 3ः40 बजे शहीद भगत सिंह शासकीय जिला चिकित्सालय लेकर पहुंचे थे। बच्ची को शिशु वार्ड में भर्ती कर उपचार के लिए गहन चिकित्सा कक्ष में रखा गया था। उपचार के दौरान बच्ची के साथ उसके माता-पिता मौजूद थे।बताया जा रहा है कि 17 अगस्त को दोपहर करीब 12 बजे जब बच्ची के बिस्तर की स्थिति देखी गई तो वह वहां मौजूद नहीं थी। उसके माता-पिता भी वार्ड में दिखाई नहीं दिए। जानकारी सामने आने के बाद यह सवाल खड़ा हुआ कि गहन चिकित्सा कक्ष में उपचाररत बच्ची को उसके माता-पिता कब और किस समय अपने साथ लेकर गए और इस दौरान संबंधित नर्सिंग स्टाफ को इसकी जानकारी क्यों नहीं हो सकी।

आईसीयू में मरीज के साथ रहता है एक अटेंडेंट

गहन चिकित्सा कक्ष में गंभीर अवस्था में भर्ती बच्चों का उपचार किया जाता है। नियमानुसार मरीज के साथ एक अटेंडेंट के रहने की व्यवस्था होती है।जो सामान्यत: माता या पिता में से कोई एक होता है। ऐसे में उपचाररत 11 माह की बच्ची को बिना स्टाफ को सूचना दिए वार्ड से बाहर ले जाने की घटना अस्पताल की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि यदि बच्ची के माता-पिता उसे अस्पताल से बाहर लेकर गए तो क्या उस समय ड्यूटी पर मौजूद स्टाफ को इसकी जानकारी नहीं हो सकी क्या गहन चिकित्सा कक्ष से मरीज अथवा उसके अटेंडेंट के बाहर जाने की कोई निगरानी व्यवस्था है क्या अस्पताल में भर्ती गंभीर मरीजों को उपचार पूरा होने से पहले बिना चिकित्सकीय अनुमति ले जाने की स्थिति में कोई निर्धारित प्रक्रिया अपनाई जाती है।इन सवालों का जवाब अस्पताल प्रबंधन की ओर से सामने आना आवश्यक है।

बैहर के आदिवासी अंचल से लगातार आ रहे बीमार बच्चे

गौरतलब है कि पिछले करीब एक माह से बैहर क्षेत्र के दो दर्जन से अधिक आदिवासी बाहुल्य गांवों से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से पीड़ित बच्चों को उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट लाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार अब तक करीब एक सैकड़ा बच्चों को उपचार के बाद स्वस्थ होने पर अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है। उपचार के बाद कई बच्चों को उनके माता-पिता के साथ 108 एंबुलेंस के माध्यम से वापस उनके गांव तक पहुंचाया गया है।बैहर के दूरस्थ एवं आदिवासी अंचलों से आने वाले मरीजों और उनके परिजनों के लिए जिला अस्पताल तक पहुंचना और यहां रहकर लंबे समय तक उपचार कराना आसान नहीं होता। ऐसे में चिकित्सकों और अस्पताल प्रबंधन द्वारा परिजनों को उपचार पूरा होने तक अस्पताल में रहने और चिकित्सकीय सलाह का पालन करने के लिए लगातार समझाइश देना भी जरूरी है।

जनहित में स्पष्ट हो पूरी स्थिति

मासूम मीनाक्षी को उसके माता-पिता अपने साथ किस परिस्थिति में लेकर गए क्या उन्होंने अस्पताल से छुट्टी अथवा चिकित्सकीय अनुमति ली थी और यदि नहीं ली थी तो उन्हें बिना सूचना दिए अस्पताल से बाहर जाने की जानकारी संबंधित स्टाफ को क्यों नहीं हो सकी इन सभी बिंदुओं पर अस्पताल प्रबंधन की ओर से स्थिति स्पष्ट किया जाना आवश्यक है।यह मामला केवल एक बच्ची के अस्पताल से चले जाने तक सीमित नहीं है।बल्कि गंभीर मरीजों की सुरक्षा, आईसीयू की निगरानी व्यवस्था और अस्पताल में अटेंडेंट की आवाजाही की व्यवस्था से भी जुड़ा हुआ है। ऐसे मामलों में अस्पताल प्रबंधन को व्यवस्था की समीक्षा कर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में कोई गंभीर मरीज बिना चिकित्सकीय अनुमति अथवा स्टाफ की जानकारी के अस्पताल से बाहर न जा सके। जनहित में यह भी आवश्यक है कि अस्पताल प्रबंधन घटना की पूरी जानकारी सामने रखे और यदि किसी स्तर पर प्रक्रिया का उल्लंघन हुआ है तो उसकी जांच कर उचित कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति न हो।

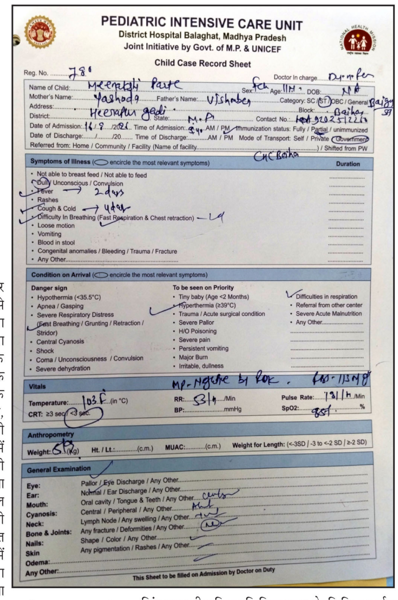

सिविल सर्जन से संपर्क का प्रयास नहीं मिल सका पक्ष

इस संबंध में जब पदमेश न्यूज़ द्वारा शहीद भगत सिंह शासकीय जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन से मोबाइल फोन के माध्यम से संपर्क कर 11 माह की मासूम बच्ची को गहन चिकित्सा कक्ष से नर्सिंग स्टाफ को बिना सूचना दिए उसके माता-पिता द्वारा ले जाने के मामले में अस्पताल प्रबंधन का पक्ष जानने का प्रयास किया गया तो सिविल सर्जन श्री जैन का मोबाइल लगातार व्यस्त होने की वजह से उनसे संपर्क नहीं हो सका। इस कारण अस्पताल प्रबंधन का पक्ष प्राप्त नहीं हो सका।

नागपुर जाने निकला युवक ने तालाब में लगाई छलांग-गोताखोरों ने निकाली लाश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम पोनिया में सोमवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब एक युवक ने गांव के छोटे तालाब में छलांग लगा दी। जिससे उसकी मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई। जब यह युवक अपने घर से नागपुर जाने के लिए निकला था। तिरोड़ी पुलिस ने मृतक युवक पवन पिता नंदकिशोर समरीते 22 वर्ष का शव मौके से बरामद कर पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को

सौंप दिया है। इस युवक द्वारा शराब के नशे में तालाब में कूद कर आत्महत्या की जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पवन मूल रूप से ग्राम पोनिया का निवासी था।लेकिन परिवार के साथ नागपुर में रहता था। दो दिन पहले ही पवन अपने मौसा की अंत्येष्टि में शामिल होने अपने गांव पोनिया आया था।17 अगस्त को सुबह 6ः30 पवन नागपुर जाने के लिए पैदल अपने गांव के रेलवे स्टेशन निकला था। बताया कि पवन उस समय शराब के नशे में था। रेलवे स्टेशन जाते समय पवन ने अचानक तालाब में छलांग लगा दी। जिस तालाब में छलांग लगाते हुए गांव के ही निखिल परिहार ने देखा और तुरंत इसकी सूचना गांव के सरपंच पति लक्ष्मण भलावी को दी। सूचना मिलते ही गांव में भीड़ जमा हो गई और सरपंच पति ने तिरोड़ी थाना को खबर की। सूचना मिलते ही तिरो?ी थाने से सहायक उप निरीक्षक उमेश दियेवार अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय गोताखोरों की मदद से तालाब से पवन के शव को बाहर निकाला गया। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। प्राथमिक तौर पर मामला शराब के नशे में आत्महत्या का लग रहा है, लेकिन आत्महत्या की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं है। मामले में धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर लिया गया है सहायक उपनिरीक्षक उमेश दियेवार द्वारा आगे की जांच कर रहे हैं।

उपभोक्ता संरक्षण समिति की मासिक बैठक सम्पन्न, उपभोक्ताहित में लिए गए अनेक निर्णय

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। उपभोक्ता संरक्षण समिति बालाघाट की प्रबंधकारिणी की मासिक बैठक गत दिवस संतोष असाटी की अध्यक्षता में समिति कार्यालय बालाघाट में सम्पन्न हुई।बैठक में अध्यक्ष द्वारा जानकारी दी गई कि मध्यप्रदेश परिवहन विभाग द्वारा उपभोक्ताओं से शुल्क लिये जाने के बावजूद भी उपभोक्ताओं को वाहनों के पंजीयन कार्ड और ड्राईविंग लाईसेंस

कार्ड प्रदान नहीं किये जाने के संबंध में समिति द्वारा प्रधान मंत्री भारत सरकार नईदिल्ली सहित मुख्य मंत्री म.प्र.शासन भोपाल, परिवहन मंत्री म.प्र.शासन भोपाल, परिवहन आयुक्त ग्वालियर को पत्र भेजे गये थे जिस पर परिवहन अधिकारी कार्यालय बालाघाट द्वारा अवगत कराया गया कि इसका निराकरण शासन स्तर पर होगा इसके लिये परिवहन कार्यालय द्वारा उच्चाधिकारियों को लिखा गया है ।गत माह सम्पन्न बैठक में लिये गये निर्णयानुसार बालाघाट स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 2 व 3 की लम्बाई एक्सप्रेस ट्रेनों के अनुकूल करवाये जाने, रेलवे स्टेशन बालाघाट के मध्य में एक पैदल ओवर ब्रिज बनाये जाने सहित रेलों संबंधी अन्य मांगों के संबंध में प्रधान मंत्री भारत शासन को पत्र भेजा गया । बैठक में सदस्य हेमराज शर्मा द्वारा शहर के अनेक मार्गों में अनावश्यक रूप से अथवा निर्धारित मापदण्ड के विपरीत बनाये गये स्पीड ब्रेकरों बाबद प्रस्ताव रखा गया जिनकी वजह से कभी भी कोई भी गंभीर घटना घटित हो सकती है । जिस पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस विषय पर समिति के पदाधिकारीगण दिनांक 18 अगस्त को कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग बालाघाट एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी बालाघाट से भेंट कर ज्ञापन पत्र प्रस्तुत करेंगे । बैठक में वरिष्ठ वाणिज्य मंडल प्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर को उपभोक्ता संरक्षण समिति की ओर से मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्श समिति के सदस्य हेतु सर्वसम्मति से श्रीमति वीणा डोंगरे एडवोकेट का नाम भेजे जाने का निर्णय लिया गया।वर्तमान में बालाघाट गोंदिया राष्ट्रीय राज्य मार्ग क्रं0 543 पर ग्राम मर्री के समीप टोल नाका प्रारंभ कर दिया गया है । जिसके संबंध में जानकारी प्राप्त हुई थी कि 20 किमी तक के दायरे में आने वाले ग्राम शहरों के निवासियों को टोल की दर से आधी दर से राशि लगेगी किन्तु ऐसा नहीं किया जा रहा है। जबकि बालाघाट शहर से उक्त टोल नाके की दूरी 19 किमी ही है।इस संबंध में भी निर्णय लिया गया कि भारतीय राष्ट्रीय राज्यमार्ग प्राधिकरण को पत्र लिखकर बालाघाट शहर को यह छूट प्रदान किये जाने की मांग की जायेगी।इसके साथ उपभोक्ताओं को जागरूक करने व उनकी समस्याओं से रूबरू होने के संबंध में शासकीय महाविद्यालय हट्टा एवं शासकीय महाविद्यालय किरनापुर में दिनांक 22 अगस्त को उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाने का निर्णय भी लिया गया । बैठक के अंत में उपभोक्ता संरक्षण समिति के सदस्य स्व. सुरजीतसिंह छाबडा, स्व. नानाजी बिसेन तथा समिति के अधिकृत अधिवक्ता जितेन्द्र जैन की माताजी के गत दिनों हुये निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुये श्रद्धांजलि अर्पित की गई।समिति की प्रबंधकारिणी की आगामी बैठक दिनांक 19 सितम्बर को अपरान्ह 4बजे से आयोजित होगी।इस बैठक में उपभोक्ता संरक्षण समिति के संरक्षक लोचनसिंह देशमुख,श्रीमति मंजुला तिवारी, सर्वश्री हरीराम सावलानी, सुभाष गुप्ता, भीवाजी उके, सुरेश टांक, राजेश गांधी, ओम प्रकाश भारती, हेमराज शर्मा, एल.डी.मेश्राम, प्रकाश मेश्राम, दिलीप वडीचार, मोनिल जैन, एडवोकेट श्रीमति वीणा डोंगरे एवं एडवोकेट श्रीमति प्रीतेश्वरी तेकाम सहित अन्य उपस्थित रहे।

तीसरे सावन सोमवार को भक्तों से गुलजार हुआ बाबा भोलेनाथ का द्वार

शिवालयों में गूजां महादेव का जयकारा, भक्तो का लगा ताता, विशेष आराधना में जुटे श्रद्धालु

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भगवान शिव की आराधना का पावन महीना सावन में तीसरे सावन सोमवार पर नगर के तमाम शिव मंदिरों में बड़ी संख्या में शिव भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर उनकी पूजा अर्चना की। सावन के तीसरे सोमवार पर सुबह 6 बजे से ही मंदिरों में भक्तों की अच्छी-खासी भीड़ दिखाई दी।जहा सुबह स्नान करने के बाद बड़ी तादात में लोग भगवान शिव की पूजा करने के लिए मंदिरों में पहुंचे।जिनके द्वारा भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष पूजा अर्चना की गई।वही श्रद्धालु भक्तो द्वारा शिवलिंग पर बेलपत्र, धतूरा, चंदन, अक्षत, शमीपत्र सहित अनेक शुभ वस्तुएं चढ़ाई गई।वही नगर के सभी शिवालयों में सुबह से लेकर देर शाम तक बम बम भोले के जयकारे गूंजते रहे।

सुबह से लेकर देर शाम तक सुनाई दी हर-हर महादेव की गूंज

सावन महीने के तीसरे सोमवार को शहर के शिवालयों में श्रद्धालुओ की खासी भीड़ नजर आई। जहा सुबह से लेकर देर शाम तक हर-हर महादेव, जय ओम शिवकारा की गूंज सुनाई दी। अल सुबह से ही श्रद्धालुओं की मंदिरों में खासी भीड़ रही।वहीं शिव मंदिरों के साथ अन्य मंदिरों पर भी दिनभर भक्तों को तांता लगा रहा है। जहा भक्तो द्वारा शिवलिंगों का दूध, जल से अभिषेक किया गया। वही शिवलिंगों को पुष्प, बेल पत्र, आंक, धतूरे से सजाकर महाआरती की गई। इस दौरान मंदिरों में घंटी, घड़ियाल, शंख व झालर के बीच भोलेनाथ के उद्घोष से माहौल भक्तिमय बना रहा। भक्तिमय माहौल का यह नज़ारा नगर के शंकरघाट, बूढ़ी शिव मंदिर, सिविल लाइन शिव मंदिर, बैहर चौकी समीप स्थित शिव मंदिर बूढ़ी शिव मंदिर सहित अन्य शिव मंदिरों में देखा गया।जहा इन सभी शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही।जहा कई श्रद्धालु भक्तो द्वारा पंडितों की मौजूदगी में शिव महाभिषेक, महामृत्युंजय के जाप, और रुद्राभिषेक किया गया। वही पंडितों के द्वारा शिव महापुराण पाठ कराकर रात्रि को भगवान भोले की भक्ति में जगराता किया गया।

भक्ति भाव के साथ जारी रही कांवड़ यात्रा

सावन के महीने में भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना करने का अलग ही महत्व है। जिसके चलते पूरे महीने शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ रहती है।खासकर सावन के पवित्र महीने में पड़ने वाले सोमवार और शिवरात्रि के मौके पर शिवालयों में खासी भीड़ उमड़ती है। शास्त्रों के अनुसार, इस माह भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा अर्चना करने से भगवान शिव प्रसन्न होते है।और भक्तो की मनमुराद पूरी करते है।शायद यही वजह है इस माह में कांवड़ियों द्वारा जलाशयों से पानी कावड़ में ले जाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विशेष प्रथनाएं की जाती है।जिसका एक नजारा पहले, व दूसरे सावन सोमवार की तरह तीसरे सावन सोमवार को भी देखने को मिला। जहा बाबा भोलेनाथ के भक्त वैनगंगा नदी से जल लेकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते नजर आए तो कुछ भक्तो ने कावड़ धारण कर भोलेनाथ के दूर दराज मंदिरों के लिए कावड़ यात्रा शुरू की। जहां श्रद्धालु भक्त वैनगंगा या अन्य जलाशयों का पानी कावड़ में ले जाकर भगवान शिव का जलाभिषेक कर अपनी मनोकामनाओ की पूर्ति में जुटे हुए नजर आए।

सुरक्षा के दिखे पुख्ता इंतजाम

सावन माह के तीसरे सोमवार होने और मंदिरों में सुबह से लेकर देर रात तक भीड़ होने के चलते, नगर के तमाम शिव मंदिरों में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम देखने को मिले। जहां किसी भी अनहोनी को रोकने और भीड़ को नियंत्रण करने के लिए पुलिस व्यवस्था मुस्तैद नजर आई। जहां सभी मंदिरों में महिला और पुरुष पुलिसकर्मी श्रद्धालु भक्तों को सुरक्षा प्रदान करते नजर आए।जिसके चलते भारी भीड़ होने के बावजूद भी शांतिपूर्ण तरीके से श्रद्धालु भक्तों द्वारा विशेष पूजा अर्चना कर धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए।

ग्राम कनेरी में धूमधाम से मनाई गई नागपंचमी

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। किरनापुर क्षेत्र के ग्राम कनेरी में नागपंचमी का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने नाग देवता की पूजा-अर्चना कर परिवार एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। उल्लेखनीय है कि सुबह से ही मंदिरों एवं पूजा स्थलों पर श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली। महिलाओं और बच्चों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने धार्मिक अनुष्ठानों में हिस्सा लिया। लोगों ने विधि-विधान से पूजा कर दूध, फूल, फल एवं अन्य पूजन सामग्री अर्पित की।नागपंचमी के अवसर पर गांव में धार्मिक एवं पारंपरिक माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ पर्व मनाया तथा नाग देवता से सभी के सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की।

न्यायालय नायब तहसीलदार किरनापुर, जिला बालाघाट म.प्र.

रा0प्र0क0/0034/ड-154/वर्ष 2026-27 साकिन: माटे प0ह0नं0. 36 रा0नि0मं0 माटे तहसील किरनापुर

// समाचार पत्र प्रकाशन //

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुरेन्द्र पिता चिखलू जाति पंवार निवासी ग्राम माटे तहसील किरनापुर द्वारा अपनी माताजी ईमलाबाई उर्फ चम्फा बाई पति चिखलू की मृत्यु दिनांक 14/07/2012 को ग्राम माटे में मृत्यु हो जाने से मृत्यु के 1 वर्ष पश्चात पंजीयन की अनुमति मिलने हेतु लोकसेवा केन्द्र किरनापुर के माध्यम से आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया है।अत: उक्त के संबंध में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है, कि वे निश्चित दिनांक 19/08/2026 को या तो स्वयं, किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधी द्वारा उपस्थित होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जावेंगा। नियत दिनांक के पश्चात प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।आज दिनांक 06/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के अधीन जारी किया गया।

तहसीलदार किरनापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार किरनापुर , जिला बालाघाट म.प्र.

रा0प्र0 क0/0035/ड-154/वर्ष 2026-27 साकिन: सेवती प0ह0नं0. 70 रा0नि0म0 सेवती तहसील किरनापुर

// समाचार पत्र प्रकाशन //

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मुन्नालाल पिता रघ्घू जाति मरार निवासी ग्राम सेवती तहसील किरनापुर द्वारा अपने पिताजी रघ्धू पिता बुद्धु नागेश्वर की मृत्यु दिनांक 23/07/2019 एवं अपनी माताजी फुलकाबाई पति रग्घू की मत्यु दिनांक 17/12/2024 को ग्राम सेवती में मृत्यु हो जाने से मत्यु के 1 वर्ष पश्चात पंजीयन की अनुमति मिलने हेतु लोकसेवा केन्द्र किरनापुर के माध्यम से आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया है।अत: उक्त के संबंध में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है, कि वे निश्चित दिनांक 19/08/2026 को या तो स्वयं, किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधी द्वारा उपस्थित होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जायेंगा। नियत दिनांक के पश्चात प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।आज दिनांक 06/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के अधीन जारी किया गया।

तहसीलदार किरनापुर

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

भारी बारिश में भी नहीं डगमगाए कदम, मजदूरों ने दिया धरना

बस स्टैंड से कलेक्टर कार्यालय तक निकाली रैली, जमकर की नारेबाजी, एकदिवसीय

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। श्रमिकों और कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर भारतीय मजदूर संघ के आह्वान पर सोमवार को नगर में मजदूरों ने जोरदार प्रदर्शन किया। मजदूरों ने बस स्टैंड परिसर में एकदिवसीय धरना दिया। इसके बाद नगर में रैली निकालते हुए कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया और शासन-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में श्रमिक, कर्मचारी एवं संघ से जुड़े पदाधिकारी मौजूद रहे। मजदूरों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि उनकी जायज मांगों का शीघ्र निराकरण नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक करते हुए उग्र आंदोलन किया जाएगा।

बस स्टैंड से निकली रैली, कलेक्टर कार्यालय का घेराव

धरने के बाद मजदूरों ने बस स्टैंड से रैली निकाली। हाथों में मांगों से संबंधित तख्तियां और झंडे लेकर श्रमिक नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। इस दौरान श्रमिकों ने अपनी मांगों के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शनकारियों ने घेराव करते हुए शासन के नाम ज्ञापन सौंपा और लंबित मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की।

57 सूत्रीय मांगों को लेकर सरकार से आर-पार की लड़ाई का संकेत

भारतीय मजदूर संघ के ज्ञापन में श्रमिकों और कर्मचारियों से जुड़ी कुल 57 प्रमुख मांगें रखी गई हैं। इनमें आउटसोर्स कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा से लेकर दैनिक वेतनभोगियों के नियमितीकरण, कृषि मजदूरों, प्रवासी श्रमिकों, अतिथि शिक्षकों, संविदा कर्मचारियों, परिवहन क्षेत्र के चालक-परिचालकों, प्लेटफार्म एवं गिग वर्कर्स, राज्य कर्मचारियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, पंचायत सचिवों, स्वास्थ्य कर्मचारियों, बिजली कंपनियों के आउटसोर्स कर्मचारियों, पटवारियों, कोटवारों और नगरीय निकायों के कर्मचारियों से जुड़े मुद्दे शामिल हैं।

इन मांगों को पूरा करने की लगाई गुहात

भारतीय मजदूर संघ ने मांग की है कि विभिन्न विभागों में वर्षों से कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए ठोस नीति अथवा निगम-मंडल बनाया जाए तथा उन्हें 62 वर्ष की आयु तक सामाजिक सुरक्षा, उचित वेतन और श्रम कानूनों का लाभ दिया जाए। 10 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके दैनिक वेतनभोगियों को नियमित, विनियमित अथवा स्थायी कर्मी घोषित कर अनुकंपा, उपादान, अवकाश नगदीकरण और वेतनमान सहित सभी हितलाभ देने की मांग की गई है। नगर पालिका और नगर परिषद में वर्षों से कार्यरत सफाई कर्मचारियों एवं दैनिक वेतनभोगियों को नियमित करने, औद्योगिक सुरक्षा मानकों का पालन कराने तथा हर माह नियमित वेतन भुगतान सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई गई है। कृषि विभाग में पूर्व में कार्यरत किसान मित्र-दीदी की पुन-सेवा बहाली, मंडियों में तुलावटियों एवं हम्मालों को उचित पारिश्रमिक तथा संबल योजना का लाभ दिलाने की मांग रखी गई है। प्रवासी श्रमिकों और उनके परिवारों की सामाजिक सुरक्षा के लिए मध्यप्रदेश राज्य प्रवासी श्रमिक आयोग का पुनर्गठन, अतिथि शिक्षकों की सेवा 62 वर्ष तक जारी रखने तथा लंबे समय से कार्यरत शिक्षकों को अनुभव का लाभ देने की मांग की गई है। मिड-डे मील योजना के रसोइयों का मानदेय बढ़ाने और उन्हें ईपीएफ-पेंशन सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा देने की मांग भी ज्ञापन में शामिल है।संविदा कर्मचारियों के लिए संविदा नीति 2023 को सभी विभागों में लागू करने, अनुकंपा, ग्रेच्युटी, एनपीएस और नियमित कर्मचारियों के समान अवकाश सहित अन्य सुविधाएं देने तथा लंबे समय से कार्यरत संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण की मांग की गई है। परिवहन क्षेत्र में चालक-परिचालक बोर्ड के पुनर्गठन और प्लेटफार्म एवं गिग वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग भी प्रमुख है।राज्य कर्मचारियों के वेतन, ग्रेच्युटी और स्वास्थ्य बीमा से जुड़े मुद्दों के निराकरण, महिला एवं बाल विकास विभाग में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सुपरवाइजरों को पदोन्नति के अवसर, पंचायत सचिवों को समयमान वेतनमान, आयुष्मान योजना एवं बीमा का लाभ तथा रोजगार सहायकों को जिला संवर्ग में शामिल करने की मांग भी उठाई गई है।स्वास्थ्य विभाग में फार्मासिस्टों की भर्ती, वेतनमान और पदोन्नति संबंधी नियम लागू करने, आशा कार्यकर्ताओं एवं सुपरवाइजरों के मानदेय में वृद्धि और सेवा अवधि 62 वर्ष तक करने की मांग की गई है। बिजली कंपनियों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों को अनुभव के आधार पर भर्ती में प्राथमिकता, जोखिम भत्ता और कंपनी से सीधे वेतन भुगतान की मांग भी ज्ञापन में रखी गई है। इसके अलावा पटवारियों के वेतनमान एवं कैडर रिव्यू, कोटवारों के मानदेय में वृद्धि, भवन एवं संनिर्माण कर्मकार मंडल की योजनाओं में लाभ की बाध्यताएं समाप्त करने तथा नगरीय निकायों में वर्षों से कार्यरत दैनिक वेतनभोगी और 29 दिवसीय कर्मचारियों को नियमित/विनियमित करने की मांग की गई है।

मांगें नहीं मानी तो आंदोलन होगा तेज

धरने के दौरान श्रमिक नेताओं ने कहा कि सरकार को श्रमिकों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए समयबद्ध तरीके से निराकरण करना चाहिए। मजदूरों ने चेतावनी दी कि यदि ज्ञापन में शामिल मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर प्रदेश स्तर पर उग्र आंदोलन किया जाएगा।भारतीय मजदूर संघ ने ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री से श्रमिकों एवं कर्मचारियों की जायज मांगों पर शीघ्र विचार कर उचित निर्णय लेने की अपील की है।

वर्षो से लगा रहे गुहार नही हो रही सुनवाई

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि प्रदेश के संगठित और असंगठित क्षेत्र, शासकीय एवं निजी उद्योगों में कार्यरत नियमित, संविदा, आउटसोर्स, दैनिक वेतनभोगी, अंशकालीन श्रमिकों, कर्मचारियों तथा पेंशनरों की अनेक मांगें लंबे समय से लंबित हैं। भारतीय मजदूर संघ द्वारा पूर्व में भी शासन को ज्ञापन सौंपकर इन समस्याओं के निराकरण की मांग की गई थी, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के कारण श्रमिकों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है।

तो प्रदेश सहित पूरे देश मे होगा उग्र आंदोलन -योगेश

भारतीय मजदूर संघ जिलाध्यक्ष योगेश यादव ने बताया कि केन्द्र और प्रदेश की सरकार, श्रमिकों का आर्थिक शोषण और उनकी अनदेखी कर रही है। सरकार, देश के श्रमिकों को नियमित ना करके, आउटसोर्स और संविदा जैसी नीतियों के तहत भर्ती कर उन्हें जैसा काम वैसा दाम ना देकर उन्हें परेशान कर रही है। जिसके खिलाफ, देशव्यापी आंदोलन के तहत, सोमवार को भारतीय मजदूर संघ के ने धरना प्रदर्शन आंदोलन करके रैली निकाली और पीएम एवं सीएम के नाम प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है। जिसमें 57 सूत्रीय मांगो के निराकरण की मांग दोनो ही सरकारों से की गई है और यदि सरकार, संघ की दिए गए मांगपत्र पर गंभीरता से कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाती है तो आगामी समय में भारतीय मजदूर संघ उग्र आंदोलन करेगा। जिसकी जवाबदारी, केन्द्र और प्रदेश सरकार की होगी।

बैगा बच्चों की मौत पर सियासत तेज, अब आदिवासी विकास परिषद भी मैदान में

बच्चों की मौत की निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कार्रवाई और स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा क्षेत्र के बैगा आदिवासी बाहुल्य गांवों में बच्चों की मौत का मामला अब पूरी तरह राजनीतिक और सामाजिक आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। पहले कांग्रेस ने इस मुद्दे को उठाकर सरकार को घेरा, जिसके बाद भाजपा ने कांग्रेस पर इस संवेदनशील मामले का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। इसके बाद गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने भी बच्चों की मौत की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी थी। अब मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद भी इस मामले में खुलकर सामने आ गई है। 17 अगस्त को मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र कुमार सैयाम बालाघाट पहुंचे और उन्होंने कलेक्टर को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। परिषद के पदाधिकारियों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि मृत बच्चों के परिजनों को उचित मुआवजा नहीं दिया गया और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन करेगा। ज्ञापन में कहा गया है कि बालाघाट जिले के आदिवासी और दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार बच्चों और ग्रामीणों के बीमार होने तथा मौत की घटनाएं सामने आ रही हैं। विशेष रूप से बैगा बाहुल्य गांवों में सामने आए मामलों ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया है। परिषद का कहना है कि इन घटनाओं को सामान्य बीमारी बताकर टालना गंभीर लापरवाही होगी। परिषद ने आरोप लगाया कि प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल, स्वास्थ्य और पोषण जैसी मूलभूत सुविधाओं की स्थिति बेहद चिंताजनक है। यदि एक ही क्षेत्र से लगातार बीमारी और मौत की खबरें सामने आ रही हैं तो यह स्वास्थ्य तंत्र की विफलता को दर्शाता है। ऐसी स्थिति में जिम्मेदार विभागों की कार्यप्रणाली की निष्पक्ष जांच होना आवश्यक है। मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद ने मांग की है कि प्रभावित गांवों में हुई बच्चों और ग्रामीणों की मौत की उच्चस्तरीय एवं स्वतंत्र जांच कराई जाए। इसके साथ ही पिछले एक से दो वर्षों के दौरान हुई मौतों के मेडिकल रिकॉर्ड, उपचार संबंधी दस्तावेजों और मृत्यु के कारणों की विशेषज्ञ समिति से समीक्षा कराई जाए। परिषद ने यह भी मांग उठाई है कि प्रभावित क्षेत्रों के सभी पेयजल स्रोतों के नमूने लेकर उनकी वैज्ञानिक जांच कराई जाए और जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाए, ताकि बीमारी के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। इसके अलावा गांवों में विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाकर बच्चों और ग्रामीणों की व्यापक स्वास्थ्य जांच कराने की मांग भी की गई है। सबसे बड़ी मांग स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे को लेकर उठाई गई है। परिषद के पदाधिकारियों का कहना है कि यदि आदिवासी क्षेत्रों में लगातार बच्चों की मौत हो रही है और सरकार समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठा पा रही है तो इसकी नैतिक जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र कुमार सैयाम ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि आदिवासी समाज के बच्चों की मौत को किसी भी कीमत पर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि सरकार को तत्काल पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करनी चाहिए और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। इस दौरान युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष शुभम उइके, जिला अध्यक्ष दिनेश धुर्वे सहित परिषद के कई पदाधिकारी मौजूद रहे। संगठन ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि जल्द ही ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक बनाया

सर्पदोष से मुक्ति पाने उमड़ा जन सैलाब

जिले भर मे हर्षोल्लास के साथ मनाई गईं नागपंचमी, जगह जगह विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन, नागदेवता का दूध और जलाभिषेक कर की गईं विशेष पूजा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सोमवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलों व ग्रामीण अंचलों में नाग पंचमी का पर्व पूर्ण आस्था, विधि-विधान व धार्मिक मान्यता के अनुसार मनाया गया।भगवान भोलेनाथ के प्रमुख माह सावन के शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाए गए इस पर्व पर जिले भर के तमाम शिव व नाग मंदिरों में सुबह से लेकर देर शाम तक भगवान शिव और नाग देवता की विशेष पूजा-अर्चना की गईं।वहीं जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर श्रद्धालु भक्तगण नाग देवता और भगवान शिव से अपने अपने परिवार की सुख- समृद्धि, यश, शांति, कृति मनोबल, धन बल में वृद्धि, सुख, निरोगी काया और अपनी अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए मंगलकामनाएं की।वही सर्पदोष से मुक्ति पाने तमाम नाग मंदिरो मे श्रद्धांलु भक्तो की विशेष पूजा का दौर देर शाम तक चलता रहा।

सर्पदोष से मुक्ति पाने का दिन है नागपंचमी

आपको बताए की नागपंचमी, का दिन हिंदू धर्म में नाग देवता को समर्पित है। कहा जाता हैं की अगर किसी की कुंडली में काल सर्प दोष है तो इस दिन किए गए उपाय से लाभ मिल सकता है।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जो व्यक्ति इस दिन विधि विधान से नाग देवता की पूजा करता है उसे भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है।साथ ही मनुष्य और उसके परिवार को नाग भय भी नहीं रहता।इसके अलावा काल सर्प दोष से मुक्ति पाने के लिए नाग पंचमी का दिन सबसे उत्तम है।शायद यही वजह हैं की नाग पंचमी पर दिन भर नाग देवता की विशेष पूजा करने उमड़े जनसैलाब ने नाग और शिव मंदिरो मे पूजा अर्चना कर अपने परिवार की सुख समृद्धि की प्राथनाए की।जहाँ पूजा अर्चना का दौर पुरे दिन चलता रहा।वही लोगो ने दिन विशेष पर प्रसाद व भंडारे का भी लुत्फ उठाया।

जगह जगह नागदेवता का किया गया जलाभिषेक

प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी नाग पंचमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।जिसके तहत जगह जगह सुबह से लेकर देर शाम तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।इस दौरान बस स्टैंड, नगरपालिका गेट समीप स्थित नागराज बाबाताज नाग मंदिर, वारासिवनी रोड स्थित नाग मंदिर और बूढ़ी रोड सिद्धार्थ नगर स्थित छोटा नाग मन्दिर और् भटेरा रोड़ रेलवे क्रासिंग स्थित नाग मंदिर सहित नगर के समस्त नाग और शिव मन्दिरों मे सुबह से लेकर शाम तक विशेष पूजा के लिए भक्तो का ताता लगा रहा।जहाँ श्रद्धालु भक्तो ने नाग देवता का दूध और जल से अभिषेक किया।नागदेवता को कच्चा दूध, नारियल और लाई का भोग लगाकर विशेष पूजा अर्चना की गई।वही जगह जगह महा प्रसाद का वितरण किया गया।इसके साथ ही सरपी वालो द्वारा नाग देवता की विशेष पूजा-अर्चना की गईं।वही जगह जगह पूजा अर्चना का कार्यक्रम संपन्न कर विशाल भंडारा और महा प्रसादी का वितरण किया गया।जहाँ इन कार्यक्रमो का दौर सुबह से लेकर देर शाम तक चलता रहा।

ग्रामीण क्षेत्रों में बंद रहा कृषि कार्य

नागपंचमी के इस प्रमुख पर्व पर ग्रामीण अंचलों में 1 दिन के लिए कृषि कार्य बंद रखा गया।जहां मुख्यता ग्रामीण अंचलों में भी इस पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां श्रद्धालुओं व कृषक बंधुओ ने नाग देवता की विशेष पूजा अर्चना कर उनसे क्षमा मांगी।वही अपने परिवार की हिफाजत के लिए विशेष प्रार्थनाएं की।इसके अलावा नाग देवता को लगाए जाने वाला भोग खासतौर पर धान की लाई का छिड़काव पूरे घर में किया गया।ताकि नाग देवता उनसे प्रसन्न रहें और भविष्य में भी उनके किसी भी परिजनों को किसी प्रकार का नुकसान ना पहुंचाएं।वही ग्रामीणों ने पूजा अर्चना कर मंदिरो मे महा प्रसाद का वितरण किया।वही घर घर लाई चना फूटाना नारियल हलवा प्रसाद आदि का वितरण किया गया।

पेड़ से टकराई मोटरसाइकिल 20 वर्षीय युवक की मौत

चांगोटोला के महकाफाटा रपटा के पास हुआ हादसा, साथी को मामूली चोटें आई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। चांगोटोला थाना क्षेत्र के लामता रोड स्थित महकाफाटा रपटा के पास मोटरसाइकिल पेड़ से टकराने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसकी उपचार के लिए गोंदिया ले जाते समय मौत हो गई। हादसे में उसके साथी को मामूली चोटें आई हैं। मृतक राकेश पिता मेहतलाल मर्सकोले 20 ग्राम सुंदरवाही चौकी उकवा, थाना रूपझर निवासी बताया गया है। घायल साथी संजय मरावी 21 भी इसी गांव का निवासी बताया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राकेश मर्सकोले खेती मजदूरी का काम करता था। परिवार में माता पिता के अलावा उसका एक बड़ा भाई है। 15 अगस्त को दोपहर करीब 3 बजे राकेश अपने साथी संजय के साथ मोटरसाइकिल से घर से निकला था।लेकिन रात में वापस नहीं लौटा।16 अगस्त की सुबह करीब 6 बजे चांगोटोला थाना क्षेत्र के लामता रोड स्थित महकाफाटा रपटा के पास राकेश घायल अवस्था में पड़ा मिला। पास में उसकी मोटरसाइकिल भी पड़ी थी।जबकि संजय मरावी मौके पर मौजूद था। सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और दोनों को लामता अस्पताल ले जाया गया जहां राकेश को भर्ती किया गया था। लामता पुलिस द्वारा संजय से पूछताछ करने पर उसने घायल युवक का नाम राकेश मर्सकोले

सुन्दरवाही चौकी उकवा निवासी बताया। सुबह करीब 7 बजे डायल 112 कर्मचारियों ने राकेश के पिता मेहतलाल को फोन कर दुर्घटना की सूचना दी और बताया कि राकेश को लामता अस्पताल से जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। इसके बाद परिजन जिला अस्पताल पहुंचे। राकेश की गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल से उसे हायर सेंटर रेफर किया गया। परिजन उसे बेहतर उपचार के लिए एंबुलेंस से गोंदिया ले जा रहे थे।तभी रास्ते में करीब 3 बजे उसकी मौत हो गई। इसके बाद शव को जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया जहां उसे मृत घोषित करने के बाद जिला अस्पताल पुलिस में शव को फ्रीजर में सुरक्षित रखवाये। 17 अगस्त को जिला अस्पताल पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद। राकेश के शव का पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई के लिए प्रकरण चांगोटोला थाना भेज दिया है।घटनास्थल की स्थिति को देखते हुए प्रथम दृष्टया संभावना जताई जा रही है कि मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई। जिससे राकेश को गंभीर चोटें आईं और उसकी मौत हो गई। मामले की आगे जांच चांगोटोला पुलिस द्वारा की जा रही है।

अमोली से आमाटोला (ददिया) पहुंच मार्ग गड्ढों में तब्दील

सड़क खराब होने से आवागमन में हो रही परेशानी, जिम्मेदार मौन

ग्रामीणों ने सड़क का जल्द निर्माण करवाने की शासन-प्रशासन से की मांग

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा।नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली से आमाटोला (ददिया) पहुंच मार्ग गड्ढों में तब्दील हो चुका है । साथ ही गत दिवस से हो रही बारिश के चलते मार्ग में बने गड्ढों में पानी जमा होने के कारण मार्ग पूरी तरह से कीचडनुमा हो गया है। जिसके चलते मार्ग से आने-जाने वाले ग्रामीण एवं स्कूल व कालेज पढ़ाई करने आने वाले छात्र-छात्राओं को आवागमन में बेहद परेशानियां का सामना करना पड़ रहा है एवं दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि लंबे समय से ग्रामीणजन एवं राहगीरों के द्वारा जिम्मेदारों से अमोली से आमाटोला (ददिया) पहुंच मार्ग का डामरीकरण कर नवीन सड़क का निर्माण करवाने की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक नवीन सड़क का निर्माण नही हो पाया है जिसके कारण ग्रामीणजनों व राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत अमोली से आमाटोला ददिया पहुंच मार्ग यह कच्चा मार्ग है जिसका विगत वर्ष पूर्व मरम्मत कार्य करवाया गया था उसके बाद से दोबारा मरम्मत कार्य नही करवाया गया है जिसके कारण मार्ग का खस्ताहाल हो चुका है और जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन चुके है। साथ ही बारिश होने पर गड्ढों में पानी जमा होने के कारण मार्ग से आवागमन करने वाले ग्रामीणजनों एवं स्कूली छात्र-छात्राओं को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि यह मार्ग ददिया से अमोली-लालबर्रा मुख्यालय को जोड़ता है परन्तु सड़क खराब होने के कारण ग्रामीणजनों को ३-४ किमी. की अधिक दूरी तय कर आना-जाना करना पड़ रहा है। ग्रामीणजनों के द्वारा कई बार सड़क निर्माण करवाने की मांग की गई है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा इस सड़क की समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे शासन-प्रशासन के प्रति ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणजनों ने बताया कि इस मार्ग से रोजाना ग्रामीणजन व स्कूली बच्चें लालबर्रा मुख्यालय आना-जाना करते है एवं गत दिवस से हो रही बारिश के कारण पूरा मार्ग कीचड़नुमा एवं गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। साथ ही मार्ग में बने गड्ढों से गुजरते समय अगर नजर हटी तो दुर्घटना घटित हो सकती है एवं मार्ग से पैदल चलना भी मुश्किल हो चुका है इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि अमोली से आमाटोला ददिया पहुंच मार्ग का जल्द डामरीकरण किया जाये ताकि आवागमन करने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

पिछले कई वर्षों से खराब है सड़क - गुलशन

राहगीर गुलशन नागेश्वर ने बताया कि अमोली से ददिया जाने वाले मार्ग की हालत पिछले कई सालों से खराब है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो चुके हैं और झाड़ियां उग आई हैं। बारिश के इस मौसम में स्थिति और भी विकट हो जाती है, जबकि इसी मार्ग से रोज स्कूली बच्चे गुजरते हैं, जिन्हें भारी असुविधा और जोखिम का सामना करना पड़ता है। शासन प्रशासन के द्वारा कई वर्षों से इस मार्ग का कोई मरम्मत कार्य या देख-रेख नहीं की गई है, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि शासन-प्रशासन का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। श्री नागेश्वर ने बताया कि यह ग्रामीणों के आवागमन का एक प्रमुख मार्ग है, जिससे वे शहर से जुड़े हुये है और शहर की ओर ग्रामीणों का आवागमन हो पाता है, लेकिन खस्ताहाल सड़क से उन्हे बेहद परेशान हो पड़ता है, शासन प्रशासन को इस समस्या का जल्द से जल्द समाधान करना चाहिये।

खमरिया में शान से फहराया गया राष्ट्र ध्वज

पद्मेश न्यूज। खमरिया/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खमरिया में १५ अगस्त को स्वतंत्रता दिवस का पर्व अत्यंत शान और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। देश की आन-बान-शान का प्रतीक राष्ट्र ध्वज तिरंगा सम्पूर्ण क्षेत्र के विभिन्न शासकीय व अशासकीय संस्थानों में मुख्य चौराहों पर फहराया गया और उसे सलामी दी गई। इस अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला खमरिया में प्रात: ७:३० बजे शाला प्रांगण में प्राचार्य डी.के. रंगारे द्वारा ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम माँ सरस्वती, महात्मा गांधी व डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्रों पर दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया, तत्पश्चात् ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान गाया गया व राष्ट्रध्वज को सलामी दी गई। इसी तरह कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला व प्राथमिक शाला खमरिया में भी मुख्य अतिथियों एवं प्राचार्यों द्वारा ध्वजारोहण संपन्न कराया गया और ध्वजारोहण के पश्चात विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं को मिठाई एवं फलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने स्वतंत्रता दिवस के ऐतिहासिक महत्व और वीर शहीदों के बलिदान पर प्रकाश डालते हुए अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर श्रीमती ज्योति टेंभरे सरपंच ग्राम पंचायत खमरिया, योगराज पटेल उपसरपंच, श्रीमती यशवंता गाते पूर्व सरपंच, श्रीमती लक्ष्मी वाघाड़े जिला अध्यक्ष महिला कांग्रेस ग्रामीण, पंचगण एवं समस्त गणमान्य नागरिक, स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं व ग्राम के समस्त वरिष्ठ जन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जाम में हर्षोल्लास के साथ मनााया गया ८० वां स्वतंत्रता दिवस

प्रतिभावान छात्रों एवं शिक्षकों का किया गया सम्मान, स्काउट-गाइड्स ने निकाली भव्य रैली

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा।नगर मुख्यालय से लगभग ८ किलोमीटर दूर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जाम में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी ८० वां राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस बड़े ही हर्षोल्लास, आनन्द और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी प्राचार्य एमन्त ठाकरे द्वारा ध्वज पूजन एवं ध्वजारोहण के साथ किया गया। तत्पश्चात स्काउट मास्टर चंद्रिका प्रसाद पटले के कुशल मार्गदर्शन में स्काउट-गाइड एवं रेडक्रॉस के छात्र-छात्राओं ने अनुशासित एवं आकर्षक परेड का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों की यह उत्साहवर्धक रैली विद्यालय प्रांगण से प्रारंभ होकर क्षेत्र के मुख्य मार्गों से गुजरती हुई जाम कृषि मंडी प्रांगण पहुँची, जहाँ रैली का समापन हुआ। कृषि मंडी प्रांगण में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। यह समारोह जाहिद खान जनपद सदस्य के मुख्य आतिथ्य, सत्यनारायण श्रीवास पूर्व जनपद सदस्य एवं सेन समाज जिला अध्यक्ष, योगेश लिल्हारे पूर्व एसएमडीसी सदस्य, अशोक नगपुरे पूर्व जनपद सदस्य, दिलीप लिल्हारे प्रबंधक सेवा सहकारी समिति जाम, श्रीमती भुवनेश्वरी ठाकरे अध्यक्ष एस.एम.सी., राजेश नगपुरे उपसरपंच , एसएमसी सदस्य श्रीमती रखी नगपुरे, एसएमसी सदस्य धर्मेंद्र धामडे तथा श्रीमती अनीता भीमटे के विशिष्ट आतिथ्य, प्रभारी प्राचार्य ऐमंत ठाकरे की अध्यक्षता एवं पूर्व प्रभारी प्राचार्य एल. आर. रंगारे, आर. सी. बिसेन की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत, ओजस्वी भाषण एवं मनमोहक नृत्यों की रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। पूरी समयावधि में स्काउट-गाइड के विद्यार्थियों ने अपने जोश और जुनून से प्रतिभागियों का निरंतर उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जाहिद खान ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों के प्रदर्शन एवं विद्यालय के आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा की। समारोह का मुख्य आकर्षण मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान समारोह रहा। इस अवसर पर प्रदेश की प्रावीण्य सूची में सातवां स्थान पाने वाले विद्यालय के होनहार छात्र विनायक ठाकरे को पूर्व प्रभारी प्राचार्य आर. सी. बिसेन द्वारा पूर्व घोषित ११,००० रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया और ९० प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले ७ मेधावी छात्रों को श्री बिसेन की ओर से १,०००-१,००० रुपये की नकद राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। पूर्व प्रभारी प्राचार्य एल. आर. रंगारे द्वारा अपनी पूर्व घोषणा के अनुसार २ उत्कृष्ट विद्यार्थियों को १,०००-१,००० रुपये एवं प्रशस्ति पत्र अतिथियों के हाथों वितरित कराए गए। विद्यार्थियों की इस शानदार सफलता में मार्गदर्शन देने वाले उनके कक्षा शिक्षकों को भी मंच से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य एमन्त ठाकरे ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में स्वतंत्रता दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी इस उत्कृष्ट परंपरा को बनाए रखने की अपील की। उत्कृष्ट मंच संचालन के लिए श्रीमती ममता शरणागत एवं श्रीमती पुष्पलता लिल्हारे तथा परेड एवं रैली संचालन हेतु स्काउट मास्टर चंद्रिका प्रसाद पटले को प्राचार्य द्वारा पुरस्कृत किया गया। अंत में प्राचार्य द्वारा सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया गया तथा राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का गरिमामय समापन हुआ।

घोटी से निकली कांवड़ यात्रा, सुन्दरकांड पाठ का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा। भगवान शिव के भक्तों को सावन महीने का बहुत बेसब्री से इंतजार रहता है। इस पावन पवित्र महीने में हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा कांवड़ यात्रा निकालकर शिवभक्त वैनगंगा नदी से जल लाकर भोलेनाथ का जलाभिषेक कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे है। इसी कड़ी में नगर मुख्यालय से ५ किमी. दूर ग्राम पंचायत घोटी स्थित हनुमान मंदिर से १६ अगस्त को प्रात: १० बजे डीजे की धुन पर विशाल कांवड़ यात्रा निकली और हाथों में कांवड़ थामे शिवभक्त नाचते-गाते हुए वैनगंगा नदी पोटियापाट घाट पहुंचे। जिसके बाद पूरी निष्ठा के साथ पवित्र वैनगंगा नदी का जल भरकर पोटियापाट स्थित भोले बाबा का जलाभिषेक किया गया और क्षेत्रवासियों के लिए आशीर्वाद मांगा। जिसके बाद सभी कांवड़िये जल लेकर वापस अपने ग्राम घोटी स्थित हनुमान मंदिर पहुंचे जहां संगीतमय सुन्दरकांड पाठ पढ़ा गया जिससे पुरा ग्राम भक्तिमय हो गया। सुन्दरकांड पाठ कार्यक्रम संपन्न होने के बाद आरती कर महाप्रसादी का वितरण किया गया। चर्चा में कांवड़ यात्रा समिति पदाधिकारी सीताराम गजबे ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सावन मास के अवसर पर १६ अगस्त को घोटी स्थित हनुमान मंदिर से कांवड़ यात्रा निकाली गई और इस कांवड़ यात्रा में शामिल कांवड़ियों ने डीजे की धुन पर भक्ति गीतों पर डांस करते हुए पोटियापाट घाट वैनगंगा नदी पहुंचे जहां से जल लाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया गया। जिसके बाद मंदिर में सुन्दरकांड पाठ एवं विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही यह भी बताया कि इस कांवड़ यात्रा एवं सुन्दरकांड पाठ कार्यक्रम के माध्यम से ग्राम की खुशहाली, अच्छी फसल के साथ-साथ क्षेत्र में सुख-समृध्दि की कामना की गई। इस धार्मिक कार्यक्रम को सफल बनाने में तिरथ बिसेन (सरपंच), गजेन्द्र अंगुरे, गोपाल लानगे, चेतन गौतम, प्रकाश देशमुख, सीताराम गजबे, मेघाराम टंभीरे, हर्षित बघेल, गजेन्द्र, उल्लास गिरी, गजेन्द्र बोरकर, लक्ष्मण बोमचेर, लेखराम सार्व, दुलेन्द्र बोरकर, धनेन्द्र लानगे, सुरेन्द्र, तानसेन गौतम, राजेन्द्र गौतम, रामप्रसाद गोले, लालू चौधरी, नेतराम गजबे, गनीराम, नितेश सार्वे, चंदरेश कुकडे, मदनऔजेकर, वासुदेव, लेखराम, आसाराम चौधरी सहित ग्रामीणजनों का सराहनीय योगदान रहा।

पांढ़रवानी हनुमान मंदिर से २३ अगस्त को धूमधाम से निकलेगी भव्य कांवड़ यात्रा

वैनगंगा नदी से जल लाकर कांवड़ियें करेगें भोलेनाथ का जलाभिषेक

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। सावन माह के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्राम पांढ़रवानी में धार्मिक उत्साह के साथ कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। आगामी २३ अगस्त को आयोजित होने वाली इस भव्य कांवड़ यात्रा की रूपरेखा तय करने के लिए १६ अगस्त की रात्रि स्थानीय हनुमान मंदिर में ग्रामीणों एवं आयोजन समिति की एक आवश्यक बैठक संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि २३ अगस्त को सभी कांवड़िए पांढ़रवानी स्थित हनुमान मंदिर प्रांगण में एकत्र होंगे। तत्पश्चात, डीजे एवं धार्मिक भजनों की गूंज के साथ श्रद्धालु पैदल यात्रा करते हुए पवित्र वैनगंगा नदी के तट पर पहुंचेंगे। वहां से मां वैनगंगा का पावन जल कांवड़ में भरकर पुन: हनुमान मंदिर लौटेंगे और विधि-विधान से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे। कांवड़ यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आयोजन समिति द्वारा यात्रा मार्ग पर फलाहार, स्वल्पाहार एवं शीतल पेयजल के स्थान-स्थान पर स्टॉल लगाए जाएंगे। जलाभिषेक और पूजन-अर्चन संपन्न होने के पश्चात हनुमान मंदिर प्रांगण में महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। ग्रामवासियों एवं आयोजन समिति ने क्षेत्र के समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने एवं पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

किरनापुर पहुंची 'दिव्य धरोहरें' यात्रा, श्रद्धालुओं ने किया भव्य स्वागत

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। धार्मिक एवं आध्यात्मिक आस्था से जुड़ी 'दिव्य धरोहरें' यात्रा के किरनापुर पहुंचने पर श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा श्रद्धापूर्वक स्वागत किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नागरिक यात्रा के दर्शन एवं पूजन के लिए उपस्थित रहे।यात्रा के रथ को आकर्षक फूल-मालाओं से सजाया गया था। रथ पर भगवान श्रीराम एवं श्री हनुमान जी से जुड़ी पावन धरोहरों के साथ विभिन्न तीर्थस्थलों से लाई गई पवित्र जल एवं चरण रज को दर्शनार्थ रखा गया था। रथ पर लगाए गए विवरण के अनुसार अयोध्या धाम से लाई गई भगवान श्रीराम की पावन चरण रज, किष्किंधा धाम से लाई गई श्री हनुमान जी की पावन चरण रज, सहित प्रयागराज त्रिवेणी संगम, अयोध्या की सरयू, किष्किंधा के पंपा सरोवर एवं मां नर्मदा के पवित्र जल को यात्रा मार्ग में दर्शन हेतु रखा गया है।किरनापुर में यात्रा के पहुंचने पर उपस्थित लोगों ने श्रद्धापूर्वक दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर देश एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। तथा रात्रि विश्राम कर भोजन कराया गया।इस दौरान युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। दिव्य धरोहरों की यह यात्रा धार्मिक आस्था, भारतीय संस्कृति और तीर्थ परंपरा के प्रति श्रद्धा का संदेश देती हुई आध्यात्म नगरी लांजी के लिए ब ? ही श्रद्धा भाव से रवाना किया गया। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव, मुकेश सिंह चौहान,डॉ नन्हें बहेकार, मंगल प्रसाद रैकवार, शिव तारन, संजय चौधरी,सुरेन्द्र चित्रिव, एसेस राहंगडाले, कमलेश चौधरी,राजेश राहंगडाले, बेनी प्रसाद अग्रवाल, बंटी अर्जुनवार, दिनेश अग्रवाल, धर्मेंद्र वराडे, संतोष क्षीरसागर सरस्वती शिशु विद्या भारती स्कूल के प्रधानाचार्य प्रकाशचंद्र पांडे सहित अनेक लोगों की मौजूदगी रही।

आजादी के दशकों बाद भी कीचड़ से होकर गुजरने को मजबूर धरमटोला के ग्रामीण

ग्रामीणों ने ग्राम से पदयात्रा निकालकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम खण्डवा के धरमटोला निवासियों का सब्र अब टूट चुका है। १७ अगस्त को ग्रामीणों के द्वारा ग्राम से एसडीएम कार्यालय तक पैदल रैली निकाली गई। इसमें महिला पुरुष बच्चे सभी शामिल रहे जिनके द्वारा सड़क निर्माण की मांग को लेकर नारेबाजी की जाती रही। आजादी के दशकों बाद भी पक्की सड़क नही बनने और बुनियादी सुविधाओं के अभाव से त्रस्त ग्रामीणों ने अनुविभागीय अधिकारी कार्तिकेय जायसवाल एवं विधायक विवेक पटेल के समक्ष उपस्थित होकर पक्की सड़क निर्माण कराने मांग की हैं।

मार्ग बना मुसीबत बड़ी आबादी प्रभावित

ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया की धरमटोला मुख्य बस्ती से लगभग २ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहाँ लगभग २५ मकान हैं उसमें करीब ५०० लोग निवास करते हैं। मुख्य मार्ग से जोड़ने वाला यह १ किमी का रास्ता पूरी तरह कच्चा और कीचड़युक्त है। बारिश के दिनों में यह रास्ता पूरी तरह से दलदल में बदल जाता है जिससे धरमटोला का संपर्क मुख्य गाँव और शहर से पूरी तरह कट जाता है। रास्ते की दयनीय स्थिति के कारण बच्चों को स्कूल जाने, किसानों को मंडी तक अपनी उपज पहुँचाने और आम लोगों को दैनिक राशन व इलाज के लिए जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सबसे गंभीर स्थिति आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर होती है। बारिश के मौसम में यदि किसी बुजुर्ग या गर्भवती महिला को तुरंत अस्पताल ले जाना हो तो एम्बुलेंस या अन्य वाहन टोले तक नहीं पहुँच पाते जिससे मरीजों की जान पर बन आती है। पिछले ३-४ वर्षों से ग्रामीण लगातार पंचायत, ग्राम सभा और तहसील कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं लेकिन हर बार उन्हें केवल आश्वासन ही मिला है। क्या हमारा गाँव इस देश या जिले का हिस्सा नहीं है क्या हम लोग कोई सजा भुगत रहे हैं क्या हमारे बच्चे पढ़ाई से वंचित रहे। ग्रामीणों ने एसडीएम से उनकी समस्या को अपनी समस्या समझते हुए जल्द से जल्द पक्की सड़क का निर्माण कराया जाने मांग की हैं।

सड़क नही बनने पर बच्चों को भविष्य खतरे में है-महेंद्र बिसेन

महेंद्र बिसेन ने बताया कि धरमटोला में मेरा खेत है जहां समय समय पर खेती कार्यों के लिए हमें जाना होता है। सड़क की परेशानी से हम जूझते हुए आते जाते हैं परंतु गांव में हम जब देखते हैं तो छोटे.छोटे बच्चे वहां पर भारी परेशानी में रहते हैं। उनका भविष्य खतरे में दिखता है बारिश के समय दो से तीन दिन स्कूल नहीं जा पाते हैं वहां आना जाना एक बड़ी समस्या बना रहता है। सरपंच से हमने बात भी किये थे तो उन्होंने पूरा विषय बताया था। इस सड़क के निर्माण के लिए करीब ६ बार सर्वे हो चुका है पर आज तक रोड नहीं बनी है बताते हैं कि प्रधानमंत्री सड़क में भी इसका सर्वे हुआ है परंतु आज तक कुछ नहीं हुआ है। दिक्कत यथावत है स्थिति यह है कि रात की जगह दिन में भी किसी की तबीयत खराब होती है तो गांव का डॉक्टर धरमटोली तक नहीं पहुंच सकता।

सड़क बनाने ग्रामीणों के द्वारा लगातार प्रयास कर रहे है-कमलेश नागेश्वर

उपसरपंच कमलेश नागेश्वर ने बताया कि हमारे ग्राम खंडवा का एक धरमेटोला है वह काफी दूरी पर है जहां पर शासन प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा है। अधिकारी से बात करते हैं तो प्रधानमंत्री सड़क में नाम आ गया है टीएस हो गया है बताते हैं। हम उसके लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं क्योंकि वहां के बच्चे स्कूल नहीं जा पाते हैं गर्भवती महिलाओं को कंधे पर बस्ती तक लाना होता है जहां एंबुलेंस बैठते है। आज तक वहां पर कुछ नहीं हुआ है सड़क जो है उसके लिए निजी जमीन रास्ते पर है जिसे शासन प्रशासन ही बना सकता है बैठक में हमने लोगों से चर्चा की तो किसान जमीन देने तैयार है इसकी दूरी ज्यादा है और पंचायत बनाने में समर्थ नहीं है। इसलिए अभी हम एसडीएम के पास आए हैं इसके बाद जनप्रतिनिधियों के पास भी जायेगे।

खराब सड़को के कारण स्कूल नहीं जा रहे छात्र छात्राएं

आजादी के बाद भी पक्की सड़को के लिए तरस रही गाँव की जनता-विवेक पटेल

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। आजादी के इतने वर्ष बाद भी ग्रामीण इलाकों में पक्की सड़के ना होने के कारण बच्चों को स्कूल जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के दिनों में रास्ते कीचड़ और दलदल में बदल जाते है, जिससे बच्चों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है और वे समय पर स्कूल नहीं पहुंच पाते है। जरा सी बारिश में कच्चे रास्ते दुर्गम हो जाते है ग्रामीणों और स्कूली बच्चों द्वारा बार बार गुहार लगाने के बाद भी पूर्व मंत्री भी इस मार्ग पर पक्की सड़क नहीं बना सके। जिसके बाद बच्चों और ग्रामीणों की मांग पर विधायक विवेक पटेल ने ग्राम पंचायत झाड़गॉव के सैयजा टोला से मेंढकी मार्ग पहुँचकर सड़क का निरीक्षण किया और उन्हें आश्वासित किया कि बहुत जल्द विभागीय मंत्री से मुलाकात कर इस मार्ग का निर्माण किया जाएगा। इस दौरान सरपंच राजेंद्र कुंजाम,पूर्व सरपंच उपेंद्र पप्पू बिसेन,पवन चिखले,शंकर सुलाखे, धनलाल टेकाम, भूरिया वरकड़े, दीपक चिखल,ध्यानेंद्र चिखले,कोमल गराडे, संजय चौधरी, धनलाल मडावी,धनेंद्र नगपुरे सहित ग्रामवासी मौजूद रहे। भारत को मेक इंडिया बनाएंगे कहने वाले गांव की पक्की सड़क नहीं बनवा पा रहे है। बच्चे स्कूल नहीं पहुंच पा रहे है, बरसात के लगभग चार महीने तक बच्चे कभी कभी स्कूल जाते है। जिससे उनकी पढ़ाई भी प्रभावित होती है ना ही मुरूम डलाई जाती है। जब भी विभाग के पास जाओ कहते है कोई फंड नहीं है जिससे सड़क की हालात बत्तर होती जा रही है। आजादी के इतने वर्षों बाद भी लाखों भारतीय बच्चों को मूलभूत सुविधाएं पाने के लिए विद्यालय पहुंचने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि बच्चों की नियमित और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन को प्राथमिकता के आधार पर कदम उठाने चाहिए। पिछले २५ वर्षों से प्रदेश में भाजपा की सरकार है,भाजपा वाले स्वर्णिम मध्यप्रदेश और गांव में विकास की बाते करते है। उन्हें गांव में पहुंचकर देखना चाहिए कि सड़को का क्या हाल है। पूरे सड़क में गड्ढे है कीचड़ है बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे है। सरकार अच्छी शिक्षा की बाते करती है जब सड़क में बड़े.बड़े गड्ढे हो तो बच्चे कैसे स्कूल पहुंचेंगे,कैसे पढ़ाई करेंगे। पंचायत में कोई फंड नहीं आ रहा है जिससे गांव का विकास भी दिखाई नहीं देता है। डबल इंजन की सरकार गांव की सड़के नहीं बनवा पा रही है अगर प्रदेश सरकार इन बच्चों की मांग पर सड़के नहीं बनवा पाती है। तो हम विधायक निधि की राशि के सड़क बनवाने का प्रयास करेंगे।

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के हस्ते खैरलांजी मुख्यालय में हुआ नये भाजपा कार्यालय का शुभारंभ

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। भाजपा ने स्वतंत्रता दिवस पर नगर के दिनदयाल चौक व भाजपा कार्यालय में शान से तिरंगा लहराकर देशभक्ति के जयघोष भी जोर शोर से लगाये। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के गरिमामय उपस्थिति में दिनदयाल चौक में वीरेन्द्र जैन और भाजपा कार्यालय में श्रीमती ललिता आडे के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की हमारे कुछ साथी सोशल मिडिया में दिल्ली और भोपाल की पार्टी की खबरे पोस्ट करते रहते है। जबकि उन्हे चाहिये की इन पोस्टो में वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र में पार्टी क्या कर रही है या हमारे जनप्रतिनिधीगणो ने क्षेत्र के विकास की जो लंबी ईमारत लिखी है कम से कम उसकी जानकारी भी पोस्ट करना चाहिये। जिससे क्षेत्रवासीयो तक जानकारी पहुंचेगी और उन्हे जागरूक होने का अवसर प्राप्त होगा। श्री जायसवाल ने आजादी के समय देश के महापुरूषो के संघर्ष व बलिदान की गाथा भी लंबे समय तक बताकर भाजपा सरकार के विकास कार्यो को भी सबके सामने रखा। इसी तरह खैरलांजी में मुख्य मार्ग पर भाजपा के नये कार्यालय का विधिवत लोकार्पण करने के साथ ही आजादी की वर्षगांठ पर नये कार्यालय में ध्वजारोहण कर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने भाजपा परिवार को शुभकामनायें प्रेषित की। इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की यह नया कार्यालय संगठन को और अधिक मजबूत करने तथा जनता की सेवा में एक महत्तवपूर्ण केन्द्र अवश्य साबित होंगा। साथ ही उन्होने सभी को संकल्प दिलवाकर आज के दिवस नये कार्यालय के लोकार्पण का मुख्य उद्देश्य भी विस्तार से बताया। कार्यकर्ताओं को नये सिरे से संकल्प दिलवाकर उन्होने कहा की आज चिंतन का समय है। हम अगर अपनी जमीन को छोडेंगे तो जिले ही नही अपितू प्रदेश में भी हमारा सम्मान कम होंगा। हमे अपने दायित्व को निभाकर जनता के विषय में जवाबदारी के साथ कार्य करना है। उन्होने कार्यकर्ताओं से कहा की हम अगर बालाघाट या कंटगी क्षेत्र की सोचेंगे तो हमे वंहा भी पीछे की पंक्ति में ही जगह मिलेगी। हमे अपना सम्मान पाना है तो अपनी भूमिका स्वंय तलाशनी पडेगी कि हम पार्टी के लिये कितनी दमदारी से कार्य कर रहे है। इस दौरान किशोर अमूले, निरंजन बिसेन, पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, श्रीमती मधू शूक्ला, सुनिता मानसिंह बहेटवार, पुष्पावंती लिल्हारे, पलाश बिसेन, नरेन्द्र शुक्ला, नरेन्द्र साहू,गिरीश दमाहे,डॉ संतोष लिल्हारे, देव सरिता दमाहे,बुधराम बहेटवार,शरद नगपुरे मौजूद रहे।

विद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ८०वाँ स्वतंत्रता दिवस

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। केशव इंग्लिश हायर सेकेण्डरी स्कूल में देशभक्ति एवं हर्षोल्लास के वातावरण में स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम खापा के प्रतिष्ठित कृषक राजेंद्र ठाकरे उपस्थित रहे। साथ ही कार्यक्रम के अध्यक्ष उत्तम प्रकाश रूसिया ,दिलीप रूसिया ,संदीप रूसिया ,पकंजसिंह, ज्ञान विकास समिति अध्यक्ष प्रदीप तिवारी,उपाध्यक्ष संजय मांधाता,सचिव विजय तेलास्कर,शौर्य रूसिया,प्रदीप शरणागत,कैलाशचन्द्र रूसिया ,रमेश देव्हारे ,मुकेश अग्रवाल, अनिल खण्डेलवाल ,श्रीमती चेतना देवरस, श्रीमती निर्मला पटले समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के मासिक गीत से हुआ। इसके उपरांत माँ सरस्वती का पूजन, दीप प्रज्वलन एवं दीप स्तुति की गई। विद्यार्थियों के द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। इसके उपरांत राष्ट्रीय गीत के साथ ध्वजारोहण किया गया तथा सभी ने राष्ट्रगान गाया। ध्वज प्रणाम एवं देशभक्ति के नारों से विद्यालय परिसर गूंज उठा। समारोह में कक्षा ११ वीं की छात्राओं के द्वारा सुंदर स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। इसके उपरांत मुख्य अतिथि का तिलक लगाकर एवं पुष्पमाला से स्वागत किया गया। विद्यालय के अधीक्षक जितेन्द्र टेंभरे ने अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि राजेंद्र ठाकरे ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दी। इसी के साथ ज्ञान विकास समिति के अध्यक्ष महोदय प्रदीप तिवारी ने अपने संबोधन में वर्तमान समय में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बढ़ते प्रभाव और उसके प्रति हमारी निर्भरता पर प्रकाश डाला। उन्होने विद्यार्थियों को अनुशासित बनने तथा यह संदेश दिया कि व्यक्ति की प्रगति में देश की प्रगति सम्मिलित हो एवं उपाध्याक्ष संजय मांधाता ने जय जवान जय किसान का नारा लगाते हुए नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विद्यालय के घोष दल द्वारा शानदार प्रस्तुति दी गई। विद्यार्थियों ने मनमोहक स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने फैंसी ड्रेस के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। शैली सोनवाने द्वारा हिन्दी में, मानवी भगत द्वारा संस्कृत में एवं वंश कटरे द्वारा अंग्रेजी में भाषण प्रस्तुत किए गए।

कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास से मनाया

स्थानीय कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल में स्वतंत्रता दिवस का राष्ट्रीय पर्व परम्परागत रूप से हर्षोल्लास मनाया गया। समारोह का शुभारंभ राष्ट्र गीत के गायन से हुआ तत्पश्चात् मुख्य अतिथि एडव्होकेट आई डी टेंभरे कोषाध्यक्ष कैरियर शिक्षा समिति द्वारा ध्वजारोहण किया गया। राष्ट्र गान के गायन ध्वज सम्मान के उपरांत विद्या की देवी माँ सरस्वती, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी संविधान रचयिता डॉ भीमराव आंबेडकर के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर देशभक्ति गीतों एवं भाषण का सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर समारोह के अध्यक्ष एडव्होकेट स्वप्निल डोंगरे उपाध्यक्ष कैरियर शिक्षा समिति के द्वारा देश भक्तिगीत का गायन किया गया तथा मुख्य अतिथि एडव्होकेट आई डी टेंभरे के अतिरिक्त स्कूल संचालक प्राचार्य निरंजन बिसेन के द्वारा अपने उद्बोधन में देश की एकता एवं अखण्डता के बनाये रखने की अपील की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वंय सेविकायें वैशाली पथिक, रागिनी हेड़ाऊ,श्रुति गौतम, सलोनी पटले, सलोनी आमाडारे स्वंय सेवक निखार वरकड़े एवं मयूर पारधी की प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केन्द्र रही। समारोह का सफल मंच संचालन एवं आभार व्यक्त कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना राकेश कुमार मिश्रा द्वारा देश भक्ति पूर्ण शेरों, शायरियों से किया गया। समारोह का समापन राष्ट्र गीत एवं राष्ट्र गान से किया गया। इसके पूर्व गत दिवस एक विशाल तिरंगा रैली का भी आयोजन किया गया।

सरस्वती विद्यालय में मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मुख्य अतिथि राजेंद्र ठाकरे की उपस्थिति में मनाया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेंद्र मिश्रा पूर्व प्राचार्य सरस्वती विद्यालय वारासिवनी ने की । अन्य अतिथि में ज्ञान विकास समिति के पदाधिकारी प्रदीप तिवारी अध्यक्ष ,संजय मांधाता उपाध्यक्ष ,विजय तेलासकर सचिव,शौर्य रुसिया सह सचिव ,तिलक पारधी कोषाध्यक्ष ,श्रीमती चेतना देवरस पूर्व अध्यक्ष,श्रीमती निर्मला पटले पूर्व प्राचार्य एवं व्यवस्थापक,महेंद्र कावड़े एवं दिनेश ठाकरे पूर्व प्राचार्य के द्वारा सर्वप्रथम मां सरस्वती , भारत माता, हमारे शहीदों की पूजा अर्चना कर राष्ट्रगीत वंदे मातरम गाने के बाद ध्वजा रोहण कर राष्ट्रगान गाया गया। जय घोष के नारे के साथ संपूर्ण प्रांगण देशभक्ति में हो गया । सरस्वती वंदना पश्चात जितेंद्र टेंभरे अधीक्षक के द्वारा अतिथियों का परिचय दिया गया । वहीं विद्यालय के आचार्य ने तिलक अभिनंदन एवं पुष्प गुच्छ भेटकर समस्त अतिथियों का स्वागत किया । उद्बोधन श्रृंखला में मुख्य अतिथि ने १९४७ के पहले की स्थिति को बताते हुए स्वतंत्रता के लिए किए गए संघर्ष की जानकारी दी । वहीं कार्यक्रम अध्यक्ष ने विद्यालय की छात्र छात्रों को इस स्वतंत्रता को बनाए रखने की बात कहते हुए अपने देश के विकास की ओर अग्रसर रहने की बात कही । इस खुशी के अवसर पर विद्यालय के नन्हे .मुन्ने भैया बहनों से लेकर कक्षा दसवीं तक के विद्यार्थीयो ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया । कुमारी अन्वी कटरे, मानसी चौहान ,अंश बोपचे ने अपने विचारों को शब्दों में पिरोकर क्रमशः हिंदी, संस्कृत और अंग्रेजी भाषा में प्रस्तुत किया । तत्पश्चात भैया बहनों को प्रसाद में ड्राई फरूट वितरण कर विद्यालय प्राचार्य रविशंकर पटले के द्वारा आभार प्रेषित किया गया। ।कार्यक्रम का सफल मंच संचालन श्रीमती पल्लवी चित्रिव शिक्षिका ने किया ।संपूर्ण कार्यक्रम सांस्कृतिक प्रमुख श्रीमती लता पटले के नेतृत्व में संपन्न हुआ ।

अमृत विद्या पीठ एवं लार्ड कृष्णा इंग्लिश मीडियम स्कूल में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

अमृत विद्या पीठ एवं लार्ड कृष्णा इंग्लिश मीडियम स्कूल में स्वतंत्रता दिवस की वर्षगांठ हर्षउल्लास के साथ मनाई गयी। यहां स्वतंत्रता दिवस सुरेश गोखले की अध्यक्षता, डीपी चौरागढ़े के प्रमुख आतिथ्य में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे का पूजन कर मां सरस्वती राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर डीपी चौरागढ़े के हंसते ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय गीत का सामूहिक गायन किया गया। जहां सुरेश गोखले के द्वारा स्वतंत्रता की रक्षा के लिए सदैव सतर्क रहने देश के विकास में भागीदारी बने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं उपस्थित अतिथियों के द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर प्रकाश डालकर विस्तृत रूप से बताया गया। इस दौरान गीत संगीत व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। डी पी चौरागढ़े ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में कई क्रांतिकारी ने अपना बलिदान दिया है उन सभी को श्रद्धांजलि। छात्र.छात्राएं अच्छी पढ़ाई कर अपने देश को आगे बढ़ाने में हिस्सेदारी निश्चित करें। इस अवसर पर शिक्षक शिक्षिकाएं छात्र.छात्राएं सहित विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया ८० वां स्वतंत्रता दिवस

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय शंकर साव पटेल कला, वाणिज्य एवं विधि महाविद्यालय में पूर्व जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष प्रफुल्ल बिसेन , समिति के सदस्य संजय चौधरी एवं अभिषेक अग्रवाल की गरिमायी उपस्थिति में ८० वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम राष्ट्रीय ध्वज की पुजा अर्चना एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर ध्वाजारोहण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस एस गेड़ाम के द्वारा किया गया। ध्वजारोहरण पश्चात समस्त महाविद्यालय परिवार एवं छात्र छात्राओं के द्वारा सामूहिक रूप से राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत का गायन किया गया। इसके पश्चात महाविद्यालय के इंदिरा कक्ष में छात्र छात्राओं के द्वारा देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में कृष्णा पराते सांस्कृतिक समिति संयोजक, डॉ. रक्षा निकोसे सांस्कृतिक एवं साहित्यिक समिति प्रभारी, श्रीमती रोहिणी देवी पटले कार्यक्रम प्रभारी, सदस्य डॉ. ओमकार बाविसटाले, श्रीमती हर्षिता मेश्राम, श्रीमती विभुति पुरोहित उपस्थित रहे तथा मंच संचालन डॉ. मनोज गजभिये के द्वारा किया गया।

महेंदीवाड़ा में बड़े शान से लहराया भारत का तिरंगा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। ग्राम पंचायत महेंदीवाड़ा में राष्ट्रीय पर्व १५ अगस्त स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोउल्लास के साथ बड़े धूमधाम से मनाया गया। सबसे पहले सुबह ७ बजे ग्राम पंचायत सरपंच एवं उपस्थित पंचगण , पंचायतकर्मी व वरिष्ठ लोगों के बीच भारत का तिरंगा फ्हराया गया। ध्वज स्तंभ के नीचे रखी गई माँ सरस्वती एवं भारत के महापुरुषों के छायाचित्र पर सरपंच एवं उपस्थित पंचगण एवं ग्रामीणों नागरिकों के द्वारा माल्यार्पण कर पूजा अर्चना की गई। शासन के निर्देशानुसार वंदे मातरम् व राष्ट्रीय गान स्कूली बच्चों के द्वारा प्रस्तुत किया गया एवं नारे लगाये गये। झंडा फहराने के पश्चात उपस्थित ग्रामीणजनों के साथ ग्राम पंचायत व शिक्षा विभाग व अन्य शासकीय विभाग के साथ प्रभात फेरी निकालकर ग्राम के गाँधी चौक मंच पर ग्राम के समाज सेवी गफ्फार आरबी के द्वारा राष्ट्रीय झंडा फ्हराया गया। इसके पश्चात प्रभात फेरी सीधे पूरे ग्राम का भ्रमण करती हुई पंचायत भवन में अन्य कार्यक्रम को संचालित कर एक साथ इकठा हुये। सबसे पहले कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए मँच पर उपस्थित मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती नीतू कोरचाम जनपद सदस्य, कार्यक्रम के अध्यक्ष सरपंच श्रीमती अंजनी किशोर तामेश्वर, विशेष अतिथि ग्राम के समाजसेवी गफ्फार आरबी पूर्व पंच एवं नेहरू युवा केन्द्र में रहे मण्डल अध्यक्ष। सरपंच प्रतिनिधि किशोर तामेश्वर,हरेन्द्र बंसोड एवं कार्यक्रम में उपस्थित पंचायत कर्मियों व वरिष्ठ ग्रामीणजनों के द्वारा मुख्य अतिथि अध्यक्ष विशेष अतिथियों का स्वागत सत्कार किया गया। उसी बीच शासन के निर्देशानुसार पंचायत भवन में ग्राम सभा आयोजित की गई साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं के द्वारा गीत भाषण तथा अपने अपने विचार रखकर ग्राम की अनेक समस्याओं पर विचार रखें गये। ग्राम के कैलाश सोनी के द्वारा राष्ट्रीय गीत गाकर आम जनता को ओतप्रोत किया गया। साथ ही सभी उपस्थितजनों को मिठाई सल्पहार वितरण किया गया। कार्यक्रम की समाप्ति पर अंतिम रूप देते हुए मंच का संचालन कर रहे सावन गवने रोजगार सहायक एवं युवराज बिसेन ग्राम पंचायत सचिव के द्वारा कार्यक्रम को अंतिम रूप देकर आभार व्यक्त किया गया।

अव्यवस्था में सदन: संसद का मानसून सत्र

जैसे ही 20 जुलाई को संसद का मानसून सत्र शुरू हुआ, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे छात्रों के विरोध-प्रदर्शन ने तेजी पकड़ ली। भाजपा के पास इस सत्र को अपनी जीत के रंगमंच में बदलने का मौका और आत्मविश्वास था, खासकर पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली जीत के चलते। लेकिन दिल्ली पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारी छात्रों के बर्बर दमन पर लोगों की प्रतिक्रिया ने उसकी सारी योजना उलट-पुलट कर दी, क्योंकि कुछ मनबढ़ पुलिसवालों को युवाओं पर हमला करते और यौन उत्पीड़न की कोशिश करते हुए फिल्माया गया। पुलिसकर्मियों द्वारा कानून के खुले उल्लंघन के लिए अभी तक कोई जवाबदेही तो तय नहीं की गयी है, मगर भाजपा और केंद्र सरकार को विपक्ष और जनमत के कई हिस्सों से लगातार आलोचना का सामना करना पड़ा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह सदन की कार्यवाहियों में यदा-कदा ही शरीक हुए। कई विधेयक बिना समुचित विचार-विमर्श के पारित हो गये। सरकार ने एक विधेयक पारित किया, जो सरकारी कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के पूर्ण संस्करण के अनिवार्य गायन पर, गृह मंत्रालय द्वारा फरवरी में जारी दिशा-निर्देश के क्रियान्वयन का रास्ता साफ करता है। विपक्ष के विरोध के बीच पारित 'खान और खनिज (विकास व विनियमन) संशोधन विधेयक' इन चिंताओं को नजरअंदाज करता है कि इससे संघवाद और संसाधन-समृद्ध क्षेत्र में रहने वाले लोगों के अधिकार कमजोर हो सकते हैं।

खनन विनियमों में यह संशोधन, हड़बड़ी में कानून बनाने और राज्यों व स्थानीय समुदायों की कीमत पर केंद्र सरकार की शक्तियों का लगातार विस्तार करने के दुर्भाग्यपूर्ण पैटर्न को ही अपनाता है। छात्रों का गुस्सा शांत करने की कोशिश में, मानसून सत्र ने परीक्षाओं में धांधली के खिलाफ कड़े उपायों को कानूनी जामा पहनाया। क्या वो उपाय शिक्षा व्यवस्था में भरोसा बहाल करने के लिए पर्याप्त साबित होंगे, यह देखा जाना बाकी है। सत्र के दौरान ही प्रधान ने आखिरकार इस्तीफा दिया। कानून बनाने की दो अन्य कोशिशें—पहली, परिसीमन प्रक्रिया के लिए जल्दबाजी में नया ढांचा तैयार करने की और दूसरी, विदेशी अंशदान के विनियमन की—पूरी तरह से साकार रूप नहीं ले पायीं, लेकिन दोनों अब भी जीवित हैं। ऐसी स्थिति से बचा जा सकता था। सरकार को परिसीमन और प्रस्तावित एफसीआरए संशोधनों, दोनों पर व्यापक और अधिक पारदर्शी सलाह-मशविरा करना चाहिए। एफसीआरए संशोधन विधेयक का परीक्षण अब एक संयुक्त संसदीय समिति करेगी, लेकिन इस कवायद को महज संख्या बल का खेल नहीं बनाया जाना चाहिए। परिसीमन से जुड़े अपने प्रस्तावों पर केंद्र को सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए, प्रस्तावित कानून का मसौदा उपलब्ध कराना चाहिए, और राज्यों के मुख्यमंत्रियों से भी इस बारे में मशविरा करना चाहिए। विपक्ष को परिसीमन और एफसीआरए पर सरकार के कदमों को रोकने में सफलता मिली हो सकती है, लेकिन उसे विजयोन्मादी नहीं होना चाहिए। जैसा कि खुद भाजपा ने देखा, राजनीतिक हालात तेजी से बदल सकते हैं। किसी सूरत में, संसद को अखाड़ा नहीं समझा जाना चाहिए जहां एक पक्ष दूसरे को परास्त करता है। इसे लगातार बातचीत और देश के सामने मौजूद समस्याओं के हल की सामूहिक तलाश का मंच बने रहना चाहिए।

पुरुषार्थ जगाएं, व्यसन त्यागें : सफलता और सुख का यही सच्चा मार्ग

मनुष्य के जीवन की वास्तविक पहचान उसके पुरुषार्थ से होती है। परिस्थितियां कैसी भी हों, यदि व्यक्ति के भीतर परिश्रम करने, संघर्ष करने और आगे बढ़ने का संकल्प है तो कठिन से कठिन रास्ता भी आसान हो जाता है। इसके विपरीत जब मनुष्य पुरुषार्थ छोड़कर आलस्य, निराशा और व्यसनों का सहारा लेने लगता है, तब उसकी क्षमताएं धीरे-धीरे क्षीण होने लगती हैं। इसलिए जीवन को सार्थक और सफल बनाने के लिए पुरुषार्थ जगाना तथा दुर्व्यसनों से दूर रहना अत्यंत आवश्यक है।

दक्षिण अफ्रीका के एक प्रसंग से इसकी प्रेरणा मिलती है। वहां अंग्रेजों के अत्याचार के विरुद्ध आंदोलन चल रहा था। एक सत्याग्रही को जोहन्सबर्ग की जेल में बंद कर दिया गया। जेल में सभी कैदियों से काम कराया जाता था। अधिकांश कैदी किसी तरह अपना काम पूरा करते, लेकिन एक कैदी निर्धारित समय से पहले ही अपना कार्य पूरा कर लेता और बचे हुए समय में ज्ञानवर्धक पुस्तकें पढ़ता रहता। एक दिन जेल का निरीक्षण करने आए अंग्रेज गवर्नर ने उससे पूछा कि उसे कोई परेशानी तो नहीं है। उस कैदी ने कहा कि यहां पूरा काम नहीं मिलता।

गवर्नर को आश्चर्य हुआ। उसने पूछा कि जब दूसरे कैदी काम से बचने का प्रयास करते हैं तो वह अधिक काम क्यों करना चाहता है। कैदी ने उत्तर दिया कि वह इसलिए अधिक काम करता है ताकि उसकी मेहनत करने की क्षमता नष्ट न हो जाए। यह साधारण-सा कैदी आगे चलकर भारत के स्वतंत्रता संग्राम का महानायक बना। वह थे महात्मा गांधी। उनके जीवन का यह प्रसंग बताता है कि परिस्थितियां व्यक्ति को महान नहीं बनातीं, बल्कि परिस्थितियों के बीच किया गया पुरुषार्थ व्यक्ति को महान बनाता है।

भारत की संस्कृति ने सदैव पुरुषार्थ को जीवन का आधार माना है। इस धरती पर अनेक महापुरुष हुए, जिन्होंने समाज को अहिंसा, सत्य, सर्वोदय और अनेकांत जैसे महान सिद्धांत दिए। आचार्य समन्तभद्र ने सदियों पहले सर्वोदय की कल्पना करते हुए सबके कल्याण और अभ्युदय की भावना प्रस्तुत की। भगवान महावीर ने भी समाज में समानता, स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया। उन्होंने जाति और लिंग के आधार पर भेदभाव को चुनौती देते हुए धर्म का द्वार सभी के लिए खोलने की प्रेरणा दी। उनका संदेश स्पष्ट था कि मनुष्य अपने कर्म और पुरुषार्थ से अपने जीवन का निर्माण कर सकता है।

पुरुषार्थ करने वाले व्यक्ति के लिए सफलता की राह खुलती जाती है। जीवन में अवसर सभी को मिलते हैं, लेकिन उनका लाभ वही उठा पाता है जो समय पर प्रयास करता है। एक छोटी-सी घटना इस बात को बहुत सरलता से समझाती है। सड़क पर बैलगाड़ी जा रही थी और कुछ बच्चे उसके साथ चल रहे थे। गाड़ी देखकर कुछ बच्चे दौड़कर उसमें चढ़ गए, जबकि कुछ पीछे रह गए। गाड़ीवान से पूछा गया कि कुछ बच्चे पीछे क्यों रह गए। उसने सहज उत्तर दिया कि जिनमें हिम्मत और पुरुषार्थ था, वे गाड़ी में चढ़ गए। यह प्रसंग जीवन का भी सत्य है। अवसर सामने आने पर जो व्यक्ति प्रयास करता है, वही आगे बढ़ता है।

आज पुरुषार्थ की सबसे बड़ी आवश्यकता व्यसनों से बचने के लिए है। हमारे आसपास अनेक प्रकार के आकर्षण और बुरी आदतें मौजूद हैं। नशा और अन्य दुर्व्यसन व्यक्ति की सोच, समय, धन और कार्यक्षमता को प्रभावित करते हैं। व्यसन केवल व्यक्ति को ही नुकसान नहीं पहुंचाते, बल्कि परिवार और समाज को भी कमजोर करते हैं। एक व्यक्ति की बुरी आदत धीरे-धीरे पूरे परिवार की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को प्रभावित कर सकती है। इसलिए व्यसन से दूर रहना भी अपने आप में एक बड़ा पुरुषार्थ है।

समाज में व्यसन-मुक्ति के लिए अनेक अभियान चलाए जाते हैं। सरकार और सामाजिक संस्थाएं लोगों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करती हैं। सभाएं होती हैं, जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और लोगों को स्वस्थ जीवन के लिए प्रेरित किया जाता है। लेकिन केवल अभियान चलाने से समस्या समाप्त नहीं होगी। इसके लिए परिवार, समाज और प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। जिस व्यक्ति में स्वयं अनुशासन नहीं है, वह दूसरों को अनुशासन का संदेश प्रभावी ढंग से नहीं दे सकता। इसलिए व्यसन-मुक्त समाज की शुरुआत स्वयं से करनी होगी।

व्यसन व्यक्ति की बुद्धि और विवेक को कमजोर कर देते हैं। एक प्रसिद्ध प्रसंग में एक व्यक्ति को यह अवसर दिया गया कि वह चार विकल्पों में से किसी एक को चुने। उसने आसान समझकर शराब का रास्ता चुना, लेकिन नशे के प्रभाव में उसके विवेक पर नियंत्रण नहीं रहा और एक गलत निर्णय दूसरे गलत निर्णय को जन्म देता चला गया। इस प्रसंग का संदेश यही है कि व्यसन अक्सर अकेला नहीं आता। एक बुरी आदत दूसरी बुरी आदत का रास्ता खोल सकती है और व्यक्ति धीरे-धीरे अपने विवेक तथा आत्मनियंत्रण को खो सकता है।

इसीलिए व्यसन को केवल एक व्यक्तिगत आदत मानना पर्याप्त नहीं है। यह परिवार, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक वातावरण से जुड़ी समस्या है। जिस धन का उपयोग परिवार की शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य के निर्माण में होना चाहिए, वह व्यसनों में नष्ट हो सकता है। जिस समय का उपयोग ज्ञान, रोजगार और आत्मविकास में होना चाहिए, वह व्यर्थ चला जाता है। सबसे बड़ी क्षति यह होती है कि व्यक्ति के भीतर आगे बढ़ने की इच्छा और कार्यक्षमता कमजोर होने लगती है।

जैन दर्शन मनुष्य को अपने जीवन का निर्माता मानता है। भगवान महावीर ने आत्मबल, संयम और पुरुषार्थ का मार्ग दिखाया। उनका संदेश व्यक्ति को अंधानुकरण से निकालकर जागरूकता और आत्मप्रयास की ओर ले जाता है। जीवन में कुछ प्राप्त करना है तो स्वयं प्रयास करना होगा। केवल इच्छा करने से सफलता नहीं मिलती। जिस प्रकार दीपावली पर लक्ष्मी का पूजन करने के साथ व्यक्ति को अपने कर्म और परिश्रम से धन अर्जित करना पड़ता है, उसी प्रकार जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में पुरुषार्थ आवश्यक है।

पुरुषार्थ केवल धन कमाने तक सीमित नहीं है। ज्ञान प्राप्त करना भी पुरुषार्थ है, चरित्र का निर्माण करना भी पुरुषार्थ है, परिवार के प्रति जिम्मेदारी निभाना भी पुरुषार्थ है और समाज के हित में काम करना भी पुरुषार्थ है। अपने भीतर की बुरी आदतों पर विजय पाना सबसे बड़ा पुरुषार्थ है। जब व्यक्ति अपने श्रम से समृद्ध होता है तो वह उस समृद्धि का उपयोग समाज और जरूरतमंदों की सेवा में भी कर सकता है। भारत में बने अनेक भव्य धार्मिक और सांस्कृतिक स्मारक समाज के सामूहिक पुरुषार्थ और दान की परंपरा के प्रतीक हैं।

अजन्ता-एलोरा की गुफाएं और गोमटेश्वर की विशाल प्रतिमा मानव प्रतिभा, श्रम और संकल्प की अद्भुत मिसाल हैं। ऐसी रचनाएं केवल धन से नहीं बनतीं। इनके पीछे वर्षों का श्रम, कुशलता, संगठन, धैर्य और दृढ़ संकल्प होता है। यही पुरुषार्थ मनुष्य को साधारण से असाधारण बनाता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि युवा पीढ़ी को व्यसनों के आकर्षण से बचाकर श्रम, शिक्षा, खेल, ज्ञान और रचनात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित किया जाए। परिवार बच्चों के साथ संवाद करे, समाज सकारात्मक वातावरण बनाए और प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में आत्मअनुशासन को स्थान दे। व्यसन से बचने वाला व्यक्ति केवल अपने जीवन को नहीं बचाता, बल्कि अपने परिवार के भविष्य को भी सुरक्षित करता है।

मनुष्य के भीतर अपार शक्ति है। आवश्यकता केवल उसे पहचानने की है। परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, पुरुषार्थ का दीपक जलता रहे तो अंधकार अधिक समय तक टिक नहीं सकता। व्यसन मनुष्य की शक्ति को भीतर से कमजोर करते हैं, जबकि पुरुषार्थ उसे आत्मविश्वास, सम्मान और सफलता की ओर ले जाता है। इसलिए जीवन में एक संकल्प होना चाहिए कि बुरी आदतों से दूरी बनाएंगे, अपनी क्षमताओं को पहचानेंगे और निरंतर आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे। यही पुरुषार्थ जीवन को सार्थक बनाएगा और व्यक्ति के साथ-साथ परिवार, समाज तथा राष्ट्र को भी मजबूत करेगा।

कांतिलाल मांडोत

अहंकार से विनय की ओर:शांति का मार्ग

जीवन फूलों की सेज नहीं है। यहाँ पल-पल संघर्ष है, परेशानियाँ हैं, कष्ट हैं और दु:ख भी हैं। एक समस्या हल होती है तो दूसरी सामने खड़ी हो जाती है। लेकिन समस्याओं को देखकर हमें घबराना नहीं चाहिए। जीवन में सुख है तो दु:ख भी है, छाया है तो धूप भी है। वास्तव में, यही जीवन का स्वाभाविक चक्र है। सच तो यह है कि मनुष्य के जीवन में समस्याएँ आती-जाती रहती हैं; आवश्यकता इस बात की है कि हम उनका सामना किस दृष्टि और मानसिकता से करते हैं। अक्सर समस्याओं के पीछे हमारी अपनी सोच और 'मैं' की भावना भी बड़ी भूमिका निभाती है। हम अपने पद, धन, ज्ञान, सफलता, सम्मान या विचारों को अपनी पहचान मान लेते हैं और चाहते हैं कि दूसरे भी हमें उसी रूप में स्वीकार करें। जब कोई हमारी बात नहीं मानता, हमारी आलोचना करता है या हमें अपेक्षित महत्व नहीं देता, तो हमें दु:ख, क्रोध या अपमान का अनुभव होता है। यही अहंकार का एक रूप है। अहंकार का अर्थ केवल घमंड करना नहीं है, बल्कि अपने बारे में बनाई गई धारणाओं को ही अपना वास्तविक स्वरूप मान लेना भी है। इसलिए हमें अहंकार से लड़ने के बजाय अपने विचारों और भावनाओं को समझना चाहिए। जब क्रोध आए, अपमान महसूस हो या किसी से स्वयं को श्रेष्ठ साबित करने की इच्छा हो, तब थोड़ी देर रुककर स्वयं से पूछना चाहिए कि हमारे भीतर ऐसा क्यों हो रहा है। धीरे-धीरे हमें समझ आने लगता है कि ये भाव स्थायी नहीं हैं। जब हम हर बात में स्वयं को सही साबित करने, दूसरों से तुलना करने और अपनी श्रेष्ठता दिखाने की इच्छा से मुक्त होने लगते हैं, तब मन में शांति आने लगती है। हम जीवन और लोगों को अधिक सहजता तथा वास्तविकता के साथ देख पाते हैं।अहंकार के संबंध में कहा जाता है-अहंकार: पतनस्य मूलं, विनय: प्रगते: पन्था:। यत्र विनय: तत्र ज्ञानं, यत्र ज्ञानं तत्र शान्ति: ॥ इसका भावार्थ है कि अहंकार पतन का मूल है और विनय उन्नति का मार्ग है। जहाँ विनय है, वहाँ ज्ञान है और जहाँ ज्ञान है, वहाँ शांति है। वास्तव में विनय जीवन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण गुण है। विनय का अर्थ केवल नम्र होकर बोलना नहीं, बल्कि दूसरों का सम्मान करना, अपनी सीमाओं को स्वीकार करना और सीखने के लिए सदैव तैयार रहना है। विनम्र व्यक्ति अपनी सफलता पर घमंड नहीं करता और अपनी गलतियों से सीखने में संकोच नहीं करता। इसी कारण वह लोगों के बीच सम्मान और विश्वास प्राप्त करता है। ज्ञान होने पर भी यदि विनय नहीं है, तो ज्ञान अहंकार में बदल सकता है; लेकिन विनय के साथ ज्ञान व्यक्ति के व्यक्तित्व को ऊँचा बनाता है। विनय हमें क्रोध, अहंकार और अनावश्यक विवादों से बचाता है तथा रिश्तों को मजबूत बनाता है। पद, धन और सफलता मनुष्य को बड़ा नहीं बनाते, बल्कि उसका विनय और व्यवहार उसे महान बनाते हैं। इसलिए जीवन में जितना ज्ञान और सफलता आवश्यक है, उतनी ही विनम्रता भी आवश्यक है। समस्याएँ जीवन का हिस्सा हैं और उनसे बचना संभव नहीं, लेकिन अपनी प्रतिक्रिया को नियंत्रित करना हमारे हाथ में है। जब हम परिस्थितियों को बदलने के बजाय अपने भीतर के 'मैं' को समझना शुरू करते हैं, तब कठिन परिस्थितियाँ भी हमें तोड़ने के बजाय मजबूत बनाने लगती हैं। अंतत: जीवन की सच्ची शांति बाहर की परिस्थितियों को बदलने से नहीं, बल्कि अपने भीतर के 'मैं' को समझने, अहंकार को नियंत्रित करने और विनय को अपनाने से मिलती है। यही संतुलित, सार्थक और शांत जीवन का मार्ग है।

-सुनील कुमार महला

योजनाओं की भरमार, फिर भी बैगा बच्चों की मौत क्यों

मध्यप्रदेश देश के सबसे बड़े आदिवासी राज्यों में है। 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य की लगभग 21.09 प्रतिशत आबादी अनुसूचित जनजाति से आती है। राज्य की बड़ी आदिवासी आबादी ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में रहती है, जहां गरीबी, रोजगार की अस्थिरता, शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच की समस्या आज भी गंभीर है। ऐसे में बालाघाट जिले के बैगा बहुल इलाकों से अगस्त 2026 में बच्चों की लगातार मौतों की खबर केवल एक स्थानीय स्वास्थ्य घटना नहीं है। यह मध्यप्रदेश की आदिवासी स्वास्थ्य और पोषण नीतियों की जमीनी सफलता पर बड़ा सवाल है।

बिरसा विकासखंड के कोण्डेकसा, बोंदारी, मछुल्दा, कोरका और आसपास के बैगा बहुल गांवों में बुखार तथा अन्य गंभीर लक्षणों के बाद बच्चों की मौत की खबर सामने आई है। सरकारी स्तर पर मृत बच्चों की संख्या आठ बताई गई है, जबकि नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने 19 बच्चों की मौत का आरोप लगाया है। इसलिए अंतिम मृत्यु संख्या और बीमारी के कारणों का निर्धारण स्वतंत्र चिकित्सकीय जांच के बाद ही किया जाना चाहिए। कुछ रिपोर्टों में बुखार, चकत्ते तथा कुछ मामलों में किडनी से संबंधित गंभीर लक्षणों का उल्लेख है। लेकिन एक बात इससे अलग और कहीं अधिक महत्वपूर्ण है कि इन मौतों को केवल किसी एक संक्रामक बीमारी या अचानक फैली महामारी के रूप में देखकर मामला समाप्त नहीं किया जा सकता है। यदि बच्चे पहले से कुपोषित, एनीमिया से पीड़ित अथवा कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले हैं, तो सामान्य संक्रमण भी उनके लिए जानलेवा बन सकता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के अनुसार मध्यप्रदेश में पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में 35.7 प्रतिशत बौनापन, 19 प्रतिशत दुर्बलता, 33 प्रतिशत कम वजन और 6.5 प्रतिशत गंभीर दुर्बलता दर्ज की गई थी। लेकिन आदिवासी बच्चों की स्थिति इससे भी अधिक चिंताजनक रही है। जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण -5 आधारित आंकड़े बताते हैं कि देश में पांच वर्ष से कम उम्र के अनुसूचित जनजाति के बच्चों में बौनापन लगभग 40.9 प्रतिशत था। इसका अर्थ है कि आदिवासी बच्चों का पोषण संकट सामान्य आबादी के संकट से अलग और अधिक गंभीर सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों से जुड़ा हुआ है। बालाघाट के बैगा समुदाय पर हुए वैज्ञानिक अध्ययन इस संकट की स्थानीय तस्वीर और स्पष्ट करता है। बैरहर, बालाघाट में 436 परिवारों के 1,197 लोगों पर किए गए सामुदायिक अध्ययन में पाया गया कि पूर्व-स्कूली बैगा बच्चों में दुर्बलता 42.3 प्रतिशत थी, जबकि उसी संदर्भ में ग्रामीण मध्यप्रदेश के बच्चों में यह लगभग 23.8 प्रतिशत थी। वयस्कों में भी क्रोनिक एनर्जी डिफीसिएन्सी अत्यधिक थी,पुरुषों में 55.8 प्रतिशत और महिलाओं में 62.9 प्रतिशत। अध्ययन में अनाज और मोटे अनाज के अलावा अन्य खाद्य पदार्थों तथा सूक्ष्म पोषक तत्वों का सेवन अनुशंसित मात्रा से कम पाया गया।

इससे स्पष्ट है कि बैगा समुदाय का कुपोषण कोई नई घटना नहीं है। वैज्ञानिक अध्ययन वर्षों पहले चेतावनी दे चुके हैं कि पोषण संबंधी योजनाओं के बावजूद समस्या गंभीर बनी हुई है। बैगा बच्चों के मामले में कुपोषण को केवल इस आधार पर नहीं समझा जा सकता है कि परिवार को पर्याप्त अनाज मिला या नहीं।

यदि बच्चे को चावल, मक्का अथवा अन्य अनाज पर्याप्त मात्रा में मिल भी जाए, लेकिन उसके भोजन में दाल, दूध, तेल, अंडा, फल, हरी सब्जियां और पशु-आधारित प्रोटीन की पर्याप्त उपलब्धता न हो तो वह कैलोरी तो प्राप्त कर सकता है, लेकिन उसका शरीर आवश्यक प्रोटीन, आयरन, विटामिन और अन्य माइक्रोन्यूट्रिएंट से वंचित रह सकता है। यही वह बिंदु है जहां सरकारी पोषण नीति की परीक्षा होती है। 2019 के एक अध्ययन ने बालाघाट के बैगा बच्चों के कुपोषण के सामाजिक कारणों की पड़ताल करते हुए पाया कि गरीबी, सार्वजनिक सेवाओं से असंतोष, सरकारी कर्मचारियों की उदासीनता और सेवाओं का कम उपयोग समस्या को बढ़ाते हैं। शोधकर्ताओं ने केवल पोषण पूरक देने के बजाय समग्र दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत बताई थी। अर्थात समस्या बच्चे की थाली से शुरू होकर स्वास्थ्य केंद्र, आंगनवाड़ी, स्कूल, सड़क, रोजगार, पानी और सरकारी तंत्र तक जाती है। विडंबना यह है कि मध्यप्रदेश में बैगा सहित विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के लिए योजनाओं की कमी नहीं है।

राज्य की आहार अनुदान योजना 2017 से बैगा, भारिया और सहरिया जैसे विशेष पिछड़ी जनजातीय परिवारों को कुपोषण से मुक्ति के उद्देश्य से संचालित है। सरकारी पोर्टल पर भी इसका घोषित उद्देश्य विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों को कुपोषण से मुक्त करना बताया गया है। इसके अलावा आंगनवाड़ी और समेकित बाल विकास योजना (आईसीडीएस), पोषण अभियान, पोषण पुनर्वास केंद्र, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, आयरन-फोलिक एसिड, टीकाकरण और अन्य योजनाएं चल रही हैं।

सबसे महत्वपूर्ण नीतिगत पहल प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) है। मध्यप्रदेश में बैगा, भारिया और सहरिया को पीवीटीजी के रूप में लक्षित करते हुए इसका उद्देश्य स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका, आवास, स्वच्छ पेयजल, सड़क, बिजली, दूरसंचार और अन्य बुनियादी सुविधाओं की कमी दूर करना है। बालाघाट भी पीएम-जनमन के दायरे में आने वाले जिलों में शामिल है। यानी नीति के स्तर पर सरकार स्वयं स्वीकार कर चुकी है कि पीवीटीजी समुदायों की समस्या केवल राशन या स्वास्थ्य शिविर की नहीं बल्कि बहुआयामी वंचना की समस्या है।

बालाघाट की वर्तमान स्थिति इसी सवाल को सामने खड़ा करती है। यदि किसी बैगा बस्ती में बच्चा गंभीर कुपोषण से गुजर रहा है, परिवार को नियमित पौष्टिक भोजन उपलब्ध नहीं है, पीने का पानी सुरक्षित नहीं है, स्वास्थ्य केंद्र कई किलोमीटर दूर है, परिवहन उपलब्ध नहीं है और बीमारी की स्थिति में अस्पताल पहुंचने में देर होती है, तो केवल आहार अनुदान या आंगनवाड़ी की मौजूदगी पर्याप्त नहीं होगी।

पीएम-जनमन की मूल भावना भी यही है कि पीवीटीजी परिवारों को केवल योजना का लाभार्थी नहीं बल्कि बुनियादी अधिकारों से वंचित नागरिक के रूप में देखा जाए।

सरकार ने पीवीटीजी बस्तियों के लिए आवास, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क और आजीविका को एक साथ जोड़ने का निर्णय लिया है। लेकिन बालाघाट की घटना यह पूछने को मजबूर करती है कि क्या योजनाओं की सूची लंबी होना और उनका वास्तविक लाभ अंतिम परिवार तक पहुंचना एक ही बात है?

वर्तमान मौतों के बाद केवल स्वास्थ्य शिविर लगाना पर्याप्त नहीं होगा। सबसे पहले पिछले दो-तीन महीनों में बैगा बहुल गांवों में हुई सभी बाल मृत्यु का स्वतंत्र मेडिकल ऑडिट होना चाहिए। प्रत्येक बच्चे की मृत्यु के कारण, बीमारी की अवधि, उपचार कहां मिला, अस्पताल तक पहुंचने में कितना समय लगा, पोषण स्थिति क्या थी, हीमोग्लोबिन कितना था, टीकाकरण की स्थिति क्या थी और परिवार को आंगनवाड़ी तथा स्वास्थ्य सेवाएं कितनी नियमित मिलीं, इन सभी बिंदुओं की जांच होनी चाहिए। इसके साथ ही प्रत्येक बैगा बस्ती में मासिक बाल स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली बनाई जानी चाहिए। इसमें केवल वजन और ऊंचाई नहीं, बल्कि हीमोग्लोबिन और एनीमिया,

गंभीर कुपोषण,संक्रमण, दस्त और बुखार,

टीकाकरण, पानी और स्वच्छता,

भोजन की विविधता, मातृ पोषण, तथा स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंच का नियमित रिकॉर्ड तैयार किया जाना चाहिए। मध्यप्रदेश सरकार के सामने अब सबसे महत्वपूर्ण सवाल बजट या नई योजना घोषित करने का नहीं, बल्कि मौजूदा योजनाओं की डिलीवरी और जवाबदेही का है। आहार अनुदान योजना यदि कुपोषण समाप्त करने के उद्देश्य से चल रही है तो सरकार को सार्वजनिक करना चाहिए कि बालाघाट के बैगा परिवारों में कितने पात्र परिवारों को इसका नियमित लाभ मिल रहा है। पीएम-जनमन यदि स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं की कमी दूर करने के लिए है तो बैगा बस्तियों में कितने स्वास्थ्य उपकेंद्र, सड़क, पेयजल, आवास और आजीविका संबंधी कार्य वास्तव में पूरे हुए हैं, इसकी ग्रामवार जानकारी सामने आनी चाहिए।

इसी तरह आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों को मिलने वाले पोषण आहार की नियमितता, गुणवत्ता और वास्तविक उपस्थिति का सामाजिक ऑडिट होना चाहिए। सरकारी योजनाओं की सफलता का पैमाना यह नहीं होना चाहिए कि कितने करोड़ रुपये खर्च हुए या कितने हितग्राहियों के खाते में पैसा भेजा गया। असली पैमाना यह है कि बैगा बस्ती का बच्चा स्वस्थ है या नहीं। मृत्यु की संख्या को लेकर सरकारी और विपक्षी दावों में अंतर है। बीमारी के कारण को लेकर भी अभी अंतिम निष्कर्ष नहीं आया है। इसलिए राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बजाय स्वतंत्र चिकित्सकीय जांच जरूरी है।

राज्य सरकार को विशेषज्ञ चिकित्सकों, बाल रोग विशेषज्ञों, महामारी विशेषज्ञों, पोषण विशेषज्ञों और जनजातीय स्वास्थ्य पर काम करने वाले स्वतंत्र संस्थानों की संयुक्त टीम बनानी चाहिए। यह जांच केवल वर्तमान मौतों तक सीमित न हो। पिछले वर्षों में बैगा बहुल क्षेत्रों में बाल मृत्यु, कुपोषण, एनीमिया, मातृ मृत्यु और संक्रामक रोगों के आंकड़ों का भी अध्ययन किया जाए। यदि किसी बीमारी का प्रकोप है तो उसका तत्काल पता लगना जरूरी है। लेकिन यदि मौतों के पीछे कुपोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की संरचनात्मक कमजोरी भी है तो उसे स्वीकार करना और सुधारना उससे भी ज्यादा जरूरी है।

मध्यप्रदेश में आदिवासी कल्याण की नीति लंबे समय से अनेक योजनाओं में विभाजित रही है। एक योजना पोषण देती है, दूसरी आवास, तीसरी सड़क, चौथी रोजगार और पांचवीं स्वास्थ्य सेवा। लेकिन बैगा परिवार का जीवन विभागों में विभाजित नहीं है। एक ही परिवार में मां कुपोषित हो सकती है, बच्चा एनीमिक हो सकता है, घर में सुरक्षित पानी नहीं हो सकता, रोजगार मौसमी हो सकता है और स्वास्थ्य केंद्र दूर हो सकता है। इसलिए सरकार को बैगा परिवार समग्र स्वास्थ्य एवं पोषण मिशन जैसे एकीकृत मॉडल पर विचार करना चाहिए, जिसमें स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, जनजातीय कार्य, खाद्य, पंचायत, ग्रामीण विकास और जल विभाग एक साझा ग्राम-स्तरीय कार्ययोजना के तहत काम करें।

हर बैगा बस्ती के लिए परिवारवार स्वास्थ्य पोषण रजिस्टर हो और गंभीर कुपोषित तथा उच्च जोखिम वाले बच्चों की निगरानी हो।

जरूरत पड़ने पर मोबाइल मेडिकल यूनिट और स्थानीय भाषा समझने वाले स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की स्थायी व्यवस्था की जाए।

बालाघाट के बैगा बच्चों की मौत हमें एक असहज लेकिन जरूरी सवाल के सामने खड़ा करती है। मध्यप्रदेश में योजनाएं हैं। बजट है। आंगनवाड़ी है। आहार अनुदान है। पोषण अभियान है। पीएम-जनमन है। स्वास्थ्य विभाग का पूरा ढांचा है। फिर भी यदि किसी दूरस्थ बैगा बस्ती में बच्चे कुपोषण, संक्रमण और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी के बीच मरते हैं तो समस्या योजना की अनुपस्थिति नहीं, योजना और जमीन के बीच की दूरी है। वैज्ञानिक अध्ययन वर्षों पहले बता चुके हैं कि बैगा समुदाय में कुपोषण गहरा और बहुआयामी है। अब अगस्त 2026 की घटनाएं सरकार को फिर उसी चेतावनी के सामने खड़ा कर रही हैं।इसलिए सरकार को तत्काल तीन काम करने चाहिए, बाल मृत्यु की स्वतंत्र जांच, प्रत्येक बैगा बस्ती का स्वास्थ्य-पोषण ऑडिट और पीएम-जनमन तथा आहार अनुदान सहित सभी योजनाओं का ग्राम स्तर पर सामाजिक ऑडिट।

आदिवासी विकास की असली सफलता तब मानी जाएगी जब सरकारी रिपोर्टों में योजनाओं की संख्या नहीं, बल्कि बैगा बच्चों के स्वस्थ जीवन की गारंटी दिखाई दे। सवाल यह नहीं है कि सरकार ने कितनी योजनाएं बनाई हैं। सवाल यह है कि बैगा बस्ती तक पहुंचने से पहले उन योजनाओं में से कितनी रास्ते में ही खत्म हो जाती है।

राज कुमार सिन्हा

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया सोमवार को 19 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.62 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपया 17 पैसे की गिरावट के साथ 95.59 प्रति डॉलर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.50 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में 95.59 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को तीन पैसे मजबूत होकर 95.42 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 फीसदी की गिरावट के साथ ही 99.54 पर रहा।

भारत 2036 तक बन सकता है 20 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली। भारत अब 5 ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य से कहीं आगे बढ़कर 20 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर देख रहा है। एक घरेलू ब्रोकरेज फर्म इक्विरस की शोध रिपोर्ट के अनुसार, देश 2036 तक यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल कर सकता है, बशर्ते वह अपनी आर्थिक वृद्धि की रफ्तार बढ़ाए और रुपये में मजबूती लाए। इक्विरस रिपोर्ट बताती है कि 20 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े तक पहुंचने के लिए भारत को सालाना लगभग 14.2 फीसदी की आर्थिक वृद्धि दर और रुपये में 3 से 3.6 फीसदी की मजबूती बनाए रखनी होगी। यह ऐतिहासिक 10-11 फीसदी की दर से काफी अधिक है। वर्तमान में भारत की अर्थव्यवस्था लगभग 3.7 ट्रिलियन डॉलर है, जिसे इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए लगभग 5.5 गुना बढ़ाना होगा। रिपोर्ट में इस बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 20 महत्वपूर्ण सुधारों का सुझाव दिया गया है। इनमें ईंधन को जीएसटी के दायरे में लाना, राज्यों के लिए न्यूनतम पूंजीगत खर्च तय करना, भारतीय रेलवे को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करना, भारत का सोवरेन फंड बनाना और निजी शिक्षा व अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) को बढ़ावा देना शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार एडवांस टैक्स खत्म करने और टीडीएस दर 5 फीसदी करने से कार्यशील पूंजी के रूप में लगभग 23.4 लाख करोड़ रुपये उपलब्ध हो सकते हैं। इस आर्थिक विस्तार में सेवा क्षेत्र एक प्रमुख इंजन होगा, जिसकी जीडीपी में हिस्सेदारी वर्तमान के 54 फीसदी से बढ़कर 65 फीसदी से अधिक होनी चाहिए। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स को बढ़ावा देने से 470-600 अरब डॉलर का आर्थिक प्रभाव और 2-2.5 करोड़ नए रोजगार पैदा हो सकते हैं, जबकि पर्यटन से सालाना 21 अरब डॉलर की अतिरिक्त विदेशी मुद्रा मिल सकती है। इन सभी सुधारों को प्रभावी ढंग से लागू करने से सालाना 4.5 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ होने का अनुमान है, जो 2036 तक इस मुकाम को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

लाल सागर के चक्रव्यूह में फंसा भारत चुका रहा बड़ी कीमत

नई दिल्ली । लाल सागर संकट को बिना किसी स्थायी समाधान के 1,000 दिन पूरे हो चुके हैं, जिससे समुद्री व्यापार में अनिश्चितता गहरा गई है। इकोनॉमिक थिंक टैंक जीटीआरआई ने चेतावनी दी है कि सैन्य कार्रवाई मिसाइलों को भले ही रोक सके, लेकिन व्यावसायिक भरोसे को बहाल नहीं कर सकती। जीटीआरआई ने कहा कि भारत को अब समुद्री असुरक्षा को एक सतत व्यापार जोखिम के रूप में देखना चाहिए और अपनी घरेलू शिपिंग क्षमता, नौसेना सुरक्षा तथा वैकल्पिक परिवहन गलियारों को मजबूत करना चाहिए। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार इस संकट ने भारत के यूरोप, ब्रिटेन, उत्तरी अफ्रीका और अमेरिकी पूर्वी तट के साथ व्यापार को धीमा और महंगा बना दिया है। बढ़ी हुई माल ढुलाई, बीमा और वर्किंग-कैपिटल लागतों के कारण एमएसएमई निर्यातकों को भारी नुकसान हो रहा है, खासकर कपड़े, इंजीनियरिंग सामान, रसायन और खाद्य उत्पादों जैसे कम मुनाफे वाले क्षेत्रों में। नवंबर 2023 से यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों के कारण प्रमुख शिपिंग कंपनियों को लाल सागर और स्वेज नहर से हटकर अफ्रीका के केप ऑफ गुड होप के रास्ते जाने पर मजबूर होना पड़ा है। इससे यात्रा में 10-14 दिन का अतिरिक्त समय और माल ढुलाई की लागत में 25-40 फीसदी की वृद्धि हुई है, जबकि स्वेज नहर का ट्रैफिक संकट-पूर्व स्तर से 60-70 फीसदी कम हो गया है। जीटीआरआई ने आशंका जताई है कि यह दो-मार्ग प्रणाली 2027 तक जारी रह सकती है। जीटीआरआई के मुता?बिक यह 1,000 दिन का पड़ाव दिखाता है कि युद्धों के कारण शिपिंग में रुकावटें व्यापारिक समझौतों और सामान्य इन्वेंट्री चक्रों से अधिक समय तक बनी रह सकती हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को समुद्री असुरक्षा को एक अस्थायी समस्या के बजाय एक स्थायी चुनौती के रूप में देखकर अपनी रणनीति बनानी चाहिए ताकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए जोखिम कम हो सकें।

लॉजिस्टिक्स क्रांति की ओर भारतीय रेलवे, वंदे भारत फ्रेट ट्रेन का सफल परीक्षण

नई दिल्ली । भारत में सुपरफास्ट पार्सल सेवाओं के एक नए युग की शुरुआत का संकेत देते हुए, भारतीय रेलवे की पहली वंदे भारत फ्रेट ट्रेन ने अपना सफल ट्रायल रन पूरा कर लिया है। वेस्ट सेंट्रल रेलवे (डब्ल्यूसीआर) के कोटा-रोहल खुर्द सेक्शन पर 130 किमी प्र ?ति घंटे की रफ्तार से हुए इस परीक्षण ने देश में तेज और कुशल माल ढुलाई के लिए मार्ग प्रशस्त किया है। रिसर्च डिजाइंस एंड स्टैंडर्ड्स ऑर्गनाइजेशन और इंटीग्रल कोच फैक्ट्री की टीमों की देखरेख में हुए इस तकनीकी ट्रायल में कई महत्वपूर्ण प्रणालियों की जांच की गई। इनमें रीजेनरेटिव एनर्जी, थर्मल कैपेसिटी, ट्रैक्शन, ब्रेकिंग परफॉर्मेंस और लोड के साथ झटके (जर्क) का स्तर शामिल था। कोटा डिवीजन के एक सीनियर डिवीजनल कमर्शियल मैनेजर के अनुसार इन परीक्षणों का उद्देश्य तेज रफ्तार पर ट्रेन की विभिन्न प्रणालियों की कार्यक्षमता और विश्वसनीयता का आकलन करना था। वंदे भारत सीरीज पर आधारित यह 16-कोच वाली फ्रेट ईएमयू तेज रफ्तार से पार्सल और अन्य सामान ले जाने के लिए बनाई गई है। इसमें एडवांस्ड प्रोपल्शन और ब्रेकिंग सिस्टम, पार्सल लोड करने में आसानी के लिए खास रोलर फ्लोर सिस्टम, ऑटोमैटिक चौड़े स्लाइडिंग दरवाजे और टेम्परेचर-कंट्रोल्ड (रीफर) जैसी आधुनिक सुविधाएं हैं। साथ ही, सीसीटीवी सर्विलांस और आग का पता लगाने वाले सिस्टम भी लगे हैं। इस सफल परीक्षण के बाद यह ट्रेन भारतीय रेलवे में तेज, सुरक्षित और समय पर पार्सल तथा लॉजिस्टिक्स ट्रांसपोर्टेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 281, निफ्टी 78 अंक गिरा

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की कीमत में तेजी से भी बाजार गिरा। आज प्रमुख सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के शेयरों पर भारी दबाव देखा गया, जिसमें टीसीएस, इन्फोसिस, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा जैसी दिग्गज कंपनियों को एक बार फिर बड़ा नुकसान उठाना पड़ा। इस गिरावट के चलते निवेशकों की संपत्ति में कमी आई और बाजार में निराशा का माहौल बना रहा।

सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों ने पूरे दिन कमजोर प्रदर्शन किया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 281.09 अंकों की गिरावट के साथ 77,728.16 अंकों पर बंद हुआ। वही 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी तकरीबन 78.35 अंकों के नुकसान के साथ ही 24,287.65 अंकों पर बंद हुआ। इस प्रकार देखा जाये तो आज दिन भर गिरावट हावी रही।

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से केवल 7 कंपनियों के शेयर ही आज लाभ के साथ ऊपर आये जबकि बचे हुए 23 कंपनियों के शेयर गिरे है। इसी प्रकार निफ्टी में भी 50 में से केवल 18 कंपनियों के शेयरों में तेजी आई, जबकि 31 कंपनियों के शेयर लाल निशान में बंद हुए और श्रीराम फाइनेंस का शेयर बिना किसी बदलाव के सपाट रहा। यह आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि गिरावट का असर पूरे बाजार पर व्यापक रूप से पड़ा।

टाटा ग्रुप की मेटल कंपनी टाटा स्टील के शेयरों में आज तेजी रही। निवेशकों की नजर देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इन्फोसिस पर थी, जिसके शेयरों में आ भारी गिरावट रही।

सेंसेक्स के अन्य प्रमुख शेयरों में, एक्सिस बैंक), रिलायंस इंडस्ट्रीज , बीईएल , एचडीएफसी बैंक , एलएंडटी और बजाज फाइनेंस ने कुछ हद तक सकारात्मक कारोबार किया। दूसरी ओर, आईटी कंपनियों के अलावा, एचसीएल टेक , टीसीएस और टेक महिंद्रा जैसे प्रमुख आईटी स्टॉक भी भारी गिरावट के साथ बंद हुए। इनके साथ-साथ सन फार्मा , आईटीसी, एनटीपीसी , हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारती एयरटेल , महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज फिनसर्व के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। वहीं इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में बाजार में गिरावट आई। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 337.86 अंक गिरकर 77,671.39 के स्तर पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी में 72 अंक की गिरावट आई और यह 24,294.40 पर पहुंच गया।

एलपीजी- ई-केवायसी की अंतिम तिथि बढ़ी, ग्राहकों को राहत

नई दिल्ली। एलपीजी गैस सिलेंडर उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। आधार आधारित ई-केवाईसी कराने की अंतिम तिथि को आगे बढ़ा दिया गया है। पहले यह तारीख 16 अगस्त थी, जिसे अब बढ़ाकर 23 अगस्त कर दिया गया है। जिन ग्राहकों ने अभी तक अपनी केवायसी पूरी नहीं की है, उन्हें अब अतिरिक्त समय मिल गया है। यह फैसला स्वतंत्रता दिवस और लगातार छुट्टियों के कारण लिया गया है, जिसके चलते कई ग्राहक समय पर अपनी ई-केवायसी प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए थे। हालांकि, राहत मिलने के बावजूद ग्राहकों को तय समय सीमा में ई-केवायसी पूरा करना अनिवार्य है। अगर 23 अगस्त तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं की जाती है, तो फिलहाल गैस कनेक्शन तो बंद नहीं होगा, लेकिन भविष्य में उन्हें घरेलू दरों पर सिलेंडर मिलने में परेशानी हो सकती है और अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती है।

एचडीएफसी बैंक को गलत सीआईबीआईएल रिपोर्टिंग पड़ी भारी, कोर्ट ने लगाया जुर्माना

कोल्लम । केरल के कोल्लम जिला उपभोक्ता कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में एचडीएफसी बैंक को एक ग्राहक की गलत क्रेडिट जानकारी को सुधारने और उसे 50,000 रुपये का मुआवजा व 10,000 रुपये मुकदमे का खर्च देने का आदेश दिया है। यह आदेश बैंक द्वारा ग्राहक के एक बंद हो चुके लोन खाते को डिफॉल्ट के रूप में गलत तरीके से रिपोर्ट करने के मामले में आया है। यह मामला अलुम्मूडू निवासी एक व्यक्ति से जुड़ा है, जिसने पहले सेंटूरियन बैंक (जो बाद में एचडीएफसी बैंक में विलय हो गया) से बाइक लोन लिया था। ग्राहक ने 2009 में अपने सभी बकाये चुका दिए थे, जिसमें गुम हुए दो चेक के बदले नकद भुगतान भी शामिल था, और उसका लोन खाता बंद हो गया था। बावजूद इसके, बैंक ने इस खाते को डिफॉल्ट के तौर पर रिपोर्ट किया, जिससे ग्राहक की सीआईबीआईएल रिपोर्ट खराब हो गई। उसे अक्टूबर 2023 में इस गड़बड़ी का पता चला, जब उसे खराब क्रेडिट स्कोर के कारण बिजनेस लोन मिलने में दिक्कत हुई। कोर्ट ने बैंक को 30 दिनों के भीतर गलत जानकारी ठीक करने और सीआईबीआईएल को सूचित करने का निर्देश दिया है, जिसके बाद सीआईबीआईएल को भी 30 दिनों में रिकॉर्ड अपडेट करना होगा। तय समय पर भुगतान न करने पर बैंक को बकाया राशि पर 9 फीसदी वार्षिक ब्याज भी देना होगा।

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए फायदे के नए रास्ते खोल सकता है। आपके फैसले सही साबित होंगे और सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी से मन खुश रहेगा। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात पुरानी यादें ताजा कर देगी, वहीं ससुराल पक्ष से किसी खास व्यक्ति के आने की संभावना है। हालांकि, मां की किसी बात को नजरअंदाज न करें। उनकी नाराजगी आपको थोड़ी परेशानी दे सकती है।

वृषभ राशि- आज आपकी कोई बड़ी इच्छा पूरी हो सकती है, जिससे आप काफी खुश नजर आएंगे। घर में अचानक कोई अच्छी खबर या सरप्राइज मिलने से माहौल खुशनुमा रहेगा और अपनों के साथ हंसी-खुशी के पल बिताएंगे। छोटे बच्चों की सेहत पर विशेष ध्यान दें। किसी भी महत्वपूर्ण फैसले में जल्दबाजी न करें, वरना बाद में पछताना पड़ सकता है। भाई-बहनों के साथ आपका रिश्ता और मजबूत होगा।

मिथुन राशि- आज आपके मन में कुछ नया शुरू करने की इच्छा जोर पकड़ सकती है। आप अपने लक्ष्य को लेकर गंभीर रहेंगे और आगे बढ़ने की पूरी कोशिश करेंगे। वैवाहिक जीवन में जीवनसाथी का सम्मान और समझ आपका आत्मविश्वास बढ़ाएगा। पुराने अटके हुए कामों को पूरा करने में सफलता मिल सकती है। विरोधियों की बातों में आकर कोई फैसला न लें। साथ ही, उधार लेने से बचें, क्योंकि बाद में उसे चुकाना मुश्किल हो सकता है।

कर्क राशि- आज आपको राहत के साथ प्रगति के भी अच्छे संकेत मिलेंगे। प्रॉपर्टी से जुड़े फैसले आपके पक्ष में आ सकते हैं और आपकी कला या किसी विशेष हुनर में निखार देखने को मिलेगा। मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा, लेकिन किसी करीबी व्यक्ति से धोखा मिलने की आशंका के चलते थोड़ा सतर्क रहना जरूरी है। पिता का सहयोग किसी बड़ी उलझन को सुलझाने में आपकी मदद कर सकता है।

सिंह राशि-आज सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी और इसका सकारात्मक असर आपके मन पर पड़ेगा। राजनीति, प्रशासन या नेतृत्व से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा रह सकता है। जीवनसाथी के साथ किसी छोटी बात पर नोकझोंक हो सकती है, इसलिए बात को बढ़ाने के बजाय समझदारी से संभालें। जोखिम भरे कामों से दूरी रखना बेहतर रहेगा। कानूनी मामलों में राहत या कोई सकारात्मक खबर मिल सकती है।

कन्या राशि-आज का दिन परिवार के साथ खुशियां और सुकून लेकर आएगा। अपनों का पूरा सहयोग मिलेगा, हालांकि संतान की सेहत को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है। पढ़ाई और किसी नए कौशल को सीखने में प्रगति होगी। लंबे समय से अटका पैसा वापस मिलने की संभावना है। घर में मरम्मत, सजावट या किसी नए बदलाव की शुरुआत भी हो सकती है, जिससे घर का माहौल और बेहतर होगा।

तुला राशि-आज कारोबार से जुड़े कुछ मामलों में उलझनें बनी रह सकती हैं, लेकिन परिवार के साथ समय बिताने से आपका मन हल्का और प्रसन्न रहेगा। बच्चों के साथ घूमने-फिरने का मौका मिलेगा। जो लोग सिंगल हैं, उनके जीवन में किसी खास व्यक्ति की एंट्री हो सकती है। आपकी लगातार की गई मेहनत अब रंग लाएगी और आपको अपने प्रयासों का अच्छा परिणाम मिलने की उम्मीद है।

वृश्चिक राशि- आज कमाई बढ़ाने के नए रास्ते सामने आ सकते हैं और आपके कई काम आसानी से पूरे होंगे। सुख-सुविधाओं में वृद्धि से मन प्रसन्न रहेगा। वैवाहिक जीवन में लंबे समय से चली आ रही कोई परेशानी दूर हो सकती है और रिश्ते में फिर से मिठास आएगी। हालांकि, अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें और गुस्से में कोई बात न कहें। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का इस्तेमाल करते समय भी सावधानी बरतें।

धनु राशि-आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। परिवार का सहयोग और माता-पिता का आशीर्वाद आपके कई रुके हुए काम पूरे कराने में मदद करेगा। भाई-बहनों की सलाह किसी महत्वपूर्ण मामले में आपके लिए काफी उपयोगी साबित हो सकती है। कोई बड़ी इच्छा पूरी होने से मन में संतोष रहेगा। हालांकि, अगर यात्रा जरूरी न हो तो उसे कुछ समय के लिए टालना बेहतर रहेगा।

मकर राशि-आज अधूरे कामों को पूरा करने पर ध्यान देने का दिन है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के सामने नए अवसर आ सकते हैं। सामाजिक क्षेत्र में आपकी पहचान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मां की भावनाओं और उनकी बातों का सम्मान करें। साथ ही, आसपास के लोगों पर आंख मूंदकर भरोसा न करें। आज आपके भीतर कुछ नया और अलग करने की इच्छा रहेगी और आप अपने लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ा सकते हैं।

कुंभ राशि-आज जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निभाने का दिन है और आप अपनी सूझबूझ से हर काम संभाल लेंगे। सुख-समृद्धि में वृद्धि के संकेत हैं और लंबे समय से देखा जा रहा नया वाहन खरीदने का सपना भी पूरा हो सकता है। कारोबार में अटकी हुई कोई महत्वपूर्ण डील आखिरकार फाइनल हो सकती है। हालांकि, मां की सेहत को लेकर लापरवाही न करें और जरूरत पड़ने पर तुरंत ध्यान दें।

मीन राशि- आज मन में शांति और संतोष बना रहेगा। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी के साथ खूबसूरत और रोमांटिक पल बिताने का मौका मिलेगा। परिवार में किसी छोटी बात को लेकर बहस हो सकती है, लेकिन संयम से काम लेकर माहौल बिगड़ने से बचाया जा सकता है। संतान से जुड़ी कोई अच्छी खबर मन को खुश कर सकती है। विद्यार्थियों के लिए मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने के संकेत हैं।

शब्दजाल - 8353

म	अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	धे	मा	जी
रा	वि	ली	प्रे	क	न्या	स	द	ज	कां	ड़
चु	बा	र	पे	टा	छ	मि	रां	ब	वृ	डि
इं	नौ	ब	न	बा	वा	स	ग	ल	ष	ब्रु
बो	आ	मी	ल	म	चा	न	क्रो	न	भ	ग
य	ग	न	र	रा	गो	ली	ती	जो	घ	ढ़
द	सं	ई	ग	ट्रे	न	ला	स	र	व	स
धु	ह	अ	गां	द	ब	क	घा	हो	श	क
ब	म	तु	ला	व	म	स	या	ट	र	आ
री	गॉ	ल	क	छा	र	कुं	भ	म	प	द
क	ड	क	र्क	या	क	र्त	का	म	रू	प

शब्दजाल में असम के 10 जिलों के नाम ढूंढिए.नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

बारपेटा, कछार, दरांग, धेमाजी, धुबरी, गोलाघाट, डिब्रुगढ़, बोगईगांव, जोरहाट, कामरूप

शब्दजाल - 8352 का हल

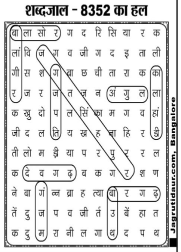

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

18 अगस्त को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

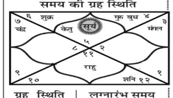

ग्रह	स्थिति
सूर्य	सिंह में
चंद्र	तुला में
मंगल	मिथुन में
बुध	कर्क में
गुरु	कर्क में
शुक्र	कन्या में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
सिंह	05.33 बजे से
कन्या	07.49 बजे से
तुला	10.00 बजे से
वृश्चिक	12.14 ब.से
धनु	14.30 बजे से
मकर	16.36 बजे से
कुंभ	18.22 बजे से
मीन	19.55 बजे से
मेष	21.25 बजे से
वृष	23.05 बजे से
मिथुन	01.04 बजे से
कर्क	03.17 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 230 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ल
तिथि षष्ठी 17.51 बजे को समाप्त।
नक्षत्र स्वाती अहोरात्र।
योग शुक्ल(शुक्र) 03.23 बजे रात्र को समाप्त।
करण तैतिल 17.51 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 5.3 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 13° 09'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872805
जूलियन दिन 2461270.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उलावल **तारीख** 04
विशेष मंगला गौरी व्रत, कल्कि जयंती।

दिन का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक

रात का चौघड़िया		
काल	05.42 से	07.13 बजे तक
लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7297

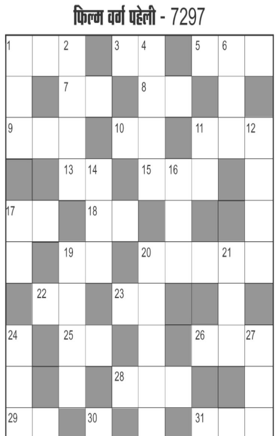

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, माधुरी की 'सात सुरों के तार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चांदी की साइकल' गीत वाली गोविंदा, जूही चावला की फिल्म-२
५. अक्षय, करिश्मा की 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली फिल्म-३
७. नसीरूद्दीनशाह, जैकी, नगमा, शिल्पा की एक फिल्म-२
८. फिल्म 'जाल' की नायिका कौन थी-२
९. 'आयेगा आनेवाला' गीत वाली अशोककुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१०. फिल्म 'हीरा पन्ना' में देव आनंद के किरदार का नाम क्या था-२
११. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुलराय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१३. जैकी श्राफ, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
१५. दक्षिण की फिल्म 'थेवर मगन' किस भाषा में बनी थी ?-३
१७. 'वीरू' 'जय' और 'बसंती' आदि किस सुपर हिट फिल्म के पात्र हैं-२
१८. 'दिल है प्यारे जरा' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'अनकही' के गीत 'आँखों में अनजाने' का गायक कौन है-२
२०. 'आते आते तेरी याद' गीत वाली संजयदत्त, अनिता की फिल्म-२,१,२
२२. अमिताभ, जीनत की 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली फिल्म-२
२३. फिल्म 'सलाखें' में नायक कौन था-२
२५. 'क्यूं ऑचल हमारा गिरा' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-२
२६. गीत 'दिल के अरमां आँसुओं में' की गायिका कौन है-३
२८. 'काट दिये नाम सब' गीत वाली फिल्म-३
२९. फिल्म 'रॉकी' की नायिका कौन थी-२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़ें' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'सजना के सामने मैं तो गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अजय देवगन, आयशा जुल्का, करिश्मा कपूर की 'बेशक तुम मेरी मुहब्बत हो' गीत वाली फिल्म-३
२. 'मेरी छतरी के नीचे आजा' गीत वाली धर्मेन्द्र, आदित्य, नसीरूद्दीन शाह, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
४. अशोक, प्रदीप, मीना कुमारी की 'दिल जो कह न सका' गीत वाली फिल्म-२,२
६. 'एक तो ये बैरी सावन' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
११. विश्वजीत, माला की 'रोकना है अगर रोक लीजे मगर' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'मुर्गी ने झूठ बोला' गीत वाली किशोरकुमार, साधना की फिल्म-४
१४. कंवलजीत, वहीदा की 'तुम अपना रंजोगम' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'गुरू' में नायक कौन था-३
१७. मनोजकुमार, नंदा, जया की 'पानी रे पानी तेरा रंग कैसा' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'सावन बरसता है तुझसे मिलने को' गीत वाली मिथुन, मीनाक्षी की फिल्म-४
२०. जीतेंद्र, रीना राय की 'तेरे हाथों में पहनाके चूड़ियां' गीत वाली फिल्म-२,३
२१. आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी की फिल्म-३
२४. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'हो जाता है प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'पानी पानी रे खारे पानी रे' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 7296

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: जनता का विश्वास

महान संत कन्फ्यूशियस से परामर्श लेने व उनसे अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पाने के लिए अनेक लोग उनके पास आते रहते थे। एक बार कुछ राजनेता राजनीति के संदर्भ में कुछ प्रश्नों का उत्तर जानने व राजनीति पर विचार-विमर्श करने के लिए आए। चर्चा चल ही रही थी कि उनमें से एक राजनेता ने पूछा, 'कृपया बताएं, सच्चे अर्थों में एक आदर्श व अच्छा शासक कौन हो सकता है?' प्रश्न सुनकर कन्फ्यूशियस बोले, 'महानुभाव, जिसके पास जनता के पालन-पोषण के लिए पर्याप्त साधन हों, देश की रक्षा के लिए पर्याप्त सेना और शस्त्रास्त्र हों तथा जिस पर जनता का पूर्ण विश्वास हो, वही वास्तव में एक अच्छा व आदर्श शासक साबित हो सकता है।' राजनेता बोले, 'लेकिन इनमें सबसे महत्वपूर्ण क्या है?' इस पर कन्फ्यूशियस बोले, 'इनमें सबसे महत्वपूर्ण जनता का विश्वास है। शासक या सरकार के प्रति यदि जनता का विश्वास डगमगा गया तो उसका पतन निश्चित है। विश्वास एवं विश्वसनीयता से बढ़कर किसी शासक के लिए सर्वोत्तम तत्व और कुछ हो ही नहीं सकता क्योंकि अन्य वस्तुएं जैसे आधुनिक शस्त्र, सर्वोत्तम साधन आदि तो रुपये-पैसों से खरीदे जा सकते हैं किंतु विश्वास को अपना सर्वस्व न्योछावर कर देने पर भी नहीं खरीदा जा सकता। विश्वास ही इस संसार में एक ऐसा तत्व है जो अपनी दृष्टि और आचरण से प्राप्त किया जा सकता है। इसके लिए आत्मा की शुद्धता आवश्यक है। यदि जनता का विश्वास किसी बड़े राजनेता पर से उठ जाए तो वह उसी क्षण आसमान से जमीन पर आ गिरता है।' राजनेता इससे पूर्णतया सहमत हो गए।

सूडोकु नवताल- 7606

★☆☆☆☆ सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7605 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्द पहेली - 8821

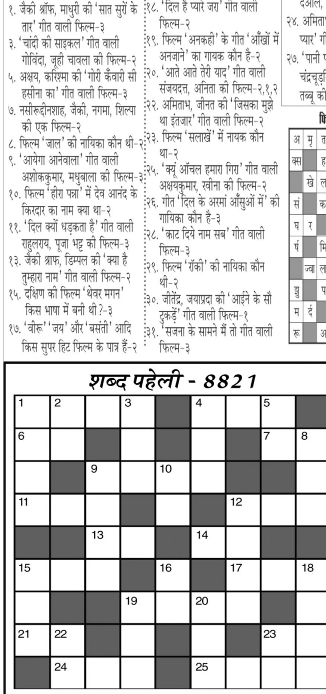

बाएँ से दाएँ

1.रमण योग्य-4
4.साल,वर्ष-3
6.बांया-2
7.राय,वोट-2
9.तकरार,कहासुनी-4
11.अंधकार,अंधेरा-3
12.सरल,आसान-3
13.चील,ईगल-2
14.देवदास की प्रेमिका-2
15.सूली,क्रूस-3
17.कारण-3
19.मन को हरने वाला-4
21.कार्य,काज-2
23.बाण,तीर-2
24.दबाना,कुचलना-3
25.हाथी चलाने वाला-4

ऊपर से नीचे

1.परंपरा,रीति-रिवाज-4
2.संस्कृत में 'मेरा'-2
3.भरोसा,विश्वास-3
4.दीदी,भगिनी-3
5.समान,एक जैसा-2
8.अंधेरा,अंधकार-3
9.बोरिया बिस्तर-4
10.रिहा-2
12.तालाब,जलाशय-4
15.तमीज,शिष्टता-3
16.मछली,एक राशि-2
18.ज्वरताप-4
19.चिंतन,विचार-3
20.रनिवास (उर्दू-3)
22.नशा,अभिमान-2
23.पार्थिव देह,लाश-2

शब्द पहेली -8820 का हल

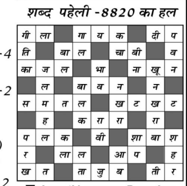

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

उत्कृष्ट कार्य के लिए अशोक नारनौरे सहित लांजी के अन्य अधिकारी-कर्मचारी हुए सम्मानित

पद्मेश न्यूज। लांजी। स्वतंत्रता दिवस पर्व-2026 के अवसर पर जिला मुख्यालय में आयोजित समारोह में विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिसमें पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग में कृत्रिम गर्भाधान (एआई) कार्य में उल्लेखनीय योगदान के लिए लांजी क्षेत्र के सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी अशोक नारनौरे को जिला कलेक्टर कुमार सत्यम एवं पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। अशोक नारनौरे को यह सम्मान पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान, प्रजनन प्रबंधन, नस्ल सुधार तथा पशुपालकों को समय पर पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने में उनके निरंतर मैदानी प्रयासों के लिए दिया गया। उन्होंने लांजी क्षेत्र के ग्रामीण एवं दूरस्थ इलाकों में पशुपालकों से सतत संपर्क स्थापित कर पशुओं में गर्मी के लक्षणों की पहचान, समय पर कृत्रिम गर्भाधान और बेहतर पशुपालन संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया।

लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन का मिला सम्मान

कृत्रिम गर्भाधान कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अशोक नारनौरे को इससे पहले पशुपालन एवं डेयरी विभाग के प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव द्वारा 5 जून 2026 एवं 28 जुलाई 2026 को भी प्रशंसा-पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। इसके बाद स्वतंत्रता दिवस समारोह में जिला स्तर पर मिला सम्मान उनके निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन, मेहनत और विभागीय दायित्वों के प्रति समर्पण को दर्शाता है। कृत्रिम गर्भाधान पशुधन की नस्ल सुधारने, दुग्ध उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने तथा पशुपालकों की आय में वृद्धि का महत्वपूर्ण माध्यम है। इस दिशा में अशोक नारनौरे द्वारा किए गए मैदानी प्रयासों से क्षेत्र के पशुपालकों को समय पर प्रजनन सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिली।

अन्य विभागीय कार्यों में भी सक्रिय सहभागिता

कृत्रिम गर्भाधान के अलावा अशोक नारनौरे पशु उपचार, टीकाकरण, पशु चिकित्सा शिविर, पशुपालक जागरूकता और अन्य विभागीय गतिविधियों में भी सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। क्षीर धारा ग्राम योजना, दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान सहित विभिन्न विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में भी उन्होंने सहयोग किया। ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालकों को पशु स्वास्थ्य, पोषण, टीकाकरण, प्रजनन एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी देने का कार्य भी किया गया। सम्मान मिलने पर उपसंचालक डॉ. घनश्याम परते, विकासखंड पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रियांश वासनिक, एम.के. आसटकर, सौरभ उइके, 1962 मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई के स्टाफ सहित विकासखंड एवं जिला स्तर के अधिकारी-कर्मचारियों, मैत्री गौसेवकों एवं पशुपालकों ने अशोक नारनौरे को बधाई दी।

लांजी के अन्य अधिकारी-कर्मचारी भी सम्मानित

स्वतंत्रता दिवस समारोह में लांजी क्षेत्र से विभिन्न विभागों के अन्य अधिकारी-कर्मचारियों को भी उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए। इनमें राजस्व विभाग से भूपेंद्र अहिरवार (राजस्व निरीक्षक), जनपद पंचायत से सुनीता तिवारी (पंचायत समन्वय अधिकारी), ग्राम पंचायत आवा से अनिल कामड़े (सचिव), मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद से संतोष नगपुरे (विकासखंड समन्वयक), नगर परिषद लांजी से संतोष भार्गव (लाइनमैन), विनोद तिवारी (सुपरवाइजर) एवं विनोद रहमतकर (राजस्व सहायक), पुलिस थाना लांजी से आरक्षक कमलेश विश्वकर्मा तथा सांदीपनि विद्यालय बोलेगांव के प्राचार्य बी.आर. गुरदे शामिल रहे। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लांजी क्षेत्र के इन अधिकारी-कर्मचारियों को मिला सम्मान उनके दायित्वों के प्रति समर्पण और बेहतर कार्य के लिए प्रोत्साहन के रूप में देखा जा रहा है।

30 दिनों में 30 गांव
देवलगांव में राम नाम के साथ हुआ सेवा और जनजागरण

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में चल रहे 30 दिनों में 30 गांव अभियान के तहत ग्राम देवलगांव के बाजार चौक में अखण्ड श्रीरामचरितमानस पाठ श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। स्थानीय नागरिकों, ग्राम समितियों, अखण्ड श्रीरामचरितमानस पाठ समिति एवं अभिनंदन लाइफ फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में धर्म के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। 16 अगस्त को भव्य नगर भ्रमण के साथ मानस पाठ का शुभारंभ हुआ। बैंड-बाजे और भजनों के साथ निकली यात्रा राधा-कृष्ण मंदिर पहुंची। पूरे गांव में रामभक्ति का माहौल नजर आया।

स्वास्थ्य शिविर में 245 लोगों की जांच

आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 245 लोगों की जांच कर दवाइयां वितरित की गईं। वहीं निःशुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर में 185 लोगों की जांच हुई, जिनमें 40 मरीज ऑपरेशन के लिए चिन्हित किए गए।

योग, शिक्षा और पर्यावरण का संदेश

योग शिक्षक शैलेंद्र बड़ाई ने योगाभ्यास कराकर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। बच्चों को शिक्षा, अनुशासन और संस्कार के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही गांव में 25 पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। महिलाओं ने हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम के माध्यम से परिवार में प्रेम, संस्कार और सद्भाव का संदेश दिया। कार्यक्रम में नशामुक्ति, एकल उपयोग प्लास्टिक मुक्त अभियान और बच्चों के प्रतिभा विकास को लेकर भी जनजागरूकता की गई।

कारंजा में शुरू हुआ मानस पाठ

इसी अभियान के तहत 17 अगस्त को ग्राम कारंजा के हनुमान मंदिर बाजार चौक में अखण्ड श्रीरामचरितमानस पाठ का शुभारंभ हुआ। 18 अगस्त को पाठ की विश्रांति के साथ स्वास्थ्य एवं मोतियाबिंद जांच शिविर, प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान और महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

यूनिवर्सल कम्प्यूटर इंस्टीट्यूट लांजी में शान से लहराया तिरंगा, मेधावी विद्यार्थियों को बांटे डिप्लोमा

पद्मेश न्यूज। लांजी। यूनिवर्सल ज्ञानदीप शिक्षण एवं जन कल्याण समिति लांजी द्वारा संचालित यूनिवर्सल कम्प्यूटर इंस्टीट्यूट के प्रांगण में 15 अगस्त 2026 को देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम में संस्था के कार्यकारी संचालक रमेश आसटकर ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को सलामी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था संचालिका रेखा आसटकर ने की। इस अवसर पर विशेष अतिथि धनीराम सोनवाने, मानकर, डॉ. प्रविण बैस, नंदकिशोर रामटेक्कर, राजू कुशले, अमित हेजिब, सुनील रामटेक्कर, महेंद्र सातपुते सहित यूनिवर्सल ज्ञानदीप समिति के अध्यक्ष नरेश आसटकर, सदस्य संजीव कुमार सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। संस्था के शिक्षक देवेंद्र क्षीरसागर, भानुप्रताप प्रजापति, राजेश गजभिये एवं शिक्षिका श्रुति चौहान की उपस्थिति रही।

विद्यार्थियों को प्रदान किए डिप्लोमा

स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान बड़ी संख्या में वर्तमान एवं पूर्व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल से विभिन्न पाठ्यक्रम पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय से प्राप्त डिप्लोमा अतिथियों द्वारा प्रदान किए गए। इनमें संजना नेवारे, आकांक्षा कोठारे, श्रुति सुधीर चौहान, काजल लिल्हारे तथा विनय पशीने, चंदन यादव, दुर्गेश सिरामे, कार्तिक घोरमारे एवं नयन सिंह राठौर शामिल रहे।

राष्ट्र प्रथम की भावना से कार्य करने का आह्वान

समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. प्रविण बैस ने कहा कि 15 अगस्त 1947 को देश ने लंबे संघर्ष के बाद गुलामी की बेड़ियों को तोड़कर आजादी का नया सवेरा देखा था। स्वतंत्रता दिवस प्रत्येक भारतीय के हृदय में गर्व, उत्साह और देशभक्ति की भावना का संचार करता है। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति और मजबूत भविष्य के लिए प्रत्येक नागरिक को सदैव राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। अंत में संस्था की अध्यक्ष रेखा आसटकर ने सभी अतिथियों, विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। समारोह देशभक्ति और उत्साह के वातावरण में संपन्न हुआ।

सावन के तीसरे सोमवार को भगवान कोटेश्वर महादेव के दर्शन के लिए उमड़ा जनसैलाब, 10 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

आर्यावर्त के 108 उपलिंगों में मिलता है कोटेश्वर का उल्लेख

पद्मेश न्यूज। लांजी। सावन के तीसरे सोमवार को लांजी स्थित प्रसिद्ध कोटेश्वर धाम में भगवान कोटेश्वर नाथ महादेव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। अनुमान के अनुसार 17 अगस्त को 10 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने भगवान कोटेश्वर नाथ महादेव के दर्शन कर शिवलिंग पर जल चढ़ाया और पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि एवं मनोकामना पूर्ति का आशीर्वाद मांगा। सावन मास में कोटेश्वर धाम में विशेष धार्मिक आयोजन भी किए जा रहे हैं। मंदिर परिसर में कोटेश्वर सेवा समिति द्वारा लगातार 32वें वर्ष रामायण पाठ का आयोजन कराया जा रहा है। रामायण पाठ के साथ पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालु भगवान कोटेश्वर के दर्शन के साथ रामायण पाठ में भी शामिल हो रहे हैं। वहीं श्रद्धालुओं की सेवा के लिए सद्भावना मित्र मंडल द्वारा विशाल महाप्रसाद भंडारे का आयोजन किया गया है। बड़ी संख्या में पहुंच रहे भक्त महाप्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। सेवा समिति और स्वयंसेवकों द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पेयजल, प्रसाद एवं अन्य व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं। हर सावन मास में कोटेश्वर धाम में बड़ी संख्या में शिवभक्त भगवान कोटेश्वर शिवलिंग का जलाभिषेक करने पहुंचते हैं। जिले के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ से भी श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। मंदिर के ठीक सामने स्थित धूनी दरबार भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है, जहां भक्त धूनी की राख को प्रसाद स्वरूप ग्रहण करते हैं। बताया जाता है कि कोटेश्वर शिवलिंग का भगवान वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग के उपलिंगों में विशेष स्थान है। धार्मिक मान्यता के अनुसार दिव्य उपलिंगों में 33 करोड़ देवी-देवताओं की शक्तियां निहित हैं, इसलिए इसे कोटिशलिंग के नाम से भी जाना जाता है। प्राचीन लोककथाओं के अनुसार अयोध्या के राजा श्रीराम के पूर्वज महाराज दधीच अपनी धर्मपत्नी सुवर्चा के साथ जीवन के अंतिम समय में यहां साधना के लिए आए थे। मंदिर के प्राचीन इतिहास और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आर्यावर्त के 108 उपलिंगों में कोटेश्वर का उल्लेख मिलता है। प्राचीन काल में यह स्थान तंत्र साधना, योग साधना और तपस्या के प्रमुख केंद्र के रूप में प्रसिद्ध रहा है।

धूनी दरबार रहा ऋषि-मुनियों की तपोभूमि

मंदिर के मुख्य द्वार के ठीक सामने स्थित धूनी दरबार भी अपने आप में धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व रखता है। यहां एक प्राचीन सिद्ध वटवृक्ष भी मौजूद है। मान्यता है कि पूर्वकाल में यह क्षेत्र ऋषि-मुनियों की तपोभूमि और आश्रम रहा होगा तथा धूनी स्थल का उपयोग ऋषियों की यज्ञशाला एवं साधना स्थल के रूप में किया जाता रहा होगा। वर्ष 1995 में इस स्थान की खुदाई एवं पुनर्निर्माण के दौरान धूनी को वर्तमान स्वरूप प्रदान किया गया। आज भी कोटेश्वर नाथ महादेव के दर्शन एवं जलाभिषेक के बाद श्रद्धालु धूनी दरबार पहुंचकर पूजा-अर्चना करते हैं और धूनी की राख को प्रसाद स्वरूप ग्रहण करते हैं। पं. विश्वनाथ तिवारी बताते हैं कि भगवान कोटेश्वर शिवलिंग और धूनी दरबार दोनों के दर्शन करने से श्रद्धालुओं को विशेष आध्यात्मिक कृपा प्राप्त होती है।

चप्पे-चप्पे पर पुलिस प्रशासन, व्यवस्थाओं पर विशेष नजर

सावन सोमवार पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी चप्पे-चप्पे पर मौजूद रहा। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस बल एवं प्रशासनिक अमला तैनात रहा। श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुचारू बनाए रखने, कतार व्यवस्था संभालने तथा किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए पुलिसकर्मी लगातार व्यवस्थाओं में जुटे रहे। धार्मिक आस्था, सेवा और प्रशासनिक व्यवस्थाओं के बीच सावन के तीसरे सोमवार को कोटेश्वर धाम में पूरे दिन हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष गूंजते रहे। बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने भगवान कोटेश्वर नाथ महादेव का जलाभिषेक कर अपनी श्रद्धा अर्पित की।

बाघनदी के उद्गम स्थल चहेली सीतापाला से कांवड़ियों ने जल लाकर किया भोले का अभिषेक

पद्मेश न्यूज। लांजी। श्रावण मास के तीसरे सोमवार को लांजी स्थित प्रसिद्ध कोटेश्वर धाम में आस्था और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। सुबह से ही कोटेश्वर महादेव के दर्शन एवं जलाभिषेक के लिए कांवड़ियों की कतारें लगी रहीं। चारों ओर गूंजते बोल बम के जयकारों से पूरा लांजी शिवमय हो उठा। बोल बम सेवा समिति द्वारा आयोजित कांवड़ यात्रा का तीसरा जत्था 17 अगस्त को सुबह करीब 7 बजे चहेली सीतापाला स्थित बाघनदी के उद्गम स्थल के लिए रवाना हुआ। उद्गम स्थल पहुंचकर कांवड़ यात्रियों ने स्नान किया तथा शिवलिंग की पूजा-अर्चना कर पवित्र जल अपने-अपने जल पात्रों में लेकर संकल्प के साथ 42 किलोमीटर की पदयात्रा शुरू की। कांवड़ियों ने घने एवं कठिन जंगलों से गुजरते हुए कांद्रीघाट, रिसेवाड़ा, बहनवाड़ा, वारी, लोहार, भूरसाडोंगरी और कालीमाटी होते हुए नंगे पैर यात्रा की। शाम करीब 6 बजे कांवड़ यात्री कोटेश्वर धाम पहुंचे, जहां उन्होंने पवित्र जल से भगवान कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक कर पुण्य लाभ अर्जित किया। यात्रा के दौरान कांवड़ियों में खासा उत्साह देखने को मिला। बोल बम रथ के साथ श्रद्धालु नाचते-गाते और जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे। बोल बम सेवा समिति द्वारा यात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर कांवड़ियों के लिए जलपान, विश्राम एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। समिति द्वारा आयोजित कांवड़ यात्रा में इस सोमवार को 1500 से अधिक कांवड़ियों ने चहेली सीतापाला से पवित्र जल लाकर कोटेश्वर महादेव का अभिषेक किया।

बोल बम सेवा समिति गोंदिया ने कांद्रीघाट में लगाया महाभंडारा

कांवड़ यात्रा के दौरान सेवा और समर्पण की मिसाल भी देखने को मिली। बोल बम सेवा समिति गोंदिया द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी तीसरे श्रावण सोमवार को कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित कांद्रीघाट में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। यहां हजारों कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया और इसके बाद अपनी यात्रा आगे जारी रखी। इस दौरान समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे 2000 से अधिक कांवड़िए

तीसरे श्रावण सोमवार को लांजी में कांवड़ियों का खासा हुजूम नजर आया। बोल बम सेवा समिति की यात्रा में शामिल 1500 से अधिक कांवड़ियों के अलावा लांजी, अमेड़ा, बालाघाट, किन्ही, रानककोड़ी, देवगांव, टेडवा, साडरा, गढ़ी, मंगोली, बोलेगांव सहित अनेक क्षेत्रों से 500 से अधिक कांवड़िए अलग-अलग जलस्रोतों से पवित्र जल लेकर कोटेश्वर धाम पहुंचे। इस प्रकार तीसरे सोमवार को लगभग 2000 से अधिक शिवभक्तों ने कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया।

गुप्ता परिवार ने रिसेवाड़ा में 22 वर्षों से जारी रखी सेवा

कांवड़ यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सेवा के लिए रिसेवाड़ा में गुप्ता परिवार द्वारा विगत 22 वर्षों से निरंतर जलपान एवं प्रसाद की व्यवस्था की जा रही है। इस वर्ष भी गुप्ता परिवार ने अपने प्रतिष्ठान के सामने कांवड़ियों के लिए जलपान, प्रसाद एवं पानी की व्यवस्था की। कांवड़ियों के विश्राम के साथ पैरों को पानी से धोने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई, जिससे लंबी पदयात्रा के दौरान उन्हें राहत मिल सके। गुप्ता परिवार द्वारा आयोजित महाप्रसाद में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इसी क्रम में रिसेवाड़ा स्थित सोनवाने ट्रेडर्स के संचालक राधेश्याम सोनवाने एवं उनके परिवार द्वारा भी कांवड़ियों एवं भक्तों के लिए हलवा-पूड़ी के महाप्रसाद का आयोजन किया गया।

चहेली पहुंच मार्ग पर भी श्रद्धालुओं ने बांटा प्रसाद

कांवड़ यात्रा मार्ग के साथ-साथ चहेली सीतापाला पहुंच मार्ग पर भी श्रद्धालुओं द्वारा कांवड़ियों एवं उद्गम स्थल के दर्शन के लिए जाने वाले भक्तों के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई। यहां श्रद्धालुओं ने हलवा-पूड़ी सहित अन्य प्रसाद वितरित कर शिवभक्तों की सेवा की। जगह-जगह सेवा और भक्ति का यह भाव पूरे क्षेत्र को शिवमय बना रहा।

सरस्वती शिशु मंदिर लांजी में हर्षोल्लास से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। सरस्वती शिशु माध्यमिक विद्यालय लांजी में 15 अगस्त को 80वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय परिसर राष्ट्रभक्ति के नारों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से गूंज उठा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय रामटेककर ने ध्वजारोहण किया। इससे पूर्व अतिथियों ने मां भारती, मां सरस्वती, महात्मा गांधी एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर ध्वज पूजन किया। वंदे मातरम्, ध्वज सलामी और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में बारेलाल बडगैया, छबिलाल मरठे, टीडी लिल्हारे, डॉ. राजेश रणदिवे, विकास आसटकर, मनोज किरनापुरे, मनीषा दुग्गड़, प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी, प्रधानाचार्य सदरुलाल बोहने सहित समिति सदस्य, पूर्व छात्र, अभिभावक, आचार्य एवं भैया-बहन उपस्थित रहे। कुमारी मेघा पांचे एवं सहेली ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इसके बाद डाली बिसेन, दिव्यांशी ठाकरे, यशस्वी शाकरे, भूमिका वाकले, त्रिशा सिरामे, साई रामटेक्कर, मानस समरीते, मानसी दहिकर, उपाधि लटारे एवं वेदांशी ढोक सहित विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, नृत्य, वंदे मातरम् और मध्यप्रदेश गान की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर टीडी लिल्हारे ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें अमर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान की याद दिलाता है। देश की एकता, अखंडता और प्रगति में योगदान देना प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश के वीर सपूतों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर हमें आजादी दिलाई। उनकी कुर्बानियों को याद रखते हुए देश की एकता और अखंडता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने अतिथियों, अभिभावकों, आचार्य परिवार एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन त्र्यंबक भगत ने किया। समापन पर सभी विद्यार्थियों को मिष्ठान वितरित किया गया।

सावन के तीसरे सोमवार और नाग पंचमी पर जिला अस्पताल में गूंजा सेवा का भाव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सावन मास के पावन तीसरे सोमवार एवं नाग पंचमी के शुभ अवसर पर सोमवार 17 अगस्त को शहीद भगत सिंह शासकीय जिला चिकित्सालय परिसर में सेवा, श्रद्धा और मानवता का अनूठा संगम देखने को मिला। इस पावन अवसर पर प्राइवेट एंबुलेंस के मालिकों एवं चालकों तथा जननी एक्सप्रेस के चालकों द्वारा सार्वजनिक भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में जिला अस्पताल में उपचाररत मरीजों, उनके परिजनों, अस्पताल के कर्मचारियों सहित अन्य नागरिकों ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया।

धार्मिक पर्व पर सेवा को बनाया माध्यम

सावन का महीना भगवान शिव की आराधना और भक्ति के लिए विशेष माना जाता है। वहीं नाग पंचमी का पर्व भी सनातन परंपरा में श्रद्धा और आस्था का महत्वपूर्ण पर्व है। इसी धार्मिक भावना को सेवा से जोड़ते हुए एंबुलेंस एवं जननी एक्सप्रेस से जुड़े लोगों ने अस्पताल परिसर में भंडारे का आयोजन कर जरूरतमंदों और आम नागरिकों को भोजन कराया।

आयोजकों का मानना है कि धार्मिक पर्व केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं हैं बल्कि इन अवसरों पर जरूरतमंदों की सेवा और लोगों को भोजन कराना भी पुण्य एवं मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसी भावना के साथ आयोजित इस भंडारे में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

करीब एक क्विंटल दाल-पुलाव का बना प्रसाद

सार्वजनिक भंडारे के लिए करीब एक क्विंटल दाल-पुलाव तैयार किया गया था। अस्पताल परिसर में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों के साथ ही अस्पताल के कर्मचारियों तथा अन्य नागरिकों को भी प्रसाद के रूप में भोजन कराया गया। भंडारे के दौरान लोगों में खासा उत्साह दिखाई दिया और श्रद्धालुओं ने इसे सेवा एवं पुण्य का कार्य बताते हुए आयोजन की सराहना की।अस्पताल परिसर में मरीजों और उनके परिजनों के बीच आयोजित इस भंडारे ने यह संदेश भी दिया कि कठिन परिस्थितियों से गुजर रहे लोगों के बीच भोजन और सेवा का छोटा सा प्रयास भी उनके लिए बड़ी राहत बन सकता है।

आयोजकों ने मिलजुल कर की भंडारे की व्यवस्था

ज्ञात हो कि सावन मास के तीसरे सोमवार एवं नाग पंचमी के अवसर पर प्राइवेट एंबुलेंस के मालिकों एवं चालकों तथा जननी एक्सप्रेस के चालकों द्वारा इस वर्ष 17 अगस्त को जिला चिकित्सालय परिसर में सार्वजनिक भंडारा आयोजित किया गया।आयोजन के माध्यम से जहां धार्मिक आस्था को अभिव्यक्ति मिली वहीं नर सेवा ही नारायण सेवा है की भावना भी देखने को मिली। आयोजकों ने मिल-जुलकर भंडारे की व्यवस्था संभाली और अस्पताल आने वाले लोगों को भोजन कराया।

इनका रहा विशेष सहयोग

सार्वजनिक भंडारे को सफल बनाने में विजय सोनी, आशु चौबे, प्रितेश गोंडाने, नरेंद्र हटीले, भरत तिवारी, राजा सोनी, निलेश कनोजे, दुर्गेश पुड़के, नरेंद्र गोंड, पंकज गोयल, पिंकू सोनी, शिव गोखले, अमित झरिया एवं सनी चौबे सहित अन्य सहयोगियों का विशेष योगदान रहा।धार्मिक पर्व के अवसर पर आयोजित इस सेवा कार्य ने अस्पताल परिसर में श्रद्धा और सामाजिक संवेदना का वातावरण बनाया। आयोजकों ने कहा कि पर्व-त्योहारों की सार्थकता तभी है, जब हम अपनी खुशियों को दूसरों के साथ साझा करें और जरूरतमंदों की सेवा में अपना योगदान दें।

ट्रांसफार्मर ऑइल चोरी रोकने वाले निलजी के जागरूक नागरिकों का सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तहसील वारासिवनी के ग्राम निलजी से चंद्रपुरी मार्ग पर ट्रांसफार्मर से ऑइल चोरी की घटना का पता लगाकर विद्युत विभाग को तत्काल सूचना देने वाले ग्राम निलजी के जागरूक नागरिकों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सम्मानित किया गया। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के अधीक्षक अभियंता ने बताया कि वितरण केंद्र लालबर्रा अंतर्गत 25 केव्हीए ट्रांसफार्मर से कुछ लोगों द्वारा ट्रांसफार्मर ऑइल चोरी किया जा रहा था। इसी दौरान ग्राम निलजी के जागरूक नागरिकों ने अपने मोबाइल से घटना का फोटो एवं वीडियो बनाकर चोरों की पहचान की और इसकी जानकारी विद्युत विभाग के अधिकारियों को दी। घटना को गंभीरता से लेते हुए विभाग के उच्च अधिकारियों ने तत्काल संबंधित थाने में ऑइल चोरी के संबंध में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि वारासिवनी विद्युत विभाग के अन्य क्षेत्रों में भी पूर्व में इस तरह की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें विद्युत विभाग को करीब 71 ट्रांसफार्मरों से लगभग 20 लाख रुपये की आर्थिक क्षति हुई है। विभाग द्वारा ऐसी घटनाओं की जानकारी संबंधित थानों के साथ पुलिस अधीक्षक, बालाघाट को भी दी गई है और चोरी की घटनाओं पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। ग्राम निलजी के नागरिकों द्वारा समय रहते ट्रांसफार्मर ऑइल चोरी की सूचना दिए जाने से विद्युत विभाग को संभावित आर्थिक नुकसान से बचाया गया। साथ ही ट्रांसफार्मर को नुकसान होने से क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका भी टल गई। जागरूक नागरिकों के इस सराहनीय कार्य के लिए श्री इस्माइल खान (मुन्ना पटेल), श्री दीपक बुरलें एवं श्री संतोष छिपेश्वर को मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, संचा./संधा. संभाग वारासिवनी द्वारा 15 अगस्त 2026 को स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के दौरान स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्युत विभाग ने अन्य नागरिकों से भी अपील की है कि तार चोरी, ट्रांसफार्मर ऑइल चोरी अथवा विद्युत उपकरणों से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल विभाग एवं पुलिस को दें, ताकि ऐसी घटनाओं पर समय रहते रोक लगाई जा सके।

नगरवाड़ा में निकली 'नवांकुर सखी हरियाली यात्रा'

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड बालाघाट के सेक्टर क्रमांक-05 चांगोटोला के अंतर्गत ग्राम नगरवाड़ा में 14 अगस्त को सेक्टर स्तरीय 'नवांकुर सखी हरियाली यात्रा' का आयोजन किया गया। जिला समन्वयक महेश पटले के निर्देशन एवं ब्लॉक समन्वयक श्रीमती बैजंती कटरे के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों और नवांकुर सखियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कलश पूजन के साथ हुआ यात्रा का शुभारंभ

हरियाली यात्रा का शुभारंभ ग्राम नगरवाड़ा स्थित श्री हनुमान मंदिर में विधि-विधान से कलश पूजन एवं पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके बाद 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुये जन-जागरूकता रैली निकाली गई। 'पौधे लगाओ, जीवन बचाओ' जैसे नारों के साथ यात्रा ग्राम पंचायत भवन पहुंची।

पौधे भेंट कर किया अतिथियों का स्वागत

पंचायत भवन में मां सरस्वती के पूजन एवं वंदन के साथ मुख्य कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इस दौरान उपस्थित अतिथियों का स्वागत पौधे भेंट कर किया गया। कार्यक्रम में नवांकुर सखियों को भी पौधों का वितरण किया गया तथा उन्हें पौधरोपण एवं पौधों की देखभाल के लिए प्रेरित किया गया।

पर्यावरण और जल संरक्षण का लिया संकल्प

कार्यक्रम में उपस्थित जनपद सदस्य दीपचंद ठाकरे ने ग्रामीणों को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन एवं अधिक से अधिक पौधरोपण की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए सभी से पर्यावरण बचाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। ग्राम नगरवाड़ा की सरपंच श्रीमती अर्चना राहंगडाले ने हरियाली अमावस्या की शुभकामनाएं देते हुए प्रत्येक नागरिक से कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि पौधरोपण केवल प्रकृति संरक्षण ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की जिम्मेदारी भी है।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम में नवांकुर संस्था लामता की अध्यक्ष इंद्राणी वरकड़े, परामर्शदाता रूपचंद बोरीकर, प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष-सचिव, नवांकुर सखियां सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का सामूहिक संदेश दिया गया।

जिला तेली साहू समाज महिला प्रकोष्ठ का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सावन की हरियाली और उमंग के बीच जिला तेली साहू समाज महिला प्रकोष्ठ द्वारा हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में समाज की महिलाओं ने बढ़-चढकर सहभागिता निभाई और विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से तीज पर्व की खुशियां साझा कीं।कार्यक्रम की शुरुआत तीज पर्व की शुभकामनाओं और उत्साहपूर्ण माहौल के साथ हुई। इस दौरान महिला प्रकोष्ठ की ओर से विभिन्न मनोरंजक एवं आकर्षक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पारंपरिक झूले का आनंद लेते हुए महिलाओं ने सावन की खुशियों को यादगार बनाया।कार्यक्रम के दौरान महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। पारंपरिक परिधान और सावन के रंगों से सजे आयोजन में आपसी मेल-जोल, सौहार्द और मनोरंजन का माहौल बना रहा। कार्यक्रम के समापन पर सभी महिलाओं ने सामूहिक रूप से स्वल्पाहार का आनंद लिया।हरियाली तीज महोत्सव ने समाज की महिलाओं को एक-दूसरे से जुडने, आपसी भाईचारा एवं सौहार्द बढ़ाने के साथ अपनी संस्कृति और परंपराओं को जीवंत रखने का सुंदर अवसर प्रदान किया।जिला तेली साहू समाज महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष दीपा (ज्ञानेश्वरी) भोंगाड़े सहित सभी पदाधिकारियों ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग एवं सहभागिता करने वाली समाज की सभी महिलाओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

कोटेश्वर धाम परिसर में हुआ विशाल भंडारा एवं महाप्रसाद का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में अग्रणी सद्भावना मित्र मंडल एवं मां कालीघाट जनकल्याण समिति लांजी द्वारा श्रावण मास के तृतीय सोमवार को कोटेश्वर धाम परिसर में विशाल भंडारा एवं महाप्रसाद का आयोजन किया गया। समिति द्वारा पिछले 35 वर्षों से चली आ रही इस सेवा परंपरा के तहत 17 अगस्त 2026 को 36वें वर्ष भी श्रद्धा और उत्साह के साथ महाप्रसाद का आयोजन किया गया। महाप्रसाद का शुभारंभ समिति के सचिव एवं लांजी-किरनापुर क्षेत्र के विधायक राजकुमार कर्राहे तथा समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों द्वारा भगवान कोटेश्वर महादेव को अन्न का भोग लगाकर किया गया। इसके पश्चात समिति के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों द्वारा नगर के विभिन्न मंदिरों में भी अन्न का भोग अर्पित किया गया। भगवान को भोग लगाने के बाद कोटेश्वर महादेव के दर्शन एवं जलाभिषेक के लिए पहुंचे कांवडियों और श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। महाप्रसाद वितरण के दौरान समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं सेवाधारी पूरे समय व्यवस्था में जुटे रहे। इस अवसर पर समिति संरक्षक गिरधारी लाल अग्रवाल, सद्भावना मित्र मंडल अध्यक्ष युगेश रामटेक्कर, विधायक राजकुमार कर्राहे, नितिन पशीने, मधुकर आसटकर, रुपचंद रामटेक्कर, सचिन अग्रवाल, कैलाशपुरी गोस्वामी, देवानंद कुर्वे, राजा महिमेहरो, सतीश दुरुगकर, राजू मोहारे, विशाल दुग्गड़, बबलू शिवालिया, हुकुमचंद जुझार, योगेंद्र बबली मिश्रा, डॉ. राजेश रणदिवे, सौरभ मोनू पशीने, अमित आसटकर, सुधीर चौहान, अंकित अग्रवाल, मुकेश देवगड़े, गजानन बड़घैया, अंकित शर्मा, रोशन आसटकर, संतोष भार्गव, कमलेश बड़गैया, टेकचंद बिहोने, डॉ. देवेश ऐड़े, ओमप्रकाश आसटकर, लक्ष्मण किरनापुरे, राजेंद्र मुरकुटे, अरूणेन्द्र दुरूगकर सहित अनेक सेवाधारियों ने श्रद्धालुओं को प्रसाद परोसकर सेवा की। महाप्रसाद में लांजी क्षेत्र के साथ-साथ दूर-दराज एवं पड़ोसी राज्यों से कोटेश्वर धाम पहुंचे दर्शनार्थियों और भक्तों ने भी प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन के दौरान श्रद्धा, सेवा और सामाजिक एकजुटता का वातावरण देखने को मिला।

पीएम श्री कन्या विद्यालय में गरिमामय ढंग से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य पी.के. भीमटे द्वारा भारत माता एवं महापुरुषों के छायाचित्र पर माल्यार्पण से हुई। इसके बाद शिक्षक-शिक्षिकाओं ने वीर सपूतों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। छात्राओं एवं शिक्षकों द्वारा राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया। सुबह 7:30 बजे प्राचार्य पी.के. भीमटे ने ध्वजारोहण किया, जिसके बाद राष्ट्रगान हुआ।

मेधावी छात्राओं का सम्मान

सत्र 2025-26 में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में अंग्रेजी विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली निधि ढोक, संध्या घोरमारे एवं प्रांशु सातपुते को शिक्षक बसंत रामटेके ने सम्मानित किया। वहीं कक्षा 10वीं में हिंदी विषय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं का शिक्षक सरस्वती बिल्हारे ने सम्मान किया।

बैंड की धुन पर निकली तिरंगा रैली

कार्यक्रम के बाद विद्यालय से बैंड-बाजे के साथ भव्य तिरंगा रैली निकाली गई, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए सुभाष चौक बस स्टैंड पहुंची। यहां विधायक राजकुमार कर्राहे ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद रैली रानी अवंती बाई स्टेडियम पहुंची, जहां मुख्य समारोह में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन उच्च माध्यमिक शिक्षक बसंत रामटेके ने किया। आयोजन में विद्यालय के समस्त स्टाफ की उपस्थिति रही और पूरा परिसर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया।

सांसद भारती पारधी ने बीमारी से प्रभावित ग्रामों का किया भ्रमण, मरीजों से जाना हाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी ने 17 अगस्त को बिरसा विकासखंड के बीमारी से प्रभावित ग्राम कुंडेकसा, बोंदारी एवं कोरका का भ्रमण कर वहां की स्वास्थ्य स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली और मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही उपचार सुविधाओं का निरीक्षण किया। सांसद श्रीमती पारधी ने ग्राम कुंडेकसा में बनाए गए अस्थायी अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां उपचार कर रहे चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों से चर्चा कर मरीजों की स्थिति और उन्हें दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से भी मुलाकात कर उनका हालचाल जाना तथा उपचार की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की। सांसद श्रीमती पारधी ने मरीजों एवं उनके परिजनों से चर्चा करते हुए उन्हें आश्वस्त किया कि बीमारी से प्रभावित लोगों के उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं के लिए हरसंभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की टीम से भी मरीजों की नियमित निगरानी और बेहतर उपचार व्यवस्था बनाए रखने पर चर्चा की। क्षेत्र के भ्रमण के दौरान सांसद ने बिठली एवं सोनगुड्डा के स्वास्थ्य केंद्रों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने दोनों स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, व्यवस्थाओं तथा मरीजों को दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों में पदस्थ स्वास्थ्यकर्मियों से क्षेत्र में बीमारी की स्थिति और मरीजों के उपचार के संबंध में भी चर्चा की। सोनगुड्डा स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ एएनएम आशा मरावी के सेवाभाव और कर्तव्यनिष्ठा ने सांसद श्रीमती भारती पारधी को विशेष रूप से प्रभावित किया। बताया गया कि आशा मरावी के पति का जुलाई माह के अंतिम दिनों में निधन हो गया था। इसके बावजूद उन्होंने अपने व्यक्तिगत दुख के बीच कर्तव्य से पीछे न हटते हुए पूरी मुस्तैदी से स्वास्थ्य केंद्र में अपनी सेवाएं जारी रखीं और मरीजों के उपचार में जुटी रहीं। सांसद श्रीमती पारधी ने एएनएम आशा मरावी के समर्पण और जज्बे की सराहना की। उन्होंने कहा कि कठिन व्यक्तिगत परिस्थितियों के बावजूद मरीजों की सेवा में जुटे रहना उनकी कर्तव्यनिष्ठा और सेवा भावना को दर्शाता है। प्रभावित क्षेत्र में स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा लगातार दी जा रही सेवाओं को उन्होंने महत्वपूर्ण बताया और मरीजों के उपचार में जुटे चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया। सांसद के इस भ्रमण के दौरान प्रभावित ग्रामों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति, मरीजों के उपचार तथा स्वास्थ्य केंद्रों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। उन्होंने क्षेत्र के लोगों को भरोसा दिलाया कि बीमारी से प्रभावित ग्रामीणों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को लेकर हरसंभव सहयोग किया जाएगा।

पाँच दिवसीय नवांकुर सखी हरियाली यात्रा सम्पन्न हुई

पद्मेश न्यूज। उकवा । मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, योजना, आर्थिक एवं सांख्यकीय विभाग मध्यप्रदेश शासन विकास खण्ड बैहर की पांच दिवसीय नवांकुर सखी हरियाली का समापन सेक्टर 4 ग ?ी में किया गया मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद भोपाल के कार्यपालक निदेशक डॉक्टर बकुल ला ? जी के निर्देशानुसार संपूर्ण प्रदेश के साथ साथ बालाघाट जिले के विकास खण्ड बैहर के पाँच सेक्टर में पांच सौ दस जागरूक महिलाओं का ऑन लाइन पंजीयन नवांकुर सखियों के रूप में नवांकुर संस्थाओं, प ् स फ ु ट न समितियों, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के मेंटर्स और छात्रों के माध्यम से किया गया नवांकुर संस्थाओं के द्वारा नवांकुर सखियों को थैली और बीज उपलब्ध करवाकर छोटी छोटी पौधशाला तैयार कराई गई बारह अगस्त हरियाली अमावस्या से सौलह अगस्त तक सेक्टर बार नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का आयोजन कर पौधारोपण, पौधे वितरण, जन जागरूकता रैली, चौपाल कार्यक्रम के साथ कलश यात्रा आदि के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और हरियाली महोत्सव के तहत एक पे ? माँ के नाम अभियान चलाया गया विकास खण्ड बैहर अंतर्गत लगभग दो हजार पौधों का रोपण कराकर संरक्षण का संकल्प दिलाया गया है आज नवांकुर सखी यात्रा का समापन ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति रामहेपुर के नेतृत्व में और जिला समन्वयक महेश पटले के मार्गदर्शन में पंचायत में पौधारोपण कर किया गया नवांकुर सखी हरियाली यात्राओं में श्री मति मंजुलता चौधरी अमित पाटिल राजेन्द्र बिसेन राजीव परते कुन्दन मेरावी सुरेश यादव शिवनाथ यादव संगीता उइके आकांक्षा तेकाम भंवर सिंह मेरावी संदीप गजभिये सहित अनेक लोगों की सहभागिता हुई हैं

भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका को 284 रनों पर समेटा

गाले । भारतीय क्रिकेट टीम ने मेजबान श्रीलंका के खिलाफ यहां जारी पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में अपना शिकंजा कस दिया है। मैच के तीसरे दिन भारतीय टीम ने 178 रन की अच्छी खासी बढ़त हासिल कर ली। आज तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक भारतीय गेंदबाजों ने मेजबान टीम को पहली पारी में 284 रनों पर ही समेट दिया। इससे पहले भारतीय टीम ने देवदत्त पड़िकल के 167 रनों की सहायता से अपनी पहली पारी में 462 रन बनाये थे। वहीं भारतीय टीम के बाद श्रीलंकाई टीम की पारी की शुरुआत बेहद खराब रही। पहली ही गेंद पर निशान फर्नांडो खाता खोले बिना ही आउट हो गये। उस समय तक श्रीलंका का खाता भी नहीं खुला था। टीम ने लंच तक ही अपने पांच विकेट 99 रनों पर खो दिये थे। इसके बाद, सोनल दिनुशा ने निरोशन डिकवेला के साथ छठे विकेट के लिए 146 रन की साझेदारी कर टीम का सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। निरोशन ने 115 गेंदों में 7 चौकों के साथ 80 रन बनाये जबकि सोनल ने 6 100 रन बनाये। इनके अलावा अन्य बल्लेबाज विफल रहे।

भारत की ओर से मानव सुथार ने 21.4 ओवरों में 76 रन देकर 4 विकेट हासिल किए, जबकि रवींद्र जडेजा ने 3 विकेट लिए। इनके अलावा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप यादव ने 1-1 विकेट लिया।

इससे पहले आज सुबह भारतीय टीम ने तीसरे दिन की शुरुआत 460 रन पर 9 विकेट के स्कोर से की थी। असिथा फर्नांडो ने पहले ही ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा को 2 रन पर ही पेवेलियन भेजे दिया। भारतीय टीम की ओर से देवदत्त पडिक्कल ने सबसे अधिक 167 रन बनाये। पारी रही। नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए पडिक्कल ने श्रीलंका में स्थान पर खेलते हुए भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाने का रिकार्ड अपने नाम किया है। उन्होंने इसी के साथ ही साल 2017 में चेतेश्वर पुजारा द्वारा बनाए गए 153 रन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। पडिक्कल के अलावा, केएल राहुल ने 82 रन और विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने 51 रन की महत्वपूर्ण अर्धशतकीय पारियां खेलीं।

श्रीलंका की आधी टीम लंच तक पेवेलियन लौटी

गॉल। श्रीलंका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन भारतीय क्रिकेट टीम अपनी पहली पारी में 462 रनों पर आउट हो गयी। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए मेजबान श्रीलंकाई टीम ने लंच के समय तक ही 99 रनों पर ही पांच विकेट खो दिये। लंच के समय सोनम दिनुशा 14 और निरोशन डिकवेला 8 रन बनाकर खेल रहे थे। श्रीलंकाई पारी की शुरुआत बेहद खराब रही। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की गेंद पर सलामी बल्लेबाज निशान मदुष्का एक भी रन बनाये बिना ही आउट हो गये। इसके बाद स्पिनर मानव सुथार ने दो महत्वपूर्ण विकेट लिए, जबकि मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा ने एक-एक विकेट लेकर मेजबानों की आधी टीम पेवेलियन भेज दी। मेजबान टीम का एक भी बल्लेबज मैदान पर टिक नहीं पाया।

इससे अब इस मैच में भारतीय टीम ने अपना शिकंजा कस दिया है। भारत ने तीसरे दिन की शुरुआत 460 रन पर 9 विकेट के स्कोर से की थी। तीसरे दिन, असिथा फर्नांडो ने पहले ही ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा को 2 रन पर ही पेवेलियन भेजे दिया। भारतीय टीम की ओर से देवदत्त पडिक्कल ने सबसे अधिक 167 रन बनाये। पारी रही। नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए पडिक्कल ने श्रीलंका में स्थान पर खेलते हुए भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाने का रिकार्ड अपने नाम किया है। उन्होंने इसी के साथ ही साल 2017 में चेतेश्वर पुजारा द्वारा बनाए गए 153 रन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। पडिक्कल के अलावा, केएल राहुल ने 82 रन और विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने 51 रन की महत्वपूर्ण अर्धशतकीय पारियां खेलीं।

एफआईएच हॉकी विश्व में आज दक्षिण अफीका के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

एमस्टेलवीन। भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच हॉकी विश्व कप में मंगलवार को अपने दूसरे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका से खेलेगी। पूल डी मैच में होने वाले इस मैच में भारतीय टीम क लक्ष्य हर हाल में जीत दर्ज करना होगा। अपने पहले के मैच में भारतीय टीम का मुकाबला चीन के खिलाफ 2-2 से बराबरी पर रहा था। भारतीय टीम को टूर्नामेंट में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए इस मैच में जीत से अंक मिल जाएंगे। विश्व कप में भारतीय टीम का प्रदर्शन चीन के खिलाफ अच्छा रहा था जिससे वह प्रेरित रहेगी। चीन के खिलाफ भारतीय टीम ने दो बार बढ़त बनाई। हालांकि, चीन ने भी दो बार वापसी करते हुए स्कोर बराबर किया। भारतीय रक्षापंक्ति ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका की टीम अपने पहले मैच में इंग्लैंड से 4-0 से हारने के कारण दबाव में रहेगी। इंग्लैंड अभी पूल में सबसे आगे है, जबकि भारत और चीन पहले दिन ड्रॉ खेलने के बाद दूसरे स्थान पर हैं। टूर्नामेंट के पहले चरण से हर पूल की शीर्ष दो टीमें आगे बढ़ेंगी और सेमीफाइनल की दौड़ में बनी रहेंगी, इसलिए हर अंक महत्वपूर्ण रहेगा। भारतीय टीम की मुख्य कोच जेनेके शूपमैन ने कहा, हम इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे हैं कि कौन किसके खिलाफ जीत रहा है। हमारे लिए खुद पर और अपनी खूबियों पर ध्यान देना सबसे जरूरी है। चीन के खिलाफ प्रदर्शन पर उन्होंने कहा, हमने मौके बनाए, यह बहुत सकारात्मक बात थी। मुझे लगता है कि डिफेंस के मामले में हम बहुत मजबूत थे। हमें डबल टर्नओवर पर काम करने की जरूरत है। बॉल जीतना और बॉल को अपने पास रखना। यह ऐसी चीज़ है जिसे हम बेहतर कर सकते हैं। शूपमैन ने अपनी टीम को सतर्क भी किया, अब हमारा सामना दक्षिण अफ्रीका से है और मैंने लड़कियों से कहा है कि वे चीजों को हल्के में न लें। दक्षिण अफ्रीका भी एक अच्छी टीम है। इसलिए हमें उसके लिए तैयार रहना होगा।

क्लासेन अब फ्रेंचाइजी क्रिकेट पर ध्यान दे रहे

डर्बन । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व आक्रामक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने कहा है कि वह अब संन्यास के बाद फ्रेंचाइजी क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे। क्लासेन ने स्पष्ट किया है कि अब उनका एकमात्र लक्ष्य दुनिया भर की विभिन्न लीगों में जिन टीमों के लिए वे खेलते हैं, उनके साथ ट्रॉफी जीतना है।

गौरतब है कि इस समय क्लासेन द हंड्रेड टूर्नामेंट में मैनचेस्टर सुपर जायंट्स का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। हाल ही के आईपीएल सत्र में क्लासेन ने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने 15 पारियों में कुल 624 रन बनाए और टीम के प्रमुख स्कोरर में से एक रहे। द हंड्रेड में भी उनकी शुरुआत बेहतरीन रही थी, लेकिन टूर्नामेंट के बीच के चरण में उनका प्रदर्शन थोड़ा शांत रहा, हालांकि उन्होंने महत्वपूर्ण मौकों पर रन बनाना जारी रखा। क्लासेन ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया है, जिसके बाद वे फ्रेंचाइजी क्रिकेट में लगातार सक्रिय हैं। आईपीएल और द हंड्रेड के अलावा, वे एएस ए 20 में डरबन सुपर जायंट्स के लिए खेलते हैं। आईएलटी20 में गल्फ जायंट्स के साथ पदार्पण करने वाले हैं और पहली यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग में रॉटरडैम डॉकर्स का भी हिस्सा होंगे। दुनिया भर की अलग-अलग लीगों में खेलने और खुद को प्रबंधित करने के बारे में क्लासेन ने बताया, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने से मुझे इन प्रतियोगिताओं के बीच ब्रेक लेने की आजादी मिली है। इनमें से ज्यादातर प्रतियोगिताओं के बीच मुझे करीब एक महीने, डेढ़ महीने या दो महीने का समय मिल जाता है। उन्होंने आगे कहा कि इससे उन्हें खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से रीसेट करने, उन पहलुओं को समझने जिन पर काम करने की जरूरत है, और अगले टूर्नामेंट के लिए अपने शरीर को पूरी तरह से तैयार करने का पर्याप्त समय मिल जाता है।

टी20 के कारण टेस्ट में देखने नहीं मिल रही लंबी पारियां - हरभजन

मुम्बई। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि टी20 मुकाबले अधिक होने से खिलाड़ियों को आक्रामक अंदाज में खेलने की आदत हो गयी है। इससे खिलाड़ियों में धैर्य की कमी हो जाती है और इसी कारण अब टेस्ट में लंबी पारियां देखने को नहीं मिल रही हैं। भज्जी के नाम से लोकप्रिय हरभजन ने कहा कि इसी कारण टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाजी शैली भी प्रभावित हुई है। एक साक्षात्कार में, हरभजन ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी के बल्लेबाजों में पहले जैसा संयम नहीं है। उन्होंने कहा, अब बहुत कम बल्लेबाज ऐसे हैं जो टिककर खेल सकें और एक पारी में 250 या 300 रन बना सकें क्योंकि अगर आप ज्यादा तेज शॉट खेलेंगे तो आउट होने का खतरा हमेशा रहेगा। उन्होंने टेस्ट में तिहरे शतकों के का होने पर यही कारण बताया है जबकि ब्रायन लारा, वीरेंद्र सहवाग, क्रिस गेल और मैथ्यू हेडन जैसे पिछली पीढ़ी के खिलाड़ियों ने कई लंगी पारियां खेली थीं। लारा के 400 रन के रिकॉर्ड का भी उन्होंने जिक्र किया, साथ ही एबी डिविलियर्स और जाक कैलिस की बड़े दोहरे शतक बनाने की क्षमता को भी याद किया।

अपने खेल के दिनों को याद करते हुए हरभजन ने बताया कि कैसे शुरुआत में खेल की गति धीमी थी, हालांकि वह उस समय के अनुरूप थी। उन्होंने कहा कि 2000 के दशक की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ही एकमात्र ऐसी टीम थी जो टेस्ट में तेजी से रन बनाकर अपने समय से आगे थी। जहां अन्य टीमें एक दिन में लगभग 250 रन बनाती थीं, वहीं ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य हर बार एक दिन में 350 रन बनाना होता था। इस आक्रामक बदलाव ने गेंदबाजों, विशेषकर स्पिनरों को भी अपनी रणनीतियों को बदलने पर मजबूर किया।

हरभजन के अनुसार, स्पिनरों को अब लगातार आक्रामक होती बल्लेबाजी के अनुरूप अपने को ढालना पड़ा है। उन्हें अलग योजना और मानसिकता के साथ आना होगा, जिसमें लगातार डॉट गेंदें डालकर दबाव बनाना और बल्लेबाजों को अपने पसंदीदा शॉट खेलने से रोकने की कोशिश करना शामिल है।

उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बढ़ते प्रभाव पर भी प्रकाश डाला, उनका मानना है कि इसने युवा क्रिकेटरों के प्रोत्साहन के स्वरूप को बदल दिया है। हरभजन ने कहा कि आईपीएल एक बहुत बड़ा मंच है जो खिलाड़ी को पहचान के साथ-साथ बड़ी रकम भी दिलाता है, जिससे रातोंरात स्टार बनने और जल्द ही भारत के लिए खेलने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा, पहले के समय में लोग भारत के लिए खेलने के लिए 10 साल तक भी मेहनत करते थे, लेकिन अब तीन प्रारूप होने के कारण भारत के लिए खेलने के ज्यादा अवसर हैं, जिससे लाल गेंद के क्रिकेट से ध्यान थोड़ा सफेद गेंद की ओर खिसका है।

दो अक्टूबर से शुरु हो सकता है 2027 एकदिवसीय विश्वकप -रिपोर्ट

जोहांसबर्ग। 2027 एकदिवसीय विश्वकप टूर्नामेंट 2 अक्टूबर से शुरु होने की संभावना है। इस टूर्नामेंट का आयोजन दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया संयुक्त रुप से कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार विश्वकप 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर शुरु हो सकता है। अंतर्राष्टीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने हालांकि अभी तक इस बार में कोई बयान नहीं दिया है पर माना जा रहा है कि महात्मा गांधी का दक्षिण अफ्रीका से गहरा नाता रहा है, उन्होंने अपने जीवन के 21 साल यहां बिताए थे। ऐसे में इस खास तारीख से टूर्नामेंट को शुरु कर आईसीसी उनके शांति और अहिंसा के वैश्विक संदेश को सम्मान दे सकता है। इस बड़े क्रिकेट टूर्नामेंट को गांधी जयंती से जोड़ना एक प्रतीकात्मक कदम माना जा रहा है। वहीं पहले विश्वकप का उद्घाटन 8 अक्टूबर को प्रस्तावित था और अभ्यास मैच अक्टूबर के पहले सप्ताह में होने थे पर अब नई योजना के तहत, अभ्यास मुकाबलों को सितंबर के अंतिम सप्ताह में आयोजित किया जा सकता है, जिससे मुख्य टूर्नामेंट 2 अक्टूबर से शुरू हो सके और इस महत्वपूर्ण तारीख को समायोजित किया जा सके। तकरीबन 50 दिनों तक चलने वाले इस लंबे टूर्नामेंट में कुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, इसका फाइनल 21 नवंबर 2027 को खेले जाने की संभावना है। इस टूर्नामेंट में दुनिया भर की शीर्ष क्रिकेट टीमों को खिताब के लिए मुकाबला करते देखा जा सकता है।

टूर्नामेंट के लिए दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया के कुल 12 शहरों को मेजबानी के लिए चुना गया है। दक्षिण अफ्रीका में जोहान्सबर्ग का वांडरर्स, सेंचुरियन, केपटाउन का न्यूलैंड्स, डरबन का किंग्समीड, गक्बेरहा का सेंट जॉर्ज पार्क, ब्लोमफोंटेन का मंगाउंग ओवल, पार्ल का बोलैंड पार्क और बफेलो पार्क जैसे प्रमुख स्टेडियम मुकाबले आयोजित करेंगे। जिम्बाब्वे में हरारे स्पोर्ट्स क्लब, बुलावायो का क्वींस स्पोर्ट्स क्लब और विक्टोरिया फॉल्स का मोसी-ओआ-तुन्या स्टेडियम मैचों की मेजबानी करेगा। वहीं, नामीबिया की राजधानी विंडहोक का राष्ट्रीय क्रिकेट मैदान भी इस वैश्विक आयोजन का हिस्सा होगा।

विश्वकप एक नए और रोमांचक प्रारूप के साथ खेला जाएगा। इसकी शुरुआत तीन टीमों की सुपर सीरीज से होगी, जिसमें से एक टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। इसके बाद, शेष 12 टीमों को दो समूहों में बांटा जाएगा, हर समूह में छह टीमें होंगी। ग्रुप चरण के बाद, टीमें सुपर सेवन चरण में आगे बढ़ेंगी, जो सेमीफाइनल और फिर फाइनल तक का रास्ता तय करेगा। इस तरह, खिताब जीतने के लिए टीमों को कई चुनौतीपूर्ण चरणों से गुजरना होगा।

अब तक 10 टीमों ने विश्वकप 2027 के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। इनमें मेजबान दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के अलावा भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान शामिल हैं। शेष चार स्थानों का निर्धारण अगले साल होने वाले 10 टीमों के क्वालीफाइंग टूर्नामेंट से होगा, जिसमें नामीबिया, वेस्टइंडीज और आयरलैंड जैसी टीमें भी विश्व कप में अपनी जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।

पाक हॉकी कप्तान अबू बकर को भारत के खिलाफ जीत का भरोसा

बोले रैंकिंग नहीं मैच के दिन का प्रदर्शन होत है अहम

लाहौर । पाकिस्तान हॉकी टीम के कप्तान अबू बकर महमूद ने कहा है कि रैंकिंग से बड़े मुकाबलों पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ता है। पाक हॉकी कप्तान के अनुसार एफआईएच विश्व कप में उनकी टीम भारत पर जीत दर्ज करने में सफल रहेगी। बकर ने हालांकि माना है कि एक दशक से उनकी टीम भारत से नहीं जीती है पर इस बार उनकी टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है और वह जीत के सभी प्रयास करेगी। भारत और पाक क मुकाबला 19 अगस्त को खेला जाएगा। इस मुकाबले से पहले अभ्यास में लगी पाक टीम के कप्तान के अनुसार मैच में शीर्ष रैंकिंग का भी कोई प्रभाव नहीं पड़ता केवल उस दिन टीम कैसे खेलती है यहीं महत्वपूर्ण होता है। भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में वेल्स को 3-1 से हराया था, जबकि पाकिस्तान को इंग्लैंड के हाथों 1-4 से हार का सामना करना पड़ा।

वहीं महमूद ने मान है कि भारतीय टीम रैंकिंग में उससे ऊपर है पर कहा कि मुकाबले में इन आंकड़ों की जगह पर मैच के दिन जो टीम अच्छा खेलेगी वही जीतेगी। गौरतलब है कि पाक ने अंतिम बार जून 2016 में लंदन में चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम को 4-3 से हराया था। वहीं हाल ही में, एफआईएच प्रो लीग में भारत ने पाकिस्तान को 4-3 और 7-1 से हराया था जिससे भारत का पलड़ा इस बार भी भारी नजर आता है।

प्रो लीग में पाक टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कप्तानी संभालने वाले अबू ने भारतीय टीम की लगातार दो ओलंपिक पदक जीतने की उपलब्धि की सराहना की और उन्हें विश्व कप के लिए शुभकामनाएँ दीं है।, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि उनकी टीम भी इस बार पूरी तैयारी से आई है। पाक कप्तान ने कहा कि प्रो लीग में उनका लक्ष्य खिताब जीतना नहीं, बल्कि शीर्ष टीमों से सीखना था, जिसका प्रभाव अब विश्व कप में दिखेगा।

मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने पहली बार जीता द हंड्रेड खिताब जीता

लंदन । टिम सीफर्ट की आतिशी पारी और लियाम डॉसन के छक्के से मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने एक रोमांचक मुकाबले में ट्रेंट रॉकेट्स को 5 विकेट से हराकर पहली बार 'द हंड्रेड' क्रिकेट टूर्नामेंट के पुरुष वर्ग का खिताब जीता है। इससे पहले वह दो बार फाइनल में पहुंचे थे पर तब खिताब नहीं जीत पाये थे।

मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने जीत के लिए मिले 158 रनों के लक्ष्य को अंतिम ओवर में डॉसन के छक्के से हासिल किया। सुपर जायंट्स ने 19.3 गेंदों में 5 विकेट के नुकसान पर 162 रन बनाए। सीफर्ट ने 7 छक्के और 4 चौके लगाकर 72 रनों की पारी खेली। वहीं डॉसन ने छक्का लगाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

इस मैच में सीफर्ट ने केवल 23 गेंदों में ही अर्धशतक लगाकर पॉल वॉल्टर के साथ टीम को अच्छी शुरुआत दी। वहीं कप्तान जोस बटलर ने भी 14 गेंदों में तीन छक्के लगाकर 23 रन बनाये।

मैनचेस्टर को 23 गेंद इतने ही रनों की जरुरत थी। ऐसे में ट्रेंट रॉकेट्स के गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने लगातार गेंदों पर हेनरिक क्लासेन और माइकल ब्रेसवेल को आउट कर मैनचेस्टर को मुश्किल में डाल दिया। अंतिम तीन गेंदों पर मैनचेस्टर को जीत के लिए तीन रन चाहिए थे। तब बेन सैंडरसन की दो गेंदों पर रन बनने में मैनचेस्टर के बल्लेबाज विफल रहे। ऐसे में डॉसन ने तीसरी गेंद पर छक्का लगाकर मैच अपनी टीम को जिता दिया। वहीं इससे पहले, ट्रेंट रॉकेट्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 100 गेंदों में 8 विकेट पर 158 रन बनाए थे। एनेरिन डोनाल्ड ने 19 गेंदों में 38 रन की पारी खेली, जबकि लुईस ग्रेगरी ने 16 गेंदों में 32 रन और मिचेल सैंटनर ने नाबाद 20 रन बनये। वहीं मैनचेस्टर की ओर से नूर अहमद सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 33 रन देकर 3 विकेट लिए, वहीं सोननी बेकर ने 34 रन देकर 2 विकेट लिए।

यह जीत मैनचेस्टर की टीम के लिए एक विशेष उपलब्धि है, क्योंकि उन्होंने इस सीजन से ही फ्रेंचाइजी का नाम बदलकर मैनचेस्टर सुपर जायंट्स किया था जिसके बाद उनकी किस्मत बदल गयी। ट्रेंट रॉकेट्स की पुरुष टीम जहां खिताब

दिग्वेश राठी दिल्ली प्रीमियर लीग में विवादित नोटबुक सेलिब्रेशन करते दिखे

आईपीएल में मिली सजा से नहीं लिया सबक

नई दिल्ली । दिल्ली के स्पिनर दिग्वेश राठी यहां जारी दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में एक बार फिर अपना विवादित नोटबुक सेलिब्रेशन करते दिखे जबकि आईपीएल में अपने जश्न मनाने के इस अंदाज के कारण उनपर जुर्माने के साथ ही प्रतिबंध भी लगा था पर लगता है कि उन्होंने इससे सबक नहीं लिया। राठी अपने अलग प्रकर के सेलिब्रेशन स्टाइल को लेकर अधिकतर निशाने पर रहे हैं। जब वह किसी बल्लेबाज को आउट करते हैं तो उसके बगल में जाकर नोटबुक सेलिब्रेशन करते हैं, जिसमें वे ऐसा दिखाते हैं जैसे किसी का नाम नोट कर रहे हों। इसी सेलिब्रेशन की वजह से आईपीएल में भी वह चर्चाओं में रहे थे। तब अभिषेक शर्मा के साथ उनका काफी विवाद हुअ था। इसके बाद दिग्वेश ने अपना सेलिब्रेशन बदल लिया था और वे जमीन पर लिखकर विकेट का जश्न मनाते थे।

वहीं अब लगता है कि राठी पुरानी सभी बातों को भूल गये हैं। दिल्ली प्रीमियर लीग में पुरानी दिल्ली 6 टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे राठी ने हाल ही में आउटर दिल्ली वॉरियर्स के खिलाफ खेले गए सीजन के 29वें मुकाबले में अपना पुराना विवादित सेलिब्रेशन फिर से दिखाया। अरुण जेटली स्टेडियम में हुए इस मैच में, जब दिग्वेश ने प्रियांश आर्य को अपना पहला शिकार बनाया, तो विकेट लेने के तुरंत बाद उन्होंने पवेलियन लौट रहे प्रियांश के पास जाकर वही नोटबुक सेलिब्रेशन किया। हालांकि, इस बार प्रियांश आर्य ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, जिसके चलते इस बार कोई विवाद नहीं हुआ। राठी ने अपनी टीम के लिए कसी हुई गेंदबाजी की। उन्होंने अपने 4 ओवर के स्पेल में केवल 25 रन देकर महत्वपूर्ण तीन विकेट लिए। प्रियांश आर्य के अलावा उन्होंने यश शर्मा और विकेटकीपर ध्रुव सिंह को भी आउट किया।

रोनाल्डो साल के अंत में ले सकते हैं संन्यास

लिस्बन। पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने संकेत दिये हैं कि वे इस सत्र के अंत में संन्यास ले सकते हैं। हाल ही में अपनी गर्लफ्रेंड जॉर्जिना रोड्रिगेज से शादी रचाने वाले रोनाल्डो के अनुसार इस साल अंत तक ही वह पेशेवर फुटबॉल करियर जारी रखेंगे। रोनाल्डो ने कहा, यह शायद मेरे फुटबॉल का अंतिम साल है । उनके इस बयान के बाद से ही प्रशंसकों को लगने लगा है कि अब रोनाल्डो कभी भी संन्यास ले सकते हैं। जिससे वे भावुक हो गये। सोशल मीडिया और खेल मंचों पर उनके संन्यास की अटकले जोरों पर है,प्रशंसक भी उनके शानदार सफर को याद करते हुए उनके भविष्य को लेकर बातें कर रहे हैं।

शहीद भगत सिंह सेवा समिति में निकाला कैंडल मार्च

बैहर विधानसभा क्षेत्र में दूषित जल से फैले संक्रमण की वजह से मृत हुये बच्चों को दी श्रद्धांजलि

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आजादी की 80 वी वर्षगांठ पर शहीद भगत सिंह सेवा समिति द्वारा हीरापुर भरवेली द्वारा शहीद भगत सिंह चौक इमली टेकरा से एक कैंडल मार्च निकाला गया हीरापुर चौक तक पहुँचा वहां से पुन: शहीद भगत सिंह चौक पहुंचा जहां दूषित जल व संक्रमण से असमय मृत हुए बैहर क्षेत्र के बच्चों को 2 मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई तत्पश्चात इस कैंडल मार्च में शामिल हुए लोगों ने इस गंभीर मसले पर अपने-अपने विचार रखें।बताया गया कि यह आयोजन शहीद भगत सिंह चौक में सम्पन्न हुआ, जो शहीद स्मारक (1982 मायल गोलीकांड) मे शहीद मजदूरों की याद मे बनाया गया था।

बच्चों का मृत होना बड़ा ही गंभीर और चिंताजनक विषय है- गुड्डा दीवान

ग्राम हीरापुर की सरपंच शांति गुड्डा दीवान ने कहा कि एक तरफ देश आजादी की 80वी वर्षगांठ मना रहा है और विकास की बड़ी-बड़ी बातें होती हैं किंतु इतने बड़े स्तर पर संक्रमण की वजह से बच्चों का मृत होना बड़ा ही गंभीर और चिंताजनक विषय है उन्होंने लोगों से साफ सफाई की रखने की विशेष अपील की मृत हुए बच्चों को ईश्वर के चरणों में जगा देने और इस दुख की घड़ी में परिवार को दुख सहने की शक्ति देने की बात कही।

मृतक के परिजनों को दिया जाए 10-10 लाख रु का मुआवजा- इमरान

सामाजिक कार्यकर्ता इमरान खान ने कहा कि आजादी के 80 वर्ष बीत जाने के बाद भी बैहर विधानसभा क्षेत्र बहुत ही पिछड़ा हुआ है एक तरफ तो सरकार विकास के बड़े-बड़े दावे करती है मगर बैहर विधानसभा क्षेत्र में हकीकत कुछ और है उन्होंने कहा कि दक्षिण बैहर क्षेत्र के कई गांवों तक आज तक पीने के पानी की कोई व्यवस्था ही नहीं है ना ही वहां नल है ना ही जल है और ना ही पानी के लिए हैंडपंप की कोई व्यवस्था की गई है आज भी वहां के लोग कई कई किलोमीटर चलकर के नाले में झिरिया बनाकर वहां का पानी पीते हैं आप इस बात से अंदाजा लगा सकते हैं की हालत दक्षिण बैहर क्षेत्र के किस तरह बद्तर है उन्होंने आदिवासी बैगा को संरक्षित करने के सरकार के दावे को झूठा बताते हुए कहा कि एक तो सरकार आदिवासीयो को संरक्षित करने की बड़े-बड़े दावे करती है मगर एक माह के भीतर 20 से ज्यादा बच्चों की संक्रमण की वजह से मौत हो जाना सरकार के दावे को पूरी तरह धत्ता बता साबित करता है उन्होंने सरकार से आग्रह किया है कि सरकार इस और विशेष ध्यान दें और बैहर क्षेत्र में बैगा आदिवासियों के लिए नल पक्के मकान वह सड़क की व्यवस्था जल्द करें और मृत्यु हुए बच्चों के परिवार जनों को 10 लाख रुपए का मुआवजा दे।

सिस्टम बदलने पर ही हो सकता है व्यवस्था में बदलाव

ग्राम पंचायत हीरापुर के पंच सागर शिववंशी ने इस गंभीर घटना पर शोक वक्त किया और लोगों को स्वच्छता के लिए जागरूक करने की बात कही बैहर क्षेत्र में मृत हुए बच्चों के को लेकर के युवाओं में काफी आक्रोश देखने को मिला भरवेली के युवा राकेश सरवरी ने इस घटना को लेकर और जिले में चल रहे भ्रष्टाचार को लेकर के सिस्टम को बदलने तक की बात कह डाली ।वही कार्यक्रम के अंत में भगत सिंह सेवा समिति के सदस्य भोला द्वारा सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई ।कार्यक्रम का संचालन ग्राम पंचायत हीरापुर के वार्ड पंच सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाले युवा जैकी सरभांग द्वारा किया गया। कैंडल मार्च में यहां लोग रहे प्रमुख रूप से उपस्थित हीरापुर के उपसरपंच नत्थू आमाडरे, गुड्डा दीवान मोनू पटेल, बीसन कुसराम, नयन कुसराम, छोटू दीवान, भोला पारिमल, सोनू मड़ावी, संजय पटले, गोलू बघेल, धन्नू सोनबिरसे, शेख स्माइल, भानू आजाद, आदित्य सोनवाने,लक्की कुसराम, जॉन लूईस, बंटी नागेश, प्रमोद नागेश,गोपाल उपाध्याय, आशीष बंसपाल, मिंटू बंसपाल, अस्सू खान अनीश धानेश्वर, आकाश लांजेवार, मिलन चौरे सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कुम्हारी खुर्द में विशेष ग्राम सभा आयोजित, सैकड़ों ग्रामीण हुए शामिल

युवा सरपंच नेहल तुमेश्वर गौतम की अध्यक्षता में हुआ आयोजन, ग्राम विकास एवं जनकल्याण के मुद्दों पर हुई चर्चा

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम पंचायत कुम्हारी खुर्द में मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार 17 अगस्त 2026 को विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्राम सभा की अध्यक्षता युवा सरपंच नेहल तुमेश्वर गौतम ने की। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ, जिसमें सैकड़ों ग्रामीणों ने उपस्थित होकर ग्राम विकास और जनकल्याण से जुड़े

विषयों पर अपनी सहभागिता दर्ज कराई। ग्राम सभा के दौरान ग्रामीणों ने विभिन्न विकास कार्यों, जनहित से जुड़े विषयों तथा जनजागरूकता से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने आपसी समन्वय के साथ गांव के विकास को गति देने तथा जनकल्याणकारी कार्यों को बेहतर ढंग से आगे बढ़ाने पर जोर दिया। इस अवसर पर उपसरपंच उमेश डिब्बे, पंच डालेंद्र महेश्वरे, येवानंद पटले, गीता कोसरे, खेलचंद नारनौरे सहित समस्त पंचगण, ग्राम पंचायत सचिव आशीष बाबू अगासे, सहायक सचिव संजय चौहान एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। ग्राम सभा में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पंचायत प्रतिनिधियों के साथ मिलकर ग्राम विकास एवं जनजागरूकता को लेकर सकारात्मक निर्णय लेने में सहभागिता की।

दक्षिणमुखी हनुमान सेवा समिति ने निकाली कांवड़ यात्रा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सावन का पावन महीना भगवान भोलेनाथ की भक्ति और आराधना के लिए विशेष है। सावन शुरू होते ही शिवभक्तों में कांवड़ यात्रा को लेकर उत्साह देखने देखने को मिलता है जो पावन सलीला से कांवड़ में जल भरकर धर्म नगरी लांजी में कोटेश्वरधाम पहुंचकर भोलेबाबा का जलाभिषेक करते है। बालाघाट नगर में दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर सेवा समिति द्वारा लगातार 10 वें वर्ष कांवड़ यात्रा निकाली गई जिसें बोल-बम के जयकारों के साथ शिवभक्तों की टोली रवाना हुई। नगर में बम-बम भोले के जयघोष से वातावरण शिवमय नजर आ रहा है। कांवड़ यात्रा में श्रद्धालु कठिन पदयात्रा करते हुए पवित्र जल अपने साथ लेकर आते हैं और भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सावन में

शिवलिंग पर जल अर्पित करने का विशेष महत्व है। इसी आस्था के चलते बड़ी संख्या में शिवभक्त हर वर्ष कांवड़ यात्रा का संकल्प लेकर इस धार्मिक परंपरा में शामिल होते हैं। इसी आस्था और उल्लास के साथ दक्षिण मुखी हनुमान मदिर सेवा समिति द्वारा वार्ड नं.24 इंदिरा नगर से कांवड़ यात्रा निकाली गई जिसने शिवभक्ति धुनों और जयकारों के बीच नगर भ्रमण किया और 100 कांवड़ियों ने कोटेश्वरधाम लांजी के लिये प्रस्थान किया। इस अवसर पर बालाघाट नपाध्यक्ष भारती सुरजीतसिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, सभापति कमलेश पांचे, वकील वाधवा, उज्जवल आमाडारे के द्वारा कांवड़ियों के साथ कदम मिलाकर चलते हुए सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना करते हुए शिवभक्तों को श्रद्धा के साथ रवाना किया।इस दौरान राहुल धुर्वे, महेंद्र आमाडारे, विकास बंशकार, गणेश ठाकरे, महेश बावनकर, टेकसिंह खण्डेत, ओमप्रकाश रहांगडाले, राहुल कोहरे, राम राऊत, जैकी बंशकार, पप्पू बंशकार, निक्की राऊत, वैभव वगारे सहित अन्य की उपस्थिति रही।

कारंजा के आवासीय विद्यालय में हर्षोल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। विद्याभारती बाल भाऊ देवरस सरस्वती शिशु मंदिर आवासीय विद्यालय कारंजा में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदेमातरम् राष्ट्रगीत के पश्चात तिरंगा ध्वज फहराकर किया गया। इसके बाद घोष दल के साथ भव्य प्रभात फेरी एवं झांकी निकाली गई। विद्यालय में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में भैया-बहनों ने देशभक्ति गीत, भाषण एवं विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विद्यालय के व्यवस्थापक सचिन अग्रवाल के सौजन्य से वार्षिक परीक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले भैया-बहनों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष लालाराम नंदनवार, मंशाराम बिलथरे, हुलास पटले सहित अभिभावक, आचार्य परिवार एवं भैया-बहन उपस्थित रहे। आचार्य एवं दीदियों के कुशल मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने अनुशासन और देशभक्ति का परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन रविन्द्र महारवाड़े एवं शौर्य छूटे ने किया। अतिथियों एवं उपस्थित महानुभावों का आभार विद्यालय के प्राचार्य चुन्नीलाल बोपचे ने व्यक्त किया। शांति मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

स्वतंत्रता दिवस पर मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान

नगर परिषद बैहर में अध्यक्ष यशवंती गुड्डा मरकाम ने किया ध्वजारोहण

पद्मेश न्यूज। बैहर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगर परिषद बैहर द्वारा 15 अगस्त को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यालय नगर परिषद बैहर में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती यशवंती गुड्डा मरकाम ने ध्वजारोहण किया। इसके पश्चात मध्यप्रदेश शासन के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा प्रसारित संदेश का वाचन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, पार्षदों, मनोनीत पार्षदों सहित स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही।

मेधावी विद्यार्थियों को मिला सम्मान

स्वतंत्रता दिवस समारोह में नगर परिषद की ओर से कक्षा 10वीं एवं 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। अध्यक्ष श्रीमती यशवंती गुड्डा मरकाम की घोषणा के अनुसार उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार राशि के चेक प्रदान किए गए।कक्षा 12वीं में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बैहर के पृथ्वी यादव ने 95.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं चक्रवर्ती पब्लिक स्कूल बैहर की कुमारी पूनम बिसेन ने भी 95.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुमारी अलवीरा खान ने 94.4 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय तथा कुमारी प्रियांशी शर्मा, शासकीय मॉडल स्कूल बैहर, ने 93.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया।कक्षा 10वीं में कुमारी डेजी बिसेन, शासकीय मॉडल स्कूल बैहर, ने 98.8 प्रतिशत तथा निश्चय राणा, मॉडल स्कूल बैहर, ने 98.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। ओमकार, चक्रवर्ती पब्लिक स्कूल बैहर, ने 97.8 प्रतिशत एवं कुमारी आयुषी लांजेबार, लिटिल किंगडम पब्लिक स्कूल बैहर, ने 97.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं श्री विनय घरदे, चक्रवर्ती पब्लिक स्कूल बैहर, ने 97.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया।

प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने पुरस्कार राशि के चेक

कक्षा 12वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले

विद्यार्थियों को 15 हजार रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को 10 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को 7 हजार रुपये की पुरस्कार राशि का चेक प्रदान किया गया।इसी प्रकार कक्षा 10वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 15 हजार रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 7,500 रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को 7 हजार रुपये की पुरस्कार राशि के चेक प्रदान किए गए। विद्यार्थियों को यह पुरस्कार विधायक संजय उइके, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती यशवंती गुड्डा मरकाम, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बैहर एवं आईएएस अधिकारी अर्पित गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि सुरेंद्र गुप्ता मरकाम, मुख्य नगर पालिका अधिकारी हितेश हालमारे, मंडल अध्यक्ष संकेत राठौर सहित नगर परिषद के पार्षदगण, मनोनीत पार्षदगण एवं उपस्थित स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रदान किए गए।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत प्रतियोगिताएं

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार नगर परिषद बैहर द्वारा 'हर घर तिरंगा अभियान' के अंतर्गत भी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। निकाय क्षेत्र के स्कूलों में रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित कर विद्यार्थियों में देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित किया गया। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अमृत वन पार्क में किया पौधरोपण

कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंत में नगर परिषद बैहर द्वारा अमृत वन पार्क में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों-कर्मचारियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से एक ओर जहां देशभक्ति एवं राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूती मिली, वहीं नगर की प्रतिभाओं को सम्मान और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।कार्यक्रम में नगर परिषद के समस्त अधिकारी-कर्मचारी, पार्षदगण, मनोनीत पार्षदगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं नगर क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर उल्लास कार्यक्रम के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार वितरित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायालय बालाघाट में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री प्राणेश कुमार प्राण ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर न्यायिक अधिकारीगण, अधिवक्ता एवं न्यायालयीन स्टाफ उपस्थित रहा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट द्वारा मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार 'उल्लास' अभिनव पहल के अंतर्गत दो दिवसीय सांझा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का उद्देश्य न्यायालयीन कर्मचारियों में आपसी सहयोग, टीमवर्क और सकारात्मक कार्य वातावरण को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के दौरान शतरंज, कैरम, निबंध लेखन, चित्रकला एवं विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें न्यायिक अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं उनके बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में विजेता प्रतिभागियों के साथ प्रतियोगिताओं में सहभागिता करने वाले बच्चों, न्यायिक अधिकारीगण एवं कर्मचारियों को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री प्राणेश कुमार प्राण, विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटी) श्री रघुबीर प्रसाद पटेल एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री सतीश शर्मा द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर प्रथम जिला न्यायाधीश श्री गौतम सिंह मरकाम, द्वितीय जिला न्यायाधीश श्री दीपनारायण सिंह, तृतीय जिला न्यायाधीश श्रीमती तबस्सुम खान, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी श्री मनीष कुमार सिंह सहित अन्य न्यायिक अधिकारी, कर्मचारी, लीगल एड डिफेंस काउंसेल्स, स्टाफ एवं अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में दिल्ली पहुंचे बालाघाट के शिक्षाविद दिनेश वर्मा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 15 अगस्त 2026 को देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर पहली बार राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' का पूर्ण गायन भी किया गया। इस विशेष समारोह में बालाघाट जिले के बैहर निवासी शिक्षाविद श्री दिनेश वर्मा को रक्षा मंत्रालय द्वारा विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। श्री वर्मा बैहर के वरिष्ठ शिक्षाविद एवं लोकतंत्र सेनानी स्वर्गीय श्री श्यामबाबू वर्मा के पुत्र हैं। श्री दिनेश वर्मा पूर्व में गेंदे की उन्नत किस्म उगाकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बना चुके हैं। शिक्षा एवं अन्य क्षेत्रों में उनकी उपलब्धियों के चलते स्वतंत्रता दिवस के इस राष्ट्रीय समारोह में उनका आमंत्रित होना बालाघाट जिले के लिए गौरव का विषय है। लाल किले की प्राचीर से जब पहली बार 'वंदे मातरम्' का पूर्ण गायन हुआ, उस ऐतिहासिक क्षण में बालाघाट जिले का प्रतिनिधित्व श्री दिनेश वर्मा ने किया। इस अवसर पर उनके पुत्र एवं अधिवक्ता श्री हर्षित वर्मा भी उनके साथ उपस्थित रहे। श्री वर्मा की इस सहभागिता से बैहर सहित संपूर्ण बालाघाट जिले में हर्ष एवं गौरव का वातावरण है।

डूंगरपुर में आरक्षण लॉटरी पर विवाद, भाजपा विधायक ने दी कोर्ट जाने की चेतावनी

जयपुर। सोमवार को राजस्थान में 309 नगर निकायों के वार्डों की आरक्षण लॉटरी निकाली गई, लेकिन डूंगरपुर नगर परिषद में आरक्षित वार्डों को लेकर तीखा विरोध सामने आया। भाजपा के सागवाड़ा विधायक शंकर डेचा ने आरक्षण लॉटरी को लेकर न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की चेतावनी दी है। विधायक डेचा ने आरोप लगाया कि निकाय चुनावों के लिए एसटी और एससी वर्ग के जिन वार्डों को आरक्षित किया गया है, उनमें संबंधित आरक्षित वर्ग की आबादी ही निवास नहीं करती। उन्होंने सवाल उठाया कि फिर इन वार्डों का आरक्षण किस आधार पर किया गया। डेचा ने दावा किया कि वार्डों का आरक्षण लॉटरी निकालने की बजाय पहले से ही निर्धारित कर दिया गया था। जिला कलेक्टर देशलदान ने सफाई दी कि वार्डों का आरक्षण जनसंख्या के आधार पर किया गया है। हालांकि, भाजपा नेताओं ने इस तर्क को खारिज कर कहा कि कई आरक्षित वार्डों में एसटी और एससी वर्ग के लोग मौजूद नहीं हैं, और इसे पूरी तरह गलत करार दिया।

बैंकिंग सुधारों के लिए बनेगी हाई-लेवल कमेटी

-वित्त मंत्री ने कहा- बैंकों का एनपीए सबसे निचले स्तर पर, विकसित भारत लक्ष्य पर फोकस

नई दिल्ली। सरकार जल्द ही बैंकिंग सेक्टर में सुधारों के लिए अपनी हाई-लेवल कमेटी का ऐलान करेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय पीएसबी कॉन्फ्लुएंस 2026 के पहले दिन यह घोषणा की। वित्त मंत्रालय के एक सूत्र के मुताबिक, इस कमेटी का गठन इसी महीने किया जा सकता है। इस हाई-लेवल कमेटी को गठित करने का प्रस्ताव सबसे पहले केंद्रीय बजट 2026-27 में रखा गया था। वित्त मंत्री सीतारमण ने विकसित भारत के लिए बैंकिंग पर हाई-लेवल कमेटी बनाने के प्लान का ऐलान किया था। इसका मुख्य मकसद बैंकिंग सेक्टर को देश के आर्थिक विकास के लक्ष्यों के अनुरूप ढालना और समीक्षा करना है। हालांकि, अभी तक इस समिति का औपचारिक रूप से गठन होना बाकी है।

वित्त मंत्री ने साफ किया कि यह पैनल 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में बैंकों की भूमिका पर अपना ध्यान केंद्रित करेगा। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान कहा कि कमेटी विकसित भारत की ओर बैंकों की भूमिका की समीक्षा करेगी। साल 2047 अब बहुत दूर नहीं है। वित्त मंत्री ने देश के बैंकिंग सेक्टर में आए सुधारों और एसेट क्वालिटी का जिक्र करते हुए नए बदलावों की जरूरत बताई। सीतारमण ने भरोसा दिया कि समिति की रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद सरकार सुझाई गई सिफारिशों को लागू करने में देरी नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि जैसे ही कमेटी अपनी रिपोर्ट सौंपेगी, हम उसकी सिफारिशों पर तेजी से काम करेंगे। देश के सरकारी बैंकों की वित्तीय सेहत में लगातार सुधार देखा जा रहा है।

शौर्या पाण्डेय ने जीता स्वर्ण पदक, राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्कूल गेम्स कराते संभागीय टूर्नामेंट, बालाघाट में योद्धा कराते एंड फिटनेस अकैडमी की प्रतिभाशाली खिलाड़ी शौर्या पाण्डेय ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-14 गर्ल्स वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर शौर्या का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है।शौर्या पाण्डेय, पिता चन्द्रशेखर पाण्डेय, ओजस ग्लोबल स्कूल, बालाघाट की छात्रा हैं। उन्होंने प्रतियोगिता में अपने खेल कौशल और शानदार तकनीक का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, विद्यालय एवं योद्धा कराते एंड फिटनेस अकैडमी में खुशी का माहौल है।

शौर्या की इस शानदार सफलता पर योद्धा कराते एंड फिटनेस अकैडमी की ओर से उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। अकैडमी के कोच सेन्सेई लक्की मड़ावी सर, ब्लैक बेल्ट एवं अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता, ने शौर्या की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि निरंतर अभ्यास, अनुशासन और मेहनत के बल पर खिलाड़ी अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।उन्होंने शौर्या के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी बेहतर प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं। शौर्या की इस उपलब्धि से बालाघाट के खेल जगत में भी खुशी का माहौल है और अब सभी की नजरें उनकी आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता पर टिकी हैं।

न्यूज गैलरी

कीटनाशक दवाई के सेवन से 73 वर्षीय वृद्ध की निजी अस्पताल में मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कीटनाशक दवाई के सेवन से नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती एक वृद्ध की इस अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक सरादु पिता गोबरी लाल नागेश्वर 73 वर्ष ग्राम चीचगांव थाना ग्रामीण नवेगांव बालाघाट निवासी बताया गया है। कोतवाली पुलिस ने इस ने इस वृद्ध का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सरादु अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था जिसके परिवार में दो बेटे है। सरादु अपने दोनों बेटे संयुक्त परिवार में ही रहते थे। बताया गया कि पिछले कुछ माह से सरादु की तबीयत खराब थी जिसे खुजली के साथ साथ दर्द के अलावा अन्य शिकायत थी। जिसका इलाज किया जा रहा था और दवाई भी चालू थी। 8 अगस्त को दोपहर में सरादु ने खेत में छिड़काव की जाने वाली 505 कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया। जिसे परिजनों ने बालाघाट नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किए थे। जहा सरादु का इलाज चल रहा था। 16 अगस्त की रात्रि 9ः00 बजे करीब सरादु की इसी निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस निजी अस्पताल पहुंची और मृतक सरादु का शव अपने कब्जे में लेकर जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिए। 17 अगस्त को सरादु का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। संभावना व्यक्त की गई है कि सरादु ने बीमारी से परेशान कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया जिससे उसकी मौत हो गई। इस मामले को ग्रामीण थाना भिजवा दिया गया है। इस मामले की आगे जांच की जाएगी।

पेट्रोल मांगने के बहाने घर में घुसे डकैत
बैहर पुलिस ने अंतरराज्यीय गिरोह का किया पर्दाफाश
कुमादेही डकैती कांड में 8 आरोपी गिरफ्तार, 17 लाख रुपए का मशरूका बरामद, गोंदिया से संचालित हो रहा था गिरोह

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बैहर थाना क्षेत्र के ग्राम कुमादेही में हुई सनसनीखेज डकैती का पुलिस ने खुलासा करते हुए अंतरराज्यीय डकैत गिरोह के आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने वारदात को अंजाम देने से पहले घर की रेकी की और फिर देर रात पेट्रोल खत्म होने का बहाना बनाकर घर का दरवाजा खुलवाया। जैसे ही परिवार के लोगों ने दरवाजा खोला, हथियारों से लैस बदमाश घर के भीतर घुस गए और पूरे परिवार को बंधक बनाकर नगदी, जेवरात और मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए।

17 अगस्त को स्थानीय पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेस वार्ता में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश भार्गव ने बताया कि 12 अगस्त की रात ग्राम कुमादेही निवासी तेजराम ठाकरे के घर में डकैती की घटना हुई थी। पीड़ित परिवार की शिकायत के आधार पर बैहर थाने में अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष जांच दल का गठन किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने एफएसएल, फिंगर प्रिंट और डॉग स्क्वॉड की सहायता से घटनास्थल का निरीक्षण किया। वहीं, आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों की भी बारीकी से जांच की गई। जांच के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले, जिसके बाद पता चला कि इस वारदात के तार महाराष्ट्र के गोंदिया जिले से जुड़े हुए हैं। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि ग्राम लामता निवासी आलोक उर्फ उकेश सिलवंशी ने इस पूरी वारदात की योजना तैयार की थी। उसे जानकारी थी कि तेजराम ठाकरे किराना, हार्डवेयर और कृषि केंद्र का संचालन करते हैं और उनके घर में नगदी और सोने-चांदी के जेवरात रखे रहते हैं। इसके बाद उसने अपने रिश्तेदारों और गोंदिया के साथियों के साथ मिलकर डकैती की साजिश रची। पुलिस के अनुसार, घटना से एक दिन पहले आरोपी डैनी उर्फ किशन अजीत ने कुमादेही पहुंचकर घर और आसपास के इलाके की रेकी की थी। 12 अगस्त की रात सभी आरोपी मोटरसाइकिल और स्कूटी से गोंदिया से बैहर पहुंचे। उन्होंने घर के बाहर पहुंचकर पेट्रोल खत्म होने की बात कही और जैसे ही दरवाजा खुला, आरोपियों ने तेजराम ठाकरे को धक्का देकर नीचे गिरा दिया। इसके बाद चाकू और तलवार के बल पर परिवार को डराया-धमकाया गया और घर में रखे जेवरात तथा नगदी लूट ली गई। पुलिस ने गोंदिया पुलिस के सहयोग से आरोपियों की घेराबंदी कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से 1 लाख 80 हजार रुपए नगद, लगभग 15 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवरात, 6 मोबाइल फोन, एक पिस्टलनुमा लाइटर, एक चाकू, एक तलवार और तीन दोपहिया वाहन जब्त किए गए हैं। जब्त किए गए मशरूके की कुल कीमत लगभग 17 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने इस मामले में धारा 309(6), 115(2), 127(2), 310(2), 312 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तथा 25(बी) आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आठ आरोपी पर मामला दर्ज किया हैं, जिसमे डैनी उर्फ किशन अजीत (35 वर्ष), निवासी सूर्याटोला, थाना सिटी गोंदिया

(महाराष्ट्र), राज लहरी (24 वर्ष), निवासी नगपुरा, मुर्रीलाल पहाड़ी, थाना सिटी गोंदिया (महाराष्ट्र), मयूर गजापुरी (23 वर्ष), निवासी श्रीनगर, चौहान चौक, गोंदिया, थाना सिटी गोंदिया (महाराष्ट्र), प्रणय मेश्राम (21 वर्ष), निवासी भीमनगर, गोंदिया, थाना सिटी गोंदिया (महाराष्ट्र), दर्शन जगने (21 वर्ष), निवासी कुम्हारी नगर, गोंदिया, थाना सिटी गोंदिया (महाराष्ट्र), शुभम गंधे (26 वर्ष), निवासी कुम्हारी नगर, थाना गोंदिया शहर (महाराष्ट्र), मयंक उर्फ छाटन मनोटे (23 वर्ष), निवासी कुम्हारी नगर, थाना गोंदिया शहर (महाराष्ट्र) तथा आलोक उर्फ उकेश सिलवंशी (33 वर्ष), निवासी ग्राम लामता, जिला बालाघाट शामिल हैं। इस पूरे मामले ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि अपराधी अब वारदात को अंजाम देने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं। वहीं, इस घटना ने ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि बैहर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए डकैती का खुलासा कर आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है, लेकिन यह घटना क्षेत्र के लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

शहर के बीचों-बीच 11 स्ट्रीट लाइट चोरी, आखिर किसकी लापरवाही ?
अंबेडकर चौक, शिवाजी गार्डन और पीजी कॉलेज के सामने लगे गार्डनों से एलईडी लाइटें गायब, 15 दिन बाद जागा नगर पालिका प्रशासन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर को सुंदर और आधुनिक बनाने के लिए नगर पालिका द्वारा लाखों रुपये खर्च कर अंबेडकर चौक, शिवाजी गार्डन और पीजी कॉलेज के सामने स्थित गार्डनों का निर्माण कराया गया था। इन गार्डनों में रात के समय आकर्षक रोशनी की व्यवस्था के लिए एलईडी स्ट्रीट लाइटें भी लगाई गई थीं, लेकिन अब इन्हीं स्थानों से 11 एलईडी लाइटों की चोरी का मामला सामने आने के बाद नगर पालिका की कार्यप्रणाली और शहर की सुरक्षा व्यवस्था दोनों सवालों के घेरे में आ गई हैं। हैरानी की बात यह है कि जिन स्थानों से लाइटें चोरी हुई हैं, वे शहर के सबसे व्यस्त और संवेदनशील इलाकों में शामिल हैं। स्थानीय अंबेडकर चौक ऐसा स्थान है, जहां दिनभर लोगों की भीड़ लगी रहती है। यहां पुलिसकर्मियों की मौजूदगी भी रहती है और सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। इसके बावजूद चोर आराम से 11 एलईडी लाइटें निकालकर ले गए और किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। नगर पालिका से जुड़े सूत्रों के अनुसार, यह चोरी करीब 15 दिन पहले हो चुकी थी, लेकिन संबंधित विभाग को इसकी जानकारी काफी देर से हुई। इससे भी बड़ा सवाल यह है कि यदि चोरी की जानकारी 15 दिन पहले मिल गई थी, तो पुलिस में शिकायत दर्ज कराने में इतनी देरी क्यों की गई ? आखिर नगर पालिका प्रशासन इतने दिनों तक क्या करता रहा ? बताया जा रहा है कि चोरी हुई प्रत्येक एलईडी लाइट की कीमत 700 से 800 रुपये के बीच है। भले ही आर्थिक नुकसान बहुत बड़ा न हो, लेकिन सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा को लेकर यह मामला बेहद गंभीर माना जा रहा है। यदि शहर के सबसे सुरक्षित और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में लगी सरकारी संपत्ति सुरक्षित नहीं है, तो अन्य स्थानों की स्थिति का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। सबसे बड़ा प्रश्न यह भी है कि क्या नगर पालिका के पास अपने द्वारा विकसित किए गए गार्डनों की नियमित निगरानी की कोई व्यवस्था है ? यदि है, तो फिर 11 लाइटों की चोरी होने के बाद भी इसकी जानकारी समय पर क्यों नहीं मिल सकी ? वहीं, यदि निगरानी की कोई व्यवस्था नहीं है, तो फिर सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा आखिर किसके भरोसे छोड़ी गई है ? सूत्रों के अनुसार, नगर पालिका की संबंधित शाखा ने इस मामले की लिखित शिकायत कोतवाली थाने में दर्ज करा दी है। हालांकि, मामले से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी खुलकर कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। इससे यह मामला और भी संदिग्ध दिखाई दे रहा है। शहरवासियों का कहना है कि सार्वजनिक धन से विकसित किए गए गार्डनों और उनमें लगाई गई सुविधाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना नगर पालिका की जिम्मेदारी है। यदि समय रहते निगरानी की जाती, तो शायद चोरी की यह घटना नहीं होती। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंच पाती है या नहीं। वहीं, नगर पालिका को भी यह स्पष्ट करना होगा कि चोरी की घटना के बाद शिकायत दर्ज कराने में 15 दिन की देरी क्यों हुई और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे।

कार की तेज रोशनी से बाइक अनियंत्रित होकर साइकिल सवार से टकराई-दो घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट-समनापुर रोड पर सोनबिहरी पुलिया के पास रविवार शाम सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल चालक सहित दो लोग घायल हो गए। दोनो घायलों को डायल-112 की मदद से जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया जहां उनका उपचार जारी है। एक घायल विजय पिता शंकरलाल रोकड़े 40 वर्ष ग्राम ठाकुर टोला समनापुर थाना ग्रामीण नवेगांव बालाघाट निवासी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम ठाकुर निवासी विजय रोकड़े मजदूरी का काम करता है। 16 अगस्त विजय रोकड़े किसी काम से बालाघाट आया था। शाम करीब 7 बजे वह मोटरसाइकिल से बालाघाट से अपने घर ठाकुर टोला जा रहा था।इसी दौरान समनापुर रोड सोनबिहरी पुलिया के पास सड़क किनारे एक व्यक्ति साइकिल लेकर खड़ा था। तभी सामने से तेज रफ्तार से आ रही कार की तेज रोशनी के कारण मोटरसाइकिल चालक विजय रोकड़े ने कार को साइड देने का प्रयास किया। इसी दौरान उसकी मोटरसाइकिल सड़क किनारे खड़े साइकिल सवार से टकरा गई और अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई।हादसे में मोटरसाइकिल चालक विजय रोकड़े और साइकिल सवार दोनों घायल हो गए। सूचना मिलने पर डायल112 की मदद से दोनों घायलों को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती कराया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने विजय रोकड़े का बयान दर्ज कर मामला घटनास्थल से संबंधित थाना ग्रामीण नवेगांव पुलिस को भेज दिया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

आईटीआई बालाघाट की प्रशिक्षित दिव्यांग छात्रा का विद्युत वितरण कंपनी में चयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) बालाघाट की पूर्व प्रशिक्षार्थी कुमारी पलक उराड़े, पिता श्री नारायण उराड़े, का मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, भोपाल में लाइन अटेंडेंट के पद पर चयन हुआ है। कुमारी पलक उराड़े ने शासकीय आईटीआई बालाघाट से प्रशिक्षण सत्र 2018-20 में इलेक्ट्रीशियन ट्रेड से प्रशिक्षण प्राप्त किया। वे ओबीसी वर्ग एवं श्रवण दिव्यांग (।ढ्ढ-मूक-बधिर) श्रेणी से संबंधित हैं। अपनी दिव्यांगता को चुनौती न बनने देते हुए उन्होंने कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार हासिल किया और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया। उनकी इस उपलब्धि पर शासकीय आईटीआई बालाघाट के प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ ने हर्ष व्यक्त करते हुए कुमारी पलक उराड़े को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। संस्था ने कहा कि यह उपलब्धि अन्य प्रशिक्षणार्थियों, विशेषकर दिव्यांग युवाओं, के लिए प्रेरणादायी है। शासकीय आईटीआई बालाघाट कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को रोजगार एवं आत्मनिर्भरता से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट